राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025
वर्ष 06, अंक 206, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

20 घरों में लगी आग दो करोड़ की संपत्ति जलकर ख़ाक....03

30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ दें भारतीय नागरिक, शहबाज सरकार ने दिया अल्टीमेटम...12

अटारी बॉर्डर पर भारत के फैसले के बाद अफरा-तफरी का माहौल, वापस लौटने को मजबूर पाकिस्तान

भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ 5 कठोर कदम उठाए हैं, जिसमें अटारी बॉर्डर का बंद होना और पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश शामिल है. अटारी बॉर्डर, दोनों देशों के बीच एकमात्र जमीनी व्यापार मार्ग है, जिसके बंद होने से कई छोटे व्यापार और आयात-निर्यात प्रभावित होंगे. अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

स्वतंत्र प्रभात

पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ 5 सख्त कदम उठाए हैं, जिसमें अटारी बॉर्डर को बंद करने और पाकिस्तानियों को 48 घंटों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है. सरकार के आदेश के बाद ही पाकिस्तानियों में अपने देश जाने को होड़ लग गई है. वहीं सेना की तरफ से अटारी बॉर्डर स्थित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया गया है. इस फैसले को भारत सरकार के द्वारा पाकिस्तान की कमर तोड़ने के लिए उठाये गये कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

अटारी बॉर्डर ही एकमात्र जमीनी रास्ता है जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार होता है. भारत इस रास्ते से पाकिस्तान को सोयाबीन, मुर्गे का दाना, सब्जियां, प्लास्टिक के दाने, प्लास्टिक का धागा और लाल मिर्च जैसी चीजें भेजता है. अटारी, जो अमृतसर से सिर्फ 28 किलोमीटर दूर है, भारत का पहला लैंड पोर्ट है और पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र जमीनी रास्ता है. ये पोर्ट 120 एकड़ में फैला है और सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग-1 से जुड़ा हुआ है।

क्या-क्या होता है दोनों देशों के बीच आयात और निर्यात

अटारी चेक पोस्ट ना सिर्फ भारत-पाकिस्तान व्यापार में बल्कि अफगानिस्तान से आने वाले सामानों के आयात में भी अहम भूमिका निभाता है. अटारी-वाघा कॉरिडोर से हर साल व्यापार और यात्रियों की आवाजाही में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. साल 2023-24 में इस पोर्ट से 6,871 मालवाहक गाड़ियां गुजरीं और 71,563 लोगों ने इस रास्ते से यात्रा की. इस दौरान कुल 3,886.53 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ

पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत में सूखे मेवे, सूखे खजूर, जिप्सम, सीमेंट, कांच, सेंधा नमक और तरह-तरह की जड़ी-बूटियां आती हैं. अब इस पोर्ट के बंद होने से इन चीजों के व्यापार पर असर पड़ेगा ऑटो में सवार पाकिस्तानी नागरिक

व्यापार होगा बुरी तरह प्रभावित

अटारी चेक पोस्ट के बंद होने से इन चीजों के व्यापार पर असर पड़ेगा. अटारी चेक पोस्ट बंद होने के फैसले से खास तौर पर पाकिस्तान के छोटे व्यापारियों और उन उद्योगों पर असर पड़ेगा जो रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के कारोबार पर भारत पर निर्भर हैं. इसके अलावा भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाला आयात-निर्यात भी प्रभावित हो सकता है क्योंकि इनमें से कई सामान पाकिस्तान होकर इसी रास्ते से आते-जाते हैं. अब इस रास्ते के बंद होने से सामान पहुंचाने में काफी दिक्कतें आ सकती हैं, जिससे लॉजिस्टिक यानी माल ढुलाई से जुड़ी परेशानियां बढ़ सकती हैं.

क्या बोले पाकिस्तानी नागरिक

भारत सरकार की तरफ से अटारी बॉर्डर से भारत में आये हुए पाकिस्तान के नागरिकों को 48 घंटे के अंदर वापस अपने वतन लौटने का वक्त दिया गया है. इस वजह से अटारी बॉर्डर पर काफी पाकिस्तानी नागरिक अपने वतन लौटने के लिए अफरा-तफरी में दिखाई दिए.

इस दौरान कुछ पाकिस्तानी नागरिकों ने मीडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया जबकि कुछ पाक नागरिक अमन-शांति की बात करते हुए दिखाई दिए। कराची से भारत आये एक परिवार ने कहा कि 45 दिन के वीजा पर भारत आए थे लेकिन अब वापिस दुख के साथ लौट रहे हैं. इस पाकिस्तानी परिवार ने कहा कि हम कराची से 15 तारीख को आए थे. 45 दिन का वीजा था, लेकिन अब जो भारत सरकार का आदेश आया है तो हम वापिस अपने वतन जा रहे हैं, जो हुआ गलत हुआ है, मगर ये नहीं कह सकते कि किसने किया, या किसके कहने पर हुआ।

दिल्ली में रुके इन पाकिस्तानी नागरिकों ने इंसानियत और भाईचारे की दुहाई देते हुए कहा कि हम तो चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के लोग एक-दूसरे से मिलते रहें. नफरत से कुछ हासिल नहीं होगा. एक महिला, जिनकी शादी पाकिस्तान में हुई है, ने भावुक होते हुए कहा कि मेरी शादी पाकिस्तान में हुई है. इस वजह से भारत आना-जाना होता है. हम तो सिर्फ रिश्तों को निभाने आए थे. अब जो हुआ, उसका हमें दुख है, लेकिन कुछ कह नहीं सकते।

पाकिस्तान लौट रहे पाक नागरिक

इस दौरान भारत के लोग भी काफी परेशान दिए दिखाई दिए. ऐसे लोग जिन्हें पाकिस्तान में रह रहे अपने रिश्तेदारों के यहां शादी-ब्याह या उनका हाल जानने के लिए जाना था उन्हें भी बीएसएफ के द्वारा वापस भेजा जा रहा था. क्योंकि भारत सरकार ने बॉर्डर बंद कर दिया है ऐसे में भारतीय पासपोर्ट वाले ऐसे भारतीय लोग जिन्हें पाकिस्तान एंबेसी से वीजा तो मिल गया है. उन्हें अब अटारी बॉर्डर से भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं है. अटारी बॉर्डर पर कुछ ऐसे भारतीय भी थे जोकि धार्मिक यात्रा पर भारत से पाकिस्तान गए थे, लेकिन बॉर्डर बंद होने की जानकारी मिलने के बाद वो लोग भी अपनी यात्रा को बीच में ही खत्म करके वापस लौट रहे हैं. भारत से पाकिस्तान की और जाने वाले और पाकिस्तान से भारत में लौट रहे लोग हैरान-परेशान दिखाई दिए।

अशरफ की पत्नी जैनब रूबी ने कुर्की और वारंट के खिलाफ हाईकोर्ट में लगाई गुहार!

स्वतंत्र प्रभात

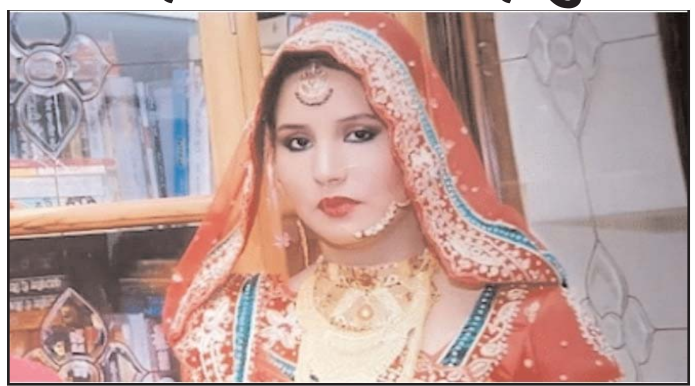

प्रयागराज। उमेश पाल व उनके दो गनर की हत्या के मामले में फरार चल रही खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पत्नी जैनब उर्फ रूबी ने फिर हाईकोर्ट में गुहार लगाई है। उसने खुद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने और कुर्की की कार्रवाई क त्रुटिपूर्ण बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। जैनब 25 हजार की इनामी है और उसकी तलाश में पुलिस कई जनपदों की खाक छान चुकी है। उसने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत उपरोक्त कार्रवाई को रद्द करने की मांग करते हुए अर्जी दाखिल की है। 15 अप्रैल को यह अर्जी दाखिल की गई है जिसमें अभी सुनवाई की तिथि तय नहीं है। 24 फरवरी 2023 को हुए इस हत्याकांड में जैनब का नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आया था।

मुकदमे में आरोपी बनाए जाने की भनक लगते ही वह फरार हो गई और फिर उसका कुछ पता नहीं चला। लगभग पांच महीनों तक तलाश के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर 20 जुलाई 2023 को पुलिस ने अर्जी देकर उसका गैर जमानती वारंट जारी कराया। 26 जुलाई 2023 को उसके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई का नोटिस (सीआरपीसी 82 के तहत) जारी किया गया। 82 की कार्रवाई के बाद भी हाजिर नहीं होने पर 19 अक्तूबर 2023 को कुर्की(सीआरपीसी 83 के तहत) का आदेश जारी हुआ जिस पर पुलिस ने उसके मकान को कुर्क किया।

अग्रिम जमानत, एफआईआर रद्द करने की याचिका हो चुकी है खारिज।

जैनब की ओर से इससे पूर्व अग्रिम जमानत व एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर भी याचिका दाखिल की जा चुकी है। हालांकि दोनों ही मामलों में उसे कोई राहत नहीं मिल सकी थी। अब उसने कोर्ट में अर्जी देकर अपने खिलाफ हुई कार्रवाई को चुनौती दी है।

छह फरार इनामियों से एक, दो साल से दे रहे चकमा

जैनब उमेश पाल हत्याकांड में से एक है। इस हत्याकांड में उर चल रहे छह इनामी आरोपियों में भी व माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता व ननद आयशा नूरी भी वांछित हैं। जैनब वआयशा पर 25-25 हजार जबकि शाइस्ता पर 50 हजार का इनाम घोषित है। इन तीनों के अलावा पांच-पांच लाख के तीन इनामी गुड्डू मुस्लिम, साबिर व अरमान भी दो साल से ज्यादा समय से फरार हैं।

50 करोड़ की वक्फ संपत्ति कब्जाने-बेचने में भी आरोपी

जैनब उमेश पाल हत्याकांड के अलावा 50 करोड़ की वक्फ संपत्ति बेचने के मामले में भी आरोपी है। आरोप है कि पूरामुफ्ती के अकबरपुर स्थित वक्फ की संपत्ति को उसने अपने भाइयों जैद मास्टर, सद्दाम के अलावा मुतवल्ली असियम, उसकी पत्नी जिन्नत, शिबली समेत अन्य की मदद से अवैध रूप से कब्जा किया और कुछ को बेच भी दिया। इस मामले में उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। वक्फ की इसी जमीन पर बने उसके आलीशान मकान पर पीडीए ने बुल्डोजर भी चलाया था।

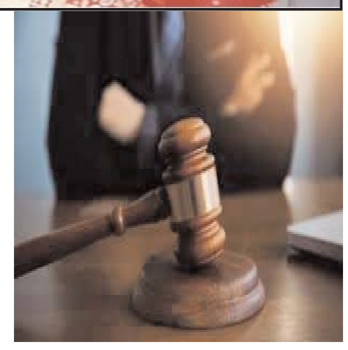

एक आरोपी की अपील पर सुनवाई आज

उमेश पाल हत्याकांड के एक अन्य आरोपी इकबाल अहमद उर्फ मो. सजर की क्रिमिनल अपील पर हाईकोर्ट में बृहस्पतिवार को सुनवाई होनी है। मुकदमे की वादिनी जया पाल के अधिवक्ता प्रवीन कुमार पांडेय की ओर से यह जानकारी दी गई। उन 15 आरोपियों में शामिल है, जिनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। पुलिस का आरोप है कि वारदात के मुख्य शूटर असद ने घटना से पहले जयंतीपुर निवासी सजर को आईफोन दिया था। जो फेसटाइम एप के जरिए घटना वाले दिन उमेश पाल के कचहरी से निकलने के बाद से उनकी लोकेशन शूटरों से साझा कर रहा था।

संक्षिप्त ख़बरें

जंगली बिल्ली के बच्चों को समझा बाघ का शव, गन्ने के खेत में मिले दो बच्चे वन विभाग की टीम बुलाई

सीतापुर जनपद सीतापुर में थाना इमलिया सुल्तानपुर के अटरिया कीरतपुर में एक अजीब घटना सामने आई गन्ने की कटाई के दौरान दो जंगली बिल्ली के बच्चे मिले ग्रामीणों ने इन्हें बाघ का शावक समझ लिया किसान निर्दोष यादव के खेत में गन्ना छीलने के दौरान ये बच्चे दिखाई दिए मौजूद लोगों ने इन्हें पकड़ लिया बच्चों का रंग-रूप बाघ जैसा होने के कारण ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी वन दारोगा गुरुनरायन यादव मौके पर पहुंचे और बच्चों को देखकर उन्हें वापस गन्ने के खेत में छोड़ दिया उन्होंने बताया कि बच्चों की फोटो उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी इससे उनकी प्रजाति की पुष्टि होगी। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले इलाके में बाघ के पग चिन्ह मिले थे रोजहा, ढोलई और फरर्कपुर में भी बाघ देखा गया है अटरिया गांव इन्हीं गांवों के पास है हालांकि, वन रेंजर हरगांव बीनू पाल ने स्पष्ट किया कि ये बच्चे सामान्य बिल्ली प्रजाति के हैं उन्होंने बताया कि अटरिया के आसपास बाघ की कोई गतिविधि नहीं देखी गई है सुरक्षा के लिए दो वन कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया है!!

नवजात बालिकाओ की मृत्यु के प्रकरण में 08 मई तक प्रस्तुत करें कथन एवं साक्ष्य

प्रयागराज। नगर मजिस्टेऊट विनोद कुमार सिंह ने बताया है कि राजकीय बाल गृह (शिशु), प्रयागराज में आवासित नवजात बालिकायें वन्दना, सरस्वती, दीपिका व गौरी की चिकित्सालय में हुयी मृत्यु के प्रकरण में जिलाधिकारी महोदय के द्वारा मुझे मजिस्ट्रियल जांच हेतु नामित किया गया है, जिसके अनुपालन में कथन/साक्ष्य/प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 11.02.2025 नियत की गयी थी, परंतु कोई कथन/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस कारण पुनः कथन/साक्ष्य प्रस्तुत करने हेतु अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण के सम्बंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई कथन एवं साक्ष्य प्रस्तुत करना हो, तो वह मेरे कलेक्टेऊट स्थित कार्यालय/न्यायालय में दिनांक 08 मई, 2025 तक कार्यालय अवधि में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक अपना कथन एवं साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

आजादी के बाद पहलीवार चली रेल ऐतिहासिक क्षण में षामिल लोग हुए विभोर

● महिलाओं ने उतारी आरती लगाया कुमकुम

स्वतंत्र प्रभात

बिहार सुपौल, त्रिवेणीगंज, आजादी के बाद पहली बार पिपरा से सहरसा भाया सुपौल ट्रेन सेवा को धरातल पर उतरता देख इलाके के लोगों में जबरदस्त खुशी देखी गई. कई लोग इस ऐतिहासिक यादगार पल का गवाह बनने के लिए सहरसा तक ट्रेन से सफर के लिए बुकिंग काउंटर से टिकट लेकर उत्साहित थे और सेल्फी फोटो भी खिंचवा रहे थे. काउंटर पर खड़े 70 वर्षीय बुजुर्ग जोगेंद्र मंडल ने बताया यह मेरे लिए ऐतिहासिक पल है और मैं ट्रेन से सफर कर सुपौल जा रहा हूं

सांसद मंत्री के प्रयास की सराहना

वहीं त्रिवेणीगंज से इसऐतिहासिक पल के गवाह बनने के लिए पहुंचे मनजीत कुमार ने बताया मात्र दो वर्ष में ही ट्रेन परिचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ,रेलमंत्री अश्वनी बेशनव के साथ बिहार सरकार के मंत्री

बिजेंद्र यादव को धन्यवाद के पात्र हैं।वहीं खड़े रंजीत मंडल ने कहा कि जब रेलवे का कार्य शुरू हुआ था तब अंदाजा नहीं था कि यहां के वासी इतनी जल्दी ट्रेन का सेवा ले पाएंगे स्थानीय सांसद दिलेश्वर कामैत के प्रयास से यह सपना साकार हो गया पिपरा के लोगों के लिए एक ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित दिन आ गया है. वर्षों से जिस ट्रेन सेवा का इंतजार किया जा रहा था, वह अब साकार हो गई है.

लोगों में उत्साह और खुशी की लहर

सुपौल से पिपरा के बीच ट्रेन सेवा की शुरुआत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मधुबनी से हरी झंडी दिखाकर की तो मौके पर क्षेत्र के लोगों में उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई. यह ट्रेन सेवा न केवल इलाके के लिए एक बड़ी राहत लेकर आई है, बल्कि यह क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई गति देगी. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना पूर्वी भारत के विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह रेल मार्ग न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि व्यवसाय और रोजगार के नए अवसर भी खोलेगा

रेल मंत्रालय और राज्य सरकार के समन्वय से यह परियोजना समय पर पूरी हुई, जो बिहार के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है.अब सुपौल से पिपरा तक का सफर आसान, सुलभ और समयबद्ध हो गया है. यह सेवा आम जनता को समर्पित है और आने वाले समय में इस मार्ग पर यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद है।महिलाओं ने इसमौके आरती उतारकर स्वागत पहली ट्रेन का स्वागत किया

राजस्व विभाग की सांठगांठ - भू-माफिया नजूल की जमीन को खुर्द-बुर्द करने में जुटे

● औरंगाबाद क्षेत्र में कचहरी रोड पर स्थित जमीन पर क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार के संरक्षण में बडा मोटा खेल

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा- सदर तहसील के अंतर्गत गांव औरंगाबाद में कचहरी रोड पर जमीन को खुर्द-बुर्द करने के लिए लगे हुए हैं - सूत्रों के अनुसार के थाना सदर बाजार के इलाके में लेखपाल ,क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक और अपर तहसीलदार

तहसील सदर मथुरा

को बड़ी मोती रकम मिलने के कारण मथुरा के बाहर के भू- माफिया फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसे जमीन को बड़े मुनाफा के साथ बचने के लिए तैयार है यह जमीन नजूल की जमीन है जिस पर सरकारी कब्जा नहीं होने के कारण भू माफियाओं की नजर पड़ी है फिर उसे ठिकाने लगाने की जुगत लग गए हैं इस जमीन को कब्जाने के लिए तैयारी पूर्ण हो चुकी है क्योंकि इलाका पुलिस भी मिल चुकी है एक बड़ी रकम राजस्व टीम और संबंधित विभाग के सभी अधिकारियों पर खर्च की जा चुकी है इस मामले में कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है।

आंगनबाड़ी भर्ती में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

सीतापुर जिले में आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में धांधली और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर महिला अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है गुरुवार की दोपहर डीएम कार्यालय परिसर के सामने बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन किया गौरतलब है कि एक सप्ताह पूर्व विकास भवन स्थित धरना स्थल पर हुए प्रदर्शन के बाद अधिकारियों ने एक सप्ताह में जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन समयसीमा बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कदम न उठाए जाने से नाराज महिला अभ्यर्थियों ने दोबारा मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शन कर रहीं अभ्यर्थियों ने एडीएम (राजस्व) को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि आंगनबाड़ी भर्ती में शामिल भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए उन्होंने डीपीओ (जिला कार्यक्रम अधिकारी) समेत कई सीडीपीओ (बाल विकास परियोजना अधिकारी) को हटाने की मांग की अभ्यर्थियों ने दावा किया कि भर्ती प्रक्रिया में रिश्वत की मांग और अनियमितताओं के कई ऑडियो सामने आए हैं जिनकी जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए

एडीएम ने ज्ञापन प्राप्त करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने अब तक इस मामले में फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाने में संलिप्त 10 लेखपालों के विरुद्ध कार्रवाई की है जिससे प्रशासन की ओर से मामले को गंभीरता से लेने का संकेत मिला है महिला अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो वे आंदोलन को और तेज करेंगी और जल्द ही वह एक सप्ताह बाद सीएम कार्यालय पैदल ही कुछ करेंगी जिले में यह मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है और प्रशासन पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे!!

मिड डे मील में घोटाला- चार सौ ग्राम पाउडर दूध में 70 बच्चों को दिया जा रहा है खीर

● ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप, शिक्षा विभाग बेपरवाह

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

जौनपुर करंजाकला विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय मंगदपुर में मिड डे मील योजना के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है। विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन देने की बजाय उन्हें खाना के नाम पर छलावा दिया जा रहा है। बच्चों के अभिभावकों और ग्राम प्रधान ने विद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बच्चों को न समय से भोजन मिल रहा है और न ही निर्धारित पोषण सामग्री। प्रधान राज कुमार सोनकर ने आरोप लगाया कि विद्यालय में बच्चों को जो खीर दी जाती है, उसमें दूध और चीनी की मात्रा इतनी कम होती है कि उसका स्वाद भी खीर जैसा नहीं होता। दाल में पानी इतना अधिक होता है कि वह केवल चावल के ऊपर गिरा चावल का पानी लगती है। यहां तक कि खीर बनाने के लिए मात्र चार सौ ग्राम के पाउच से 70 बच्चों में बाँट दिया जाता है, जिससे पोषण का कोई लाभ बच्चों को नहीं मिल पाता। बच्चों ने बताया कि जब वे खाना माँगते हैं तो रसोई में कार्यरत महिलाएं उन्हें डांट देती हैं और कहती हैं कि खाना खत्म हो गया। दूसरी बार खाना माँगना यहाँ जैसे गुनाह बन चुका है। मौसमी फल की बात करें तो महीने में केवल एक बार एक केला या फिर दो-तीन अंगूर ही बच्चों को थमा दिए जाते हैं, जिससे मिड डे मील योजना की वास्तविक मंशा ही कुचल दी गई है। जब इन गंभीर आरोपों की जानकारी परिजनों ने ग्राम प्रधान को दी, तो ग्राम प्रधान स्वयं विद्यालय पहुँचकर स्थिति का जायज़ा लेने पहुँचे। प्रधानाध्यापक से जब उन्होंने बच्चों के भोजन और पोषण की व्यवस्था की जानकारी माँगी, तो प्रधानाध्यापक ने न केवल जवाब देने से इनकार किया बल्कि दबंगई पर उतर आए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷आप जहाँ चाहें शिकायत कर लें, कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अधिकारी भी मेरा कुछ नहीं कर पाएंगे।"

प्रधान ने बताया कि उन्होंने तत्काल खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार से इस विषय में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हैरानी की बात है कि अब तक कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ जाहिर होता है कि शिक्षा विभाग भी इस भ्रष्टाचार में या तो आंख मूंदे बैठा है या कहीं न कहीं से संरक्षण मिल रहा है।

शिक्षा विभाग की लापरवाही और विद्यालय प्रशासन की मनमानी के चलते मिड डे मील योजना की साख पर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां यह योजना बच्चों के पोषण और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाई जाती है, वहीं मंगदपुर विद्यालय में यह योजना बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ का माध्यम बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस मामले में उच्चस्तरीय जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से जिला अधिकारी और मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुँचाएंगे। यह मामला सिर्फ विद्यालय स्तर तक सीमित नहीं है, यह बच्चों के भविष्य और स्वास्थ्य से जुड़ा सवाल है, जिसे अनदेखा करना समाज और सरकार दोनों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आ सकता है।

खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला

श्रवण कुमार से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि मैं मीडिया से बात नहीं करूंगा। आप हमारे उच्च अधिकारी से बात कीजिए

डीएम ने किया संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशानिर्देश

●डीएम ने रसोई घर का किया निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता में सुधार लाए जाने का दिया निर्देश

डीएम ने जिला संयुक्त चिकित्सालय में बेहतर साफ सफाई की व्यवस्था , शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का दिया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

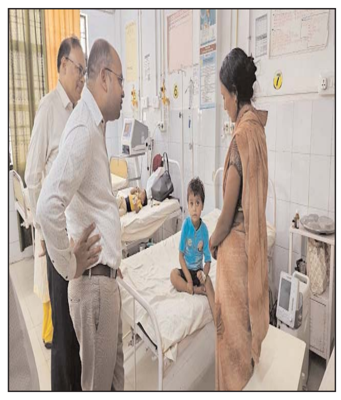

बलरामपुर- जनपद में चिकित्सालयों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं उपलब्ध कराए जाना सुनिश्चित किए जाने को डीएम पवन अग्रवाल द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया।डीएम पवन अग्रवाल ने जिला संयुक्त चिकित्सालय का डेढ़ घंटे से अधिक समय तक विस्तार पूर्वक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी , इमरजेंसी ट्रीटमेंट कक्ष, लेबर रूम , वार्ड , इंजेक्शन रूम ,प्लास्टर कक्ष, आयुष्मान हेल्प डेस्क , एक्स रे कक्ष, इसीजी , अल्ट्रासाउंड कक्ष, डॉयलिसिस कक्ष आदि का जायजा लिया ।उन्होंने चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी रजिस्टर का अवलोकन किया। इस दौरान प्लास्टर कक्ष बंद मिला , अधीक्षक जिला संयुक्त चिकित्सालय ने बताया कि काफी दिनों से आर्थिलॉजिस्ट अब्सेंट चल रहे है , डीएम ने संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया।प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के तहत कैंप में गर्भवती महिलाओं की जांच की जा रही थी , डीएम ने गर्भवती महिलाओं की सभी जांच किए जाने का निर्देश दिया , टीकाकरण के संबंध में भी आवश्यक दिशानिर्देश दिए।उन्होंने चिकित्सालय में आने वाले सभी मरीजों से वार्ता कर सभी का आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का निर्देश दिया।इस दौरान उन्होंने मरीजों से भी वार्ता की एवं किसी को बाहर से दवा तो नहीं लिखी जा रही एवं मिल रही सुविधाओं का फीडबैक प्राप्त किया। सभी मरीजों ने बताया कि बाहर से दवा नहीं लिखी जा रही ।इस दौरान उन्होंने रसोई घर का निरीक्षण किया , निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता मानक रूप नहीं पाई है , डीएम ने भोजन की गुणवत्ता में सुधार लाए जाने का निर्देश दिया।पीकू वार्ड में बच्चों की कम संख्या पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की ?, उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किया जाना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने चिकित्सालय में बेहतर साफ सफाई की व्यवस्था एवं मरीजों एवं तीमारदारों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया।32 वार्ड के कोविड वार्ड का प्रयोग में लाए जाने का निर्देश दिया।इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

पहलगाम में आतंकवादी हमला की घोर निंदा की गई, श्रद्धांजलि सभा का किया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जिले के महादेव शुक्ल कृषक इंटरमीडिएट कॉलेज गौर बस्ती के, महादेव सभागार में पहलगाम में आतंकवादी हमला की घोर निंदा की गई, अरविंद कुमार त्रिपाठी प्रधानाचार्य जी ने शिक्षकों, कर्मचारियों, बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, पहलगाम में पर्यटक वहां की बांदियों में घूमने गए थे, वहां पहाड़ ही पहाड़ है जहां पर लोग रहते हैं उनकी जीविका अधिकतर इन्ही पर्यटकों से चलती है, जिस तरह से वहां के पर्यटकों को पूछ-पूछ कर धर्म के आधार पर उनकी निर्मम हत्या की गई हम इसकी भर्त्सना करते हैं, निंदा करते हैं। मारे गए पर्यटकों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं और सरकार से मांग करते हैं इन आतंकवादियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही करें। वरिष्ठ शिक्षक पवन कुमार शुक्ल, धर्मेंद्र कुमार, अनीस अहमद खान ने भी इसकी निंदा की है। अंत में उपस्थित प्रत्यूष कुमार सिंह, अभय कुमार उपाध्याय, संदीप कुमार त्रिपाठी, पवन कुमार शुक्ल, श्रीमती मीरावती उपाध्याय, हीरालाल, पवन प्रकाश श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश, ज्ञानेंद्र यादव, मनोज राय, अशोक कनौजिया, कपिल मुनि त्रिपाठी, अखिलेश वर्मा, हरि गोविंद यादव, विनय कुमार राय, नवीन श्रीवास्तव, अनिल पांडे, संतोष शुक्ला, श्रीमती निवेदिता पांडे, शिव पूजन, दुर्गा प्रसाद, तिलकराम, सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक कर्मचारी छात्र एवं छात्राओं ने शहीद हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त खबरें

बार एसोसिएशन के निर्वाचित कार्यकारणी के शपथ ग्रहण समारोह हुआ सम्पन्न

मनकापुर गोण्डा- मनकापुर तहसील मे बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में.बतौर मुख्य अतिथि .विधायक गौरा प्रभात कुमार वर्मा ने सम्मिलित होकर शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न कराया और मनकापुर बार एसोसिएशन अध्यक्ष भानु प्रताप मिश्रा, एवं महामंत्री लाल चंद शुक्ल वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश कुमार श्रीवास्तव , सहित नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को अपनी शुभकामनाएं दिया।इस अवसर पर श्रवण शुक्ला, एस0 पी0 सिंह, पी0 एस0 पांडेय , रविन्द्र चंद्र त्रिपाठी, अध्यक्ष राम बुझारत द्विवेदी, संजय सिंह, कृष्ण कुमार मिश्रा, संगम लाल सिंह, के0 के0 मिश्र, सहित सम्मानित अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

आतंकी संगठनों को जड़ से नष्ट करने की राष्ट्रपति से मांग

- किसान संगठन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट - जम्मू-कश्मीर पहलगाम में बीते दिन आतंकी संगठनों द्वारा जातिगत आधार पर नाम पूंछकर 27 हिन्दुओं की निर्मम हत्या करने के मामले में आतंकी संगठनों को जड़ से खत्म करने एवं हिन्दुओं की रक्षा करने के लिए गुरुवार को भारतीय किसान यूनिटी यूनियन के अध्यक्ष ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा है। किसान संगठन के जिलाध्यक्ष राजाराम पाण्डेय ने कहा कि जिस प्रकार से आए दिन हिन्दुओं की निर्मम हत्याएं हो रही हैं, इससे यह प्रतीत हो रहा है कि देश में हिंदू सुरक्षित नहीं है। उन्होंने राष्ट्रपति को संबोधित पत्र एसडीएम को सौंपकर पहलगाम में हुए आतंकी संगठनों को नेस्तनाबूत करते हुए जड़ से नष्ट करने की मांग की है। साथ ही हिन्दुओं को संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के तर्ज पर बगैर लाइसेंस के शस्त्र एवं आधुनिक हथियार खरीदने के लिए कानून बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों के लिए शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आए दिन बंगाल, कश्मीर और जम्मू जैसे प्रदेशों में हिन्दुओं के साथ बर्बरता पूर्वक हिंसात्मक घटनाएं हो रही हैं तथा सरकार सुरक्षा मुहैया नहीं करा पा रही है, जो चिंताजनक है।

कलश यात्रा के साथ शुरु हुई श्रीमद्भागवत कथा

चित्रकूट - जिला मुख्यालय के तरौंहा स्थित गोपाल कुंज में गुरुवार को श्रीमद्भागवत कथा के शुभारम्भ के अवसर पर शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान पूजा-अर्चना करते हुए कलशों में नदी का जल भरकर महिलाओं ने अपने सिर पर धारण करते हुए नगर भ्रमण किया। इसके बाद जोधपुर के कथावाचक सिद्धार्थ महराज से श्रोतागणों को प्रथम दिन की कथा का रसपान कराया। श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक गोविंद करवरिया ने बताया कि गुरुवार की सुबह नौ बजे शोभा यात्रा आवास से गाजे-बाजे के साथ करवरिया घाट पहुंची, जहां पूजा-अर्चना कर कलशों में नदी का पवित्र जल भरकर महिलाओं ने अपने सिर पर धारण किया। इसके बाद नगर भ्रमण करते हुए शोभा यात्रा कथा स्थल पर पहुंची। जहां जोधपुर के कथा वाचक सिद्धार्थ महराज ने श्रोतागणों को श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य की कथा सुनाई। कथा वाचक ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से सभी पापों का नाथ होता है तथा मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मौके पर धेमेंद्र करवरिया, इंदत्त गर्ग, वरिष्ठ अधिवक्ता संजय करवरिया, संगीता करवरिया, नर्वदा पयासी, विष्णु करवरिया, बब्बू पांडेय, जितेंद्र करवरिया सहित साधू-संत व श्रद्धालु मौजूद रहे।

दीप जलाकर की शांति की प्रार्थना

चित्रकूट- पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गये श्रद्धांलुओं के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार ने दीप जलाकर शांति की प्रार्थना करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। गायत्री शक्तिपीठ संचालक डॉ रामनारायण त्रिपाठी ने कहा कि सभी हिन्दुओं को एकजुट होकर सतर्क होकर रहना होगा ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो। कहा कि भारत सरकार को आतंकवाद के खिलाफकड़ा सन्देश देते हुए ऐसी कार्यवाई करें चाहिए, जिससे धर्म के नाम कोई भी किसी को गोली मारने की हिम्मत दोबारा न करें।

जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद में 18 जून तक निषेधाज्ञा लागू की

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी ने बताया है कि नीट परीक्षा-2025 दिनांक 05 मई को निर्धारित है।प्रो0 राजेन्द्र सिंह रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षा तथा संस्कृत बोर्ड की विभिन्न परीक्षायें एवं अन्य परीक्षायें सम्पन्न होनी है। इसके अतिरिक्त 29 अप्रैल को परशुराम जयन्ती, 09 मई को लोकनायक महाराणा प्रताप जयन्ती,12 मई को बुद्ध पूर्णिमा व 07 जून को बकरीद का त्योहार मनाया जायेगा। जिला मजिस्ट्रेट ने त्योहार पर विशेष सतर्कता बरते जाने तथा परीक्षाओं को सकुशल, नकलविहीन, शुचिता व निष्पक्षता से सम्पन्न कराने व शांति व्यवस्था, साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाये रखने के उद्देश्य से जनपद में 18 जून तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। यह आदेश जनपद के सम्पूर्ण क्षेत्र में एवं जनपद में निवास करने वाले तथा जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्तियों पर प्रभावी होगा। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थानों पर रिवाल्वर, पिस्टल, राइफल, एक नली बन्दूक व दो नली बन्दूक अथवा घातक हथियार यथा चाकू बल्लम, फरसा, विस्फोटक, ज्वलनशील पदार्थ, तेजाब आदि अथवा लाठी, डंडा, हाकी स्टिक आदि या किसी भी प्रकार का हथियार शस्त्र लेकर नहीं चलेगा, न तो उसका प्रयोग करेगा। यह प्रतिबन्ध सरकारी ड्युटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारी तथा बैंक में लगे हुए सुरक्षा कर्मियों पर लागू नहीं होगा।

बिटुमिनस पेंटिंग एवं ब्रिक सोलिंग कार्य में भारी अनियमितता

स्वतंत्र प्रभात

पचपेडवा बलरामपुर - राप्ती मुख्य नहर पर बिटुमिनस पेंटिंग एवं ब्रिक सोलिंग कार्य में भारी अनियमितता कर घोटाला किया जा रहा है। जिसकी शिकायत की वर्तमान विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू ने मुख्यमंत्री से किया। बलरामपुर जनपद में राप्ती मुख्य नहरो के विभिन्न जगहों पर निर्मित पुलो के एप्रोच रोड के करोड़ों रुपए की लागत से बिटुमिनस पेंटिंग एवं ब्रिक सोलिंग का कार्य कराया जा रहा है। जिसमें भारी घोटाला किया जा रहा है नियमानुसार उपरोक्त कार्य पर नीचे जे एस बी डालकर रोलर से रोलर करके फिर सोलिंग लगाना चाहिए लेकिन संबंधित ठेकेदारों द्वारा नहरो की मिट्टी को समतल कर इस पर खड़ंजा लगाया जा रहा है।

किलोमीटर संख्या

80329,81100,82806,84500, 84808,86700,87729,87820,89 808,91406,96873, पर उपरोक्त किलोमीटर पर कार्य कराई जा रहे हैं। किलोमीटर 88200 पर 500 मीटर खड़ंजा लगाया गया है जिसे नहर के मिट्टी के ऊपर ही लगा दिया गया है। जिसमें मानक की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है मानक दिन पीला ईटा, लगाकर खुलेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा है। किलोमीटर 82806 के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि खड़ंजा लगाने से पहले नीचे 12-50 सेंटीमीटर जेएसबी डाला जा रहा है। व नियमानुसार कार्य जा रहा है। वही क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि खंडजा नहर की मिट्टी समतल करके ही मिट्टी पर ही लगाया जा रहा है ईटा भी मानक बिहीन लगाया जा रहा है।

शैलेश कुमार सिंह शैलू ने मुख्यमंत्री से की शिकायत

निवर्तमान विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आनंद कुमार अधिक्षण अभियंता राप्ती नहर निर्माण मंडल द्वितीय बस्ती द्वारा अपने पदेय शक्तियों का दुरपयोग करते हुए। राप्ती नहर निर्माण मंडल तुलसीपुर जनपद बलरामपुर के विभिन्न कार्यों के टेंडर में अनियमितता बरतने के संबंध में एवं मानक विहीन कार्य करवाए जाने जांच एवं उचित कार्यवाही करने की मांग करते हुए लिखा है कि राप्ती नहर मंडल तुलसीपुर द्वितीय जनपद बलरामपुर कार्य क्षेत्र में निविदा सूचना संख्या 10/एसस0 ई0/2024-25 के माध्यम से छह कार्यों का टेंडर अधीक्षण अभियंता उपरोक्त द्वारा निकाला गया था , जिसमें टेंडर आमंत्रित किए गए सभी निविदा दाताओं का टेंडर निरस्त करके पुनः रिटेंडर अपने चाहते ठेकेदारों का अनुबंध कर दिए तथा एक ही दिन में टेक्निकल विड व फाइनेंशियल बिड 48, घंटे के अंदर खोल करके अपने चाहते ठेकेदारों का अनुबंध जो गठित कर दिए जो नियमों के विपरीत है उसमें मानक विभिन्न तरीके से कार्यों को करवाया गया तथा पीले इंटर का खड़ंजा आदि प्रयोग भी हुआ है। स्वीकृत प्राक्कलन हुए अनुबंध के अनुरूप साइडो पर कार्य नहीं हुआ है जिसका भौतिक व तकनीकी सत्यापन कर जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री जी से निवेदन करते हुए उपरोक्त विषयक शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जांच एवं उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

जमीन जेहाद को लेकर हियुवा ने डीएम को सौंपा पत्र, कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले में हिन्दू युवा वाहिनी उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश मंत्री अरुण भारती के के नेतृत्व में वाहिनी के पूर्व पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर बस्ती शहर के प्रमुख स्थानों पर हिन्दू सम्पत्तियों और सार्वजनिक परिसर में मजार बनाकर जमीन जेहाद के क्रम में उपयोग, वक्फ की घोषणा के षड़यंत्र की जांच कराने की मांग किया। मांग किया कि ऐसे स्थानों को खाली कराकर सरकार उसे अपने नियंत्रण में ले।डीएम को दिये पत्र में कहा गया है कि बस्ती नगर पालिका परिषद के प्रमुख के हिन्दू संपत्तियों एवं सार्वजनिक परिसर में मजार बनाकर जमीन जिहाद के क्रम में उपयोग के आधार पर (वक्फ)का चयन रचे जाने के संबंध में जांच हो। हियुवा के पूर्व जिलाध्यक्ष अभय प्रताप सिंह,पूर्व जिला महामंत्री विनय सिंह संजय मद्धेशिया, धीरेन्द्र कुमार 'लल्लू पाण्डेय आदि ने डीएम का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि त्रिपाठी चित्र मंदिर, सुंदर टॉकीज,रौता चौराह की गली में सड़क के बीचो बीच तथा न्याय मार्ग, के मेन रोड पर ,जिला अस्पताल के परिसर में मजारों का होना और बन जाना निश्चित 2013 के बाद किसी के दिमाग की फितूर नहीं है, आश्चर्य जनक क्या है कि यहां ना कोई फकीर, ना कोई मौलवी,न यहां रहा है और न मरा है फिर मजार किसकी है। केवल शरारती और षड्यंत्रकारी करतूतों के तहत इसको अंजाम दिया गया। यह तो वह स्थान है जो हिंदू प्रॉपर्टी का दिखता हुआ प्रकरण है इसके अलावा ना जाने शहर में आसपास के पब्लिक प्रॉपर्टी पर तों जाने अंजाने कितने ऐसे मामले हैं। जैसे अमहट घाट के उस पार मस्जिद नदी की डोप एरिया में निर्माण तेजी से बढ़े हैं। राजस्व अकैडमी समस्या के गंभीर होने तक का इंतजार करने वाले पौराणिक आदत में मस्त है, और जब समय के साथ स्थान से एक बड़ी संख्या जुट जाती है तो वह बड़ी घटनाओं का कारण बनती है। मांग किया कि इसकी समीक्षा करा लिया जाय और जमीनों को सरकार अपने नियंत्रण में ले।

पहलगाम की घटना पर बस्ती में गुस्सा, लोगों ने निकाला कैंडल मार्च

● पहलगाम में हुई दहशतगर्दी का जवाब दे भारतपहलगाम हमला दुर्भाग्यपूर्ण, बदला लेने में सक्षम है भारत

आतंकी हमला कायरतापूर्ण, सबक सिखाये भारत

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले मेंजम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला दुर्भाग्यपूर्ण है, इसकी जितनी निंदा की जाये कम है। यह बातें भाजपा नेता व व्यापारी अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल राधेश्याम कमलापुरी ने कही। वे हमले में मारे गये लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुये कैंडल जलाकर कैंडल मार्च निकालकर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरान्त बभनान बाजार के गांधी आश्रम से विजय नगर तिराहा, सब्जी मंडी, रामलीला मैदान होते हुए महागौरी सिद्धपीठ काली मन्दिर पर शोक संवेदना व्यक्त किया। नगर पंचायत अध्यक्ष बभनान प्रबल मालानी ने कहा आतंकियों ने एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों को ऐसा घाव दिया है जिसका बदला लेना समय की मांग है। भाजपा मंडल अध्यक्ष गौर राजेश कमलापुरी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाहिये दुश्मन को घर में धुसकर मारे और इस कायरना हमले का बदला ले। देश आतंकियों की कायरतापूर्ण कार्यवाही से स्तब्ध है। देशवासियों में गुस्सा है और लोग आवाज में बदले की कार्यवाही किये जाने की मांग कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर में छुट्टियां मनाने गये पर्यटकों पर हमला निहायत कायरतापूर्ण है, भारत इस हमले का जवाब देने में सक्षम है। इस मौके पर प्रमुख रूप से व्यापारी रविन्द्र कसौधन, रामकुमार अग्रहरि, सभासद स्कंद शुक्ला, मंशाराम, शंकर मोदनवाल, अनिल सोनी, पवन गुप्ता, दीपक जायसवाल, शुभम कसौधन, जेपी गुप्ता, जीतू पटवा, विवेक सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डियूटी से गायब सफाईकर्मियों का पेरोल प्रमाणित कर रहे एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव

कुछ ग्राम पंचायतों में तैनात सफाईकर्मी सफाई कार्य छोड़ नेतागिरी करने में जुटे

●एक सफाईकर्मी जिले पर विधायक के घर काट रहा मौज, फर्जी पेरोल के सहारे होता है मासिक वेतन - भुगतानएडीओं पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव की मिलीभगत से कुछ चहेते सफाईकर्मी धरातल पर कार्य करने के बजाए कागज में कर रहे डियू टी गायब रहते हैं सफाई कर्मी

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के विकासखंड कप्तानगंज में कुछ ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मियों का डियूटी से गायब रहना और बिना डियूटी के पेरोल प्रमाणित होना जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्रों की माने तो सहायक विकास अधिकारी / एडीओं पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव आफिस में बैठकर सभी सफाई कर्मियों का पेरोल प्रमाणित कर देते है चाहे सफाई कर्मी ग्राम पंचायत में सफाई कार्य करने के लिए जाता हो या न जाता हो । सफाईकर्मी जिलाध्यक्ष प्रतिदिन दिन भर जिला मुख्यालय पर विकास भवन के इर्द गिर्द रहते है तो ग्राम पंचायत में साफ - सफाई /डियूटी कब करते है ? जिसका सत्यापन / जांच विकास भवन के आस - पास दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज से की जा सकती है । एक सफाईकर्मी जिला मुख्यालय पर विधायक के आवास पर प्रतिदिन दिन भर मौज करता है । ग्राम पंचायत में साफ सफाई की बात करे तो विधायक के आवास पर दिन भर मौज करने

वाले सफाईकर्मी को ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान, सचिव व एडीओं पंचायत के अलावा कोई ग्रामीण नही पहचान पायेगा । ग्राम पंचायत वासियों को यह नही पता है कि हमारे ग्राम पंचायत में कितने सफाई कर्मी तैनात है लेकिन डियूटी से गायब सफाई कर्मियों का प्रतिमाह बिना डियूटी किये फर्जी पेरोल के सहारे प्रतिमाह वेतन प्राप्त होना जांच / कार्यवाही का विषय बना हुआ है । विधायक के आवास पर मौज करने वाले सफाई कर्मी की गतिविधि का खुलासा विधायक के आवास पर लगे सीसीटीवी फुटेज से हो सकता है । सूत्रों से यह भी पता चला है कि एक ग्राम पंचायत में तैनात समस्त सफाईकर्मियों का पेरोल एक ही पेरोल में प्रमाणित कर वेतन के लिए जिले पर भेज दिया जाता है ताकि डियूटी से गायब सफाईकर्मियों का खुलासा न हो सके । वर्तमान समय में कई दर्जन सफाईकर्मी घर पर बैठकर डियूटी कर रहे है । ग्राम पंचायतों में साफ सफाई की व्यवस्था ध्वस्त है अर्थात् ग्राम पंचायतों में गन्दगी का अम्बार लगा है लेकिन एडीओं पंचायत को इसकी चिन्ता नही है कि गन्दगी से ग्राम पंचायतों में घातक बिमारियां हो सकती है । ग्रामीण ग्राम पंचायतों में साफ सफाई के लिए तरस रहे है । उक्त प्रकरण में जिला पंचायत राज अधिकारी ने जांच कर डियूटी से गायब / लापरवाह सफाईकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

आंगनवाडी नियुक्ति प्रक्रिया में मनमानी का आरोपः उच्च स्तरीय जांच, दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले केनगर थाना क्षेत्र के मोहल्ला राजघाट निवासिनी सुधा पत्नी केदारनाथ ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी के साथ ही सम्बंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाय है। पत्र में सुधा ने कहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकत्री चयन प्रक्रिया में अनियमितता की गई है और मनगढन्त ढंग से षड़यंत्रपूर्वक उसे चयन से बाहर कर दिया गया। पत्र में सुधा ने कहा है कि वह बीपीएल कार्ड धारक है और पात्रता सूची में है। उसने आंगनवाडी के लिये आवेदन किया था, पहले बताया गया कि उसका चयन हो जायेगा किन्तु लेखपाल सुरेन्द्र सिंह ने उसकी आय को कागजों में बढा दिया जबकि नगर थाना क्षेत्र के फुलविरया निवासिनी लालमनी पत्नी प्रदीप कुमार का चयन कर लिया गया। सुधा ने पत्र में कहा है कि लालमनी पत्नी प्रदीप कुमार के पास स्कार्पियो, बुलेट मोटर साईकिल, अपाची, हीरो होण्डा, 2 मंजिला पक्का मकान, कैम्प कार्यालय के नाम पर बडा हाल मौजूद है जबकि सुधा और उसका परिवार घोर गरीबी में जीवन यापन करता है। वह आंगनवाड़ी कार्यकत्री की पूरी पात्रता पर खरा उतरती है। यही नहीं लालमनी का मकान नगर पंचायत वार्ड नम्बर 14 में दर्ज है और आंगनवाडी कार्यकत्री का चयन वार्ड नं. 15 से होना था। सुधा ने मांग किया है कि समूचे प्रक्रिया की उच्च स्तरीय जांच कराकर षड़यंत्र करने वाले लेखपाल के साथ ही अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराने के साथ ही नियमानुसार उसकी नियुक्ति सुनिश्चित किया जाय।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात कारणों से लगी आग 2 बीघा गेहूं और 9 बीघा गन्ने की फ़सल नष्ट, दमकल ने पाया आग पर काबू

सीतापुर जनपद सीतापुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नौव्वापुर में गुरुवार दोपहर एक बड़ी घटना सामने आई महबूब खान के गेहूं के खेत में अज्ञात कारणों से आग लग गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया मौके पर जमा किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे। तेज हवाओं के कारण आग और भी फैल गई आग ने इंतकार, श्रीधर और मोबीन के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया इस घटना में कुल 2 बीघा गेहूं की फसल और करीब 9 बीघा गन्ने की पेंडी जलकर नष्ट हो गई ग्रामीणों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। अग्निशमन प्रभारी हंस कुमार सिंह के नेतृत्व में विवेक कुमार, शिवम और उनकी टीम मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया घटना की सूचना तहसील प्रशासन को भी दे दी गई है अधिकारियों द्वारा नुकसान का आंकलन किया जा रहा है!!

बस और बाइक की टक्कर के बाद हुई हिंसा, दलित मूकबधिर युवक पर हमला, दोनों तरफ़ से पथराव में एक घायल

सीतापुर महमूदाबाद थाना क्षेत्र के इमलिया तिलकापुर गांव में एक बस और बाइक की टक्कर ने सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा कर दी बुधवार की देर शाम को हुई। इस घटना में एक दलित मूकबधिर युवक को निशाना बनाया गया घटना के बाद एक समुदाय के करीब दो दर्जन लोगों ने दलित युवक और उसके परिवार पर हमला कर दिया दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ इस हिंसक घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है घटना का एक वीडियो सामने आया है इस वीडियो में दोनों पक्षों के बीच ईट-पत्थर चलते हुए साफ दिख रहे हैं। पुलिस ने गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है वायरल वीडियो को भी जांच में शामिल किया गया है दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी फिलहाल गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है!!

प्रभात सामाजिक सेवा संस्थान गरीब परिवार के बच्चों का आधे शुल्क पर कर रहा एडमीशन

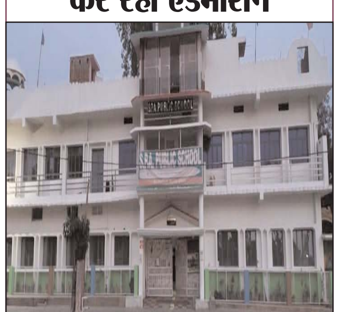

मिश्रिख (सीतापुर)मिश्रिख क्षेत्र में समांज सेवा का कार्य कर रही "प्रभात सामाजिक सेवा संस्था" मोहल्ला रामबाग में स्थित एसपीए पब्लिक स्कूल में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग जिनकी आय सालाना एक लाख से कम है। उनके प्रतिभाशाली बच्चों का प्रवेश इंग्लिश मीडियम से नर्सरी से कक्षा 8 तक 50 प्रतिशत शिक्षण शुल्क पर करा रही है। वहीं प्राइवेट कंपनियों में कार्यरत कर्मचारी, प्राइवेट विद्यालयों के शिक्षक, छोटे दुकानदार, लघु किसान, राज मिस्त्री, बिल्डिंग, कार्पेंट्री आदि कार्य करने वाले वर्गों के बच्चों का प्रवेश कराया जा रहा है। प्रवेश प्रक्रिया 20 मई 2025 तक जारी रहेगी। इसमें इंग्लिश मीडियम से प्रवेश पर वार्षिक शिक्षण शुल्क का आधा शुल्क देना होगा। वह भी पैरंट अपनी सुविधा अनुसार दे सकते है। माता-पिता को बच्चों की अन्य शिक्षण सामग्री की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।इच्छुक व्यक्ति संस्था के कार्यालय मोहल्ला रामबाग निकट रविदास इंटर कालेज से सम्पर्क स्थापित करके विद्यालय में बच्चों का एडमीशन करा सकते है।

20 घरों में लगी आग दो करोड़ की संपत्ति जलकर ख़ाक

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर सकरन थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक भीषण अग्निकांड में 20 घर जलकर राख हो गए पुरवा आचार्य के मजरा दुबियनपुरवा में करीब साढ़े पांच बजे मिश्रीलाल के घर में अचानक आग लग गई आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया इससे जीवन, संजय, रोहित, रामस्वरूप, कमलेश, अक्षयलाल, प्रकाश, अशोक, राजेश, कल्लू, बृजेश, पप्पू, पहलवान, प्रमोद, सोने, रामखेलावन, संजय, हरिकेश और राधादेवी के घर जल गए। इस हादसे में मिश्रीलाल के डेढ़ लाख की नकदी और जेवर नष्ट हो गए सोनेलाल के तीन हजार रुपये और जेवर, प्रमोद के सोने-चांदी के जेवर तथा संजय के 50 हजार रुपये नकद और जेवर जल गए। इसके अलावा सभी पीड़ितों के घरों में रखे कपड़े, राशन, बर्तन, साइकिल, पंपिंग सेट और चारा मशीन भी जलकर राख हो गए ग्रामीणों ने सूचना देने के बावजूद दमकल की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची ग्रामीणों की कड़ी मेहनत से डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया गया सकरन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों का हालचाल जाना राजस्व विभाग को घटना की सूचना दे दी गई है। क्षेत्रीय लेखपाल अरविंद पाल ने बताया कि वे अगली सुबह आकर नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट भेजेंगे इस अग्निकांड में कुल बीस लाख से अधिक के नुकसान का अनुमान है!!

वृक्षारोपण योजना में लापरवाही पर डीएम सख़्त, विभागों को दी चेतावनी, पर्यावरण संरक्षक के लिए कार्ययोजना जल्द सौंपने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर वृक्षारोपण अभियान 2025 को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में अहम बैठक हुई जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिला वृक्षारोपण समिति पर्यावरण समिति और गंगा समिति की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की डीएम ने सभी विभागों को वृक्षारोपण लक्ष्यों की स्पष्ट सूची तैयार करने के निर्देश दिए उन्होंने सरांयन नदी और आसपास के तालाबों पर बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने की योजना बनाने को कहा छायादार और फलदार पेड़ों की प्रजातियों का चयन कर समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए। प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए नगरीय निकायों को विशेष टीम बनाने को कहा गया बल्क सप्लायर्स पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए गए। पशु चिकित्सालयों के बायोमेडिकल कचरे के निपटान की जिम्मेदारी मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को सौंपी गई प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी नवीन खंडेलवाल ने विभागों के वृक्षारोपण लक्ष्य प्रस्तुत किए बैठक में मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे!!

जीआईएस ग्रुप के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले की निन्दा करते हुए मृतकों को दी श्रद्धांजलि

पीजीआई/लखनऊ गुरुवार को राजधानी लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र मे जीआईएस ग्रुप के सदस्यों द्वारा पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। वृन्दावन योजना स्थित जीआईएस पार्क स्थल पर जीआईएस ग्रुप के सदस्यों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बेगुनाह लोगों पर हुए हमले की कड़ी निन्दा करते हुए मृतक आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया। इस अवसर पर जीआईएस ग्रुप संचालक इंजीनियर लाल बहादुर पाण्डेय ने आतंकवादी हमले को कायरता पूर्ण बताते हुए घोर भर्त्सना की और सरकार से दुखःद एवं बोझिल स्वरों में अपील करते हुए 24 घंटे के अंदर सारी घाटी को छानकर ऐसे कायरों को खाक में मिलाया जाए तभी मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित समझी जाएगी। इस दौरान भोलेनाथ दुबे, आशुतोष कुमार श्रीवास्तव मुकुंद बाजपेई, अर्जुन, जगदीश, राम नारायन सहित अन्य सदस्यों की मौजूदगी रही।

विद्युत विभाग की लापरवाही से करेंट लगने से किसान की भैंस की मौत, किसान ने विभाग से की मुवावजे की मांग

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां- निगोहां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगटैया के मजरा बैरी में अचानक ट्रांसफार्मर से हाई टेंशन लाइन के तार टूट जाने के कारण वहीं एक दुधारू भैंस पर गिर पड़ी जिसे करंट लगने से उसकी मृत्यु हो गई ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को सूचना कर लाइन बंद कराई निगोहा सब स्टेशन का अतिरिक्त चार्ज देख रहे अवर अभियंता विजय कुमार शर्मा ने तार को सही कराया और भैंस पोस्टमार्टम के लिए भेज दी बैरी निवासी किसान इंदल रावत पुत्र स्व रामदीन ने बताया की भैंस की कीमत लगभग लगभग 80 हजार रुपए के आसपास थी भैंस प्रतिदिन 8 लीटर के हिसाब से दूध देती थी जिससे परिवार का पालन पोषण का होता था आज अपनी भैंस को चराने के बाद वापस ला रहे थे कि भैंस ट्रांसफार्मर के पास पहुंची तेज हवा के कारण लाइन से तार टूट कर भैंस पर जा गिरा जिससे भैंस की मौके पर मौत हो गई कई बार बिजली विभाग में फोन करने पर भी फोन नहीं उठा बड़ी देर बाद जब फोन उठा तब जाकर सप्लाई बंद की गई क्षेत्र में कई जगह पर बगैर सेफगार्डिंग की 11000 की लाइन के तार गए एवं जर्जर है कभी भी कोई बड़ी घटना हो

सकती है कई बार शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग की घोर लापरवाही सामने देखने को मिली बिजली विभाग पर लापरवाही बरतने का भी आरोप किसान ने किया है

पंचायती राज दिवस के अवसर पर भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई सभागार का हुआ लोकार्पण

● उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह रहे मौजूद।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज- मोहनलालगंज खंड विकास कार्यालय में पंचायती राज दिवस के अवसर पर विकासखंड में स्थित भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई सभागार का सौंदरीकरण के उपरांत लोकार्पण मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह के द्वारा किया गया इस सभा का सौंदरीकरण क्षेत्र पंचायत निधि से किया गया आयोजन की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख मोहनलालगंज ओमप्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी के द्वारा किया गया विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरेश रावत विधायक मोहनलालगंज चंद्रा रावत क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह देवेंद्र कुमार सिंह प्रधान संघ अध्यक्ष वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र दीक्षित खंड विकास अधिकारी आशुतोष कुमार श्रीवास्तव सहित सहायक विकास अधिकारी पंचायत अशोक यादव सभी ग्राम पंचायत के प्रधान व क्षेत्रपंचायत सदस्य गण मौजूद रहे कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले सभी अतिथियों का स्वागत किया गया अपने संबोधन में ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी के द्वारा बताया गया कि सभी 78 ग्राम पंचायत में क्षेत्र पंचायत निधि के द्वारा 727 वाटर कूलर लगवाए गए एवं आगे भी हमारा विकास कार्य जारी रहेगा भाजपा सरकार में सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास के आधार पर हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं भारत की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुकी है आगे भी भारत सरकार हमारी डबल इंजन की सरकार के द्वारा देश को आगे बढ़ने का काम करेंगे विधायक अमरेश रावत पूर्व विधायक चंद्रा रावत प्रधान संघ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबलू के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया समूह संचालित करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र वितरण भी किया गया ग्राम प्रधान पति शैलेंद्र कुमार पाल दयालपुर भट्ठी शीर्ष ग्राम प्रधान सुरेश कुमार गढ़ी मेंहदौली प्रधान विपिन कुमार निगोहा ग्राम प्रधान अभय कांत दीक्षित करण शुक्ला बिंदेश्वरी अभिषेक शुक्ला बिंदेश्वरी सहित ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

पहलगाम हमले के विरोध में कैंडल मार्च,व्यापारियों ने दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात

माल, लखनऊ। माल कस्बे में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूरतम आतंकवादी हमले के विरोध में व्यापार मण्डल के नेतृत्व में गुरुवार की शाम कैंडल मार्च निकाला गया। जो शीतला माता मंदिर से प्रारम्भ होकर चौराहे पर यात्रा का समापन हुआ।व्यापार मण्डल ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी। भारत सरकार से आतंकवादियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने की मांग किया।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दर्जनों लोगों की मौत से पूरे देश में आक्रोश है। हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि देने को कैंडल मार्च निकाला गया। इसमें आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गयी।साथ ही पाकिस्तान मुर्दाबाद, वंदे मातरम आदि नारे कैंडल मार्च के दौरान लगाये गये।लोगों ने कहा कि इस आतंकी घटना के विरोध में देश एकजुट है। आतंकवादियों को पनाह दे रहे देश पर कार्रवाई होनी चाहिए।साथ ही कठोर जवाब देना चाहिए।कैंडल मार्च में व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामकुमार राही, भाजपा नेता मोहित तिवारी, शम्भू पाण्डेय, शुभम गुप्ता, विनय गुप्ता, राजेंद्र लहरी, राहुल शुक्ला, उमाशंकर त्रिपाठी, उत्तम त्रिपाठी, श्याम लाल तूफानी सहित कई लोग शामिल हुए।

क्या बोले नागरिक

1. मोहित तिवारी- आतंकवादियों द्वारा बहुत ही घृणित कार्य किया गया है। मेरी पूरी सहानुभूति इस हादसे में जान गवांने वालों के परिजनों के साथ है। सरकार को बहुत कठोर कार्यवाही करनी चाहिए ताकि इनको सबक मिले।

2. शंभू पाण्डेय - जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आमानवीय कृत्य इंसानियत और मजहब को शर्मसार कर देने वाला है। जो कि अक्षम्य और घोर निंदनीय है। सरकार से अपेक्षा है कि वह कठोर कार्रवाई करे।

3. शुभम गुप्ता- निर्दोष पर्यटकों पर हमला कर भारतीयों को डराने की कोशिश निश्चित तौर पर पाकिस्तान को भारी पड़ने वाली है। न केवल आतंकी बल्कि कश्मीर में इन्हें पनाह देने वालों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए भारतीय सरकार के साथ हैं।

आधार पंजीकरण व संशोधन के लिए लगा कैंप

लखनऊ- प्लान इंडिया के तहत ब्लॉक परिसर में आधार इनरोलमेंट कैंप आयोजित किया गया। आपको बता दें कि माल डाक घर के वरिष्ठ अधिकारी हरसेंद्र प्रताप सिंह व राम नरेश के नेतृत्व में ब्लॉक परिसर में कैंप का आयोजन हुआ।जिसमें बच्चों के आधार (बाल आधार) बनाने और आधार में मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। यह सेवा बच्चों के आधार बनाने के लिए पूरी तरह से निःशुल्क है। यह विशेष अभियान शिविर का उद्देश्य 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के आधार कार्ड बनाने में माता-पिता की सहायता करना है। बच्चों के लिए आधार कार्ड अब स्कूल में दाखिले और एपार आईडी निर्माण के लिए अनिवार्य हो गया है। इससे यह अभियान अभिभावकों के लिए इस प्रक्रिया को सरल बनायेगा। इस कैंप में दर्जनों उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया।

पहलगाम हमला- मानवता पर हमला, कायरता की हद दोषियों पर हो सख्त कार्यवाही- मस्त हफिज रहमानी

स्वतंत्र प्रभात

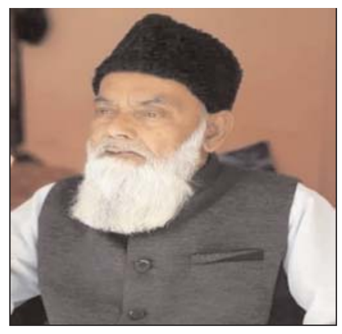

सीतापुर- जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सिर्फ किसी एक क्षेत्र या जातीय समूह पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर हमला है। यह एक ऐसा कृत्य है जिसे किसी भी सभ्य समाज में कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। निहत्थे लोगों को निशाना बनाना कायरता की पराकाष्ठा है और इस शर्मनाक हरकत को अंजाम देने वाले किसी भी तरह की दया या रहम के हकदार नहीं हैं। स्थानीय सामाजिक संगठनों तथा जमीयत उलमा ए हिंद के सीतापुर जिला अध्यक्ष मस्त हफीज रहमानी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं देश की एकता और अखंडता को चुनौती देने का प्रयास हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस घिनौने अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए और सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसे अपराध करने की हिम्मत न जुटा सके। इस हमले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता – उसका एक ही मकसद होता है- समाज में डर और अफरातफरी फैलाना। लेकिन भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र में ऐसे प्रयास कभी कामयाब नहीं हो सकते। जिम्मेदार एजेंसियों से अपेक्षा की जा रही है कि जल्द से जल्द दोषियों को पकड़कर न्याय के कठघरे में लाया जाए, ताकि पीड़ितों के परिवारों को इंसाफ मिल सके और देश की जनता का भरोसा कानून व्यवस्था में बना रहे।

कथित भाजपा नेता पर दर्ज मुकदमे में पत्नी की शिकायत, महिला आयोग की सदस्य ने सुनी समस्याएं, पुलिस को दिए कार्रवाई के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने सीतापुर में जनसुनवाई की सदर तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं की शिकायतें सुनीं एक महिला ने अपने पति व कथित भाजपा नेता दीपिल अरोरा के खिलाफ शिकायत की महिला का आरोप था कि कोतवाली में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है इस पर सदस्या ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं उन्होंने घरेलू हिंसा दहेज प्रताड़ना और मानसिक उत्पीड़न जैसी समस्याएं बताई कई महिलाओं ने अपनी शिकायतें लिखित रूप में भी दीं सुजीता कुमारी ने सभी को आश्वस्त किया कि पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि आयोग एक वैधानिक संस्था है

यह महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती है आयोग जनसुनवाई और जागरूकता कार्यक्रम चलाता है इससे महिलाओं की समस्याओं का त्वरित समाधान होता है उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की साथ ही कहा कि अन्याय के खिलाफ डटकर खड़ा होना चाहिए आयोग पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता और मानसिक सहयोग भी देता है। कार्यक्रम के बाद सुजीता कुमारी कांशीराम कालोनी पहुंचीं वहां उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया महिलाओं की गोद भराई और बच्चों के अन्नप्राशन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया!!

स्तन कैंसर स्क्रीनिंग पर एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान (केएसएसएससीआई), लखनऊ के लोक स्वास्थ्य विभाग ने हेल्थ टेक्नोलॉजी असेसमेंट इंडिया (एचटीएआईएन) के सहयोग से 24 अप्रैल, 2025 को स्तन कैंसर स्क्रीनिंग पर एक प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया है। कार्यशाला का उद्देश्य भारत में स्तन कैंसर की जांच पर एचटीए की हालिया रिपोर्ट के निष्कर्षों को साझा करना और स्वास्थ्य सेवा में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने को बढ़ावा देना था। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रबंध निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल, आईएएस ने किया। अपने संबोधन में डॉ. जोवेल ने स्तन कैंसर की जांच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर और प्रमुख संस्थानों के बीच सहयोग की आवश्यकता का भी उल्लेख किया। आईआईटी कानपुर के बीएसबीई विभाग के प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय, जो विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए, ने भी कहा कि आईआईटी, कानपुर और केएसएसएससीआई के बीच सहयोग से कैंसर की रोकथाम, निदान और उपचार में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

उद्घाटन सत्र में केएसएसएससीआई के निदेशक प्रो. एम.एल.बी. भट्ट, कार्यकारी रजिस्ट्रार डॉ. शरद सिंह, डीन प्रो. सबुही कुरैशी और आरएमएलआईएमएस, लखनऊ के डॉ. मनीष कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के मुख्य आकर्षण में सभी गणमान्यों द्वारा भारत में स्तन कैंसर जांच पर एचटीए रिपोर्ट जारी करना शामिल था, जिसके बाद भारतीय संदर्भ में स्तन कैंसर के प्रमुख पहलुओं को कवर करने वाले तकनीकी सत्र हुए। रिपोर्ट को डॉ. आयुष लोहिया की देखरेख में लिखा और संकलित किया गया, जिन्होंने एचटीए परियोजना के प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्य किया। उन्होंने बताया कि इस शोध के परिणाम भारत में स्तन कैंसर के कारण होने वाली मौतों को कम करने में मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा नैदानिक स्तन जांच महिलाओं को कैंसर होने से रोक सकती है और महिलाओं में मृत्यु दर को कम करेगी। स्तन कैंसर की जांच स्तन कैंसर के इलाज के लिए वित्तीय बोझ को भी कम कर सकती है।

दबंग ग्राम प्रधान द्वारा किसान की भूमि पर लगाया गया जबरन खड़ंजा

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज/ लखनऊ विकासखंड मोहनलालगंज अंतर्गत ग्राम सभा गोविंदपुर की ग्राम प्रधान प्रियंका यादव ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पति हरिनाम यादव द्वारा भूमि गाटा संख्या 164रकबा 0.076किसान रामसुरेश आदि के नाम पर खतौनी मे दर्ज है उक्त गाटा संख्या के बगल से एक कच्चा गालियारा निकलता है ग्राम प्रधान व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने जबरन गलियारे में खड़ंजा लगाए जाने का प्रस्ताव कर किसान की पुस्तेनी भूमि पर लगाना शुरू कर दिया जिसका विरोध किसान व गांव के अन्य लोगो द्वारा किया गया जिस की शिकायत आला अधिकारियो से की गई जिसको लेकर लेखपाल ने मौक़े पर जांच की और अपनी रिपोर्ट में लिखा की खड़ंजा किसान की भूमि पर लगाया जा रहा हैं लेखपाल की रिपोर्ट के बाद अधिकारियो ने खड़ंजा लगाए जाने को मना किया किन्तु ग्राम प्रधान व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हरिनाम यादव द्वारा अधिकारियो का आदेश ताख पर रखकर दबंगई के बल पर जबरन खड़ंजा लगवा दिया किसानो ने ग्राम प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि के खिलाफ ए सी पी मोहनलालगंज को प्रार्थनापत्र देकर विधिक कार्यवाही किये जाने की मांग की हैं।

ग्राम विकास अधिकारी संघ गोसाईगंज की नवीन में राम बहादुर शर्मा अध्यक्ष एवं प्रशान्त सक्सेना महामंत्री मनोनीत

● ग्राम विकास अधिकारी संघ गोसाईगंज की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन।

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ गुरुवार को राजधानी लखनऊ के विकास खंड गोसाईगंज में ग्राम विकास अधिकारी संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। विकासखंड गोसाईगंज के सभागार कक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित सभी ग्राम विकास अधिकारी की मौजूदगी में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन के दौरान सर्वसम्मति से ब्लाक अध्यक्ष पद पर राम बहादुर शर्मा ,महामंत्री पद पर प्रशांत सक्सेना ,जनपद प्रतिनिधि पद पर रविकांत पाण्डेय ,उपाध्यक्ष पद पर दीपक चौधरी ,महिला उपाध्यक्ष पद पर रेनू यादव , कोषाध्यक्ष पद पर संजय चौधरी , प्रवक्ता पद पर तरेश शेखर तिवारी और संगठन मंत्री पद पर सत्य प्रकाश निगम का मनोनयन किया गया ।

ब्लाक अध्यक्ष राम बहादुर शर्मा ने नवीन कार्यकारिणी के सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामना और बधाई देते हुए बताया कि नवीन कार्यकारिणी के गठन होने से कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निदान किया जाएगा और कर्मचारियों की जो भी समस्या होगी उसका तत्काल निराकरण किया जाएगा।

पहलगाम - हमला पाकिस्तान प्रायोजित लेकिन क्या केंद्र सरकार की नाकामी कुछ कम है?

नोटबंदी के बाद मोदी सरकार का दावा था कि आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है। संविधान के अनुच्छेद-370 को खत्म करते हुए दूसरा दावा था कि आतंकवाद की जड़ को खत्म कर दिया गया है। संसद में इस सरकार ने बार बार अपनी पीठ ठोंकी है कि कश्मीर घाटी में सब ठीक है, आतंकवाद कांग्रेस के जमाने की चीज रह गई है। कल पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले ने साबित कर दिया कि जम्मू कश्मीर में न आतंकवाद की जड़ खुदी है और न कमर टूटी है। कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि बलूचिस्तान में ट्रेन पर हुए हमले में भारत का हाथ है। भारत और पाकिस्तान की सरकारों के बीच ऐसे आरोप-प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन क्या यह बात मानी जा सकती है कि केवल पाकिस्तान ही भारत पर आतंकी हमला करता रहता है और पाकिस्तान के अंदर भारत कोई गड़बड़ी नहीं करता? हो सकता है कि ये आतंकी हमला इसी की प्रतिक्रिया हो। यदि न भी हो, तो भी इस हमले के पाकिस्तान प्रायोजित होने में किसी को कोई संदेह नहीं है। सवाल सिर्फ यही है कि यदि पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ है, तो भारत सरकार की आंख और कान (इंटेलीजेंस) कहां थी, क्या कर रही थी? जैसी कि खबरें छनकर आ रही है कि ऐसी अनहोनी होने की भनक इंटेलीजेंस को थी, उसका सक्रिय न होना या निष्क्रियता की हद तक जाकर ऐसी सूचनाओं को नजरअंदाज करना हमारी इंटेलीजेंस की सक्षमता पर ही बड़े सवाल खड़े करता है। इतना ही बड़ा सवाल खड़ा होता है कश्मीर मामले को डील करने में केंद्र सरकार की नीतियों की विफलता पर। पिछले 12 सालों में कम-से-कम 6 बड़े हमले हुए हैं, जिनमें कम-से-कम 95 लोगों की जान गई है। पिछला हमला तो पिछले साल जून में ही हुआ था। भाजपा सरकार लोगों को सुरक्षा देने में और हमलावरों को पकड़ने में बार-बार फेल हुई है।

संविधान के अनुच्छेद-370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीन लेने के बाद इस राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में राज्य सरकार और विधानसभा की कोई खास भूमिका नहीं है। इस राज्य और यहां के नागरिकों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और उसके अधीनस्थ गृह मंत्रालय और केंद्रीय सुरक्षा बलों की और इस प्रदेश के उपराज्यपाल की है। इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को इस घटना की और इसे निपटने में सरकार की नाकामी की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस समय इस केंद्र शासित प्रदेश की आबादी लगभग 1.4 करोड़ होगी। पुलिस, अर्ध सैनिक बलों और सैन्य बलों को मिलाकर 4 लाख से ज्यादा जवान यहां तैनात है, यानी हर 35 नागरिक पर एक जवान। इतने सघन सशस्त्रीकरण के बावजूद, किश्तवाड़ जंगल के रास्ते से हमलावरों का आना, पर्यटकों पर 15 मिनट तक अंधाधुंध गोलीबारी करके 27 लोगों की हत्या कर देना आश्चर्य की बात है। लेकिन इससे ज्यादा आश्चर्य इस बात पर है कि इतने संवेदनशील क्षेत्र में भी इस हमले के समय पुलिस या सुरक्षा बल का कोई जवान तक तैनात नहीं था, जो हमलावर आतंकवादियों पर गोली चलाता। यही कारण है कि सुरक्षा बलों की ओर से एक भी गोली नहीं चली और न ही हमले के तत्काल बाद पीड़ितों को कोई मेडिकल सुविधा मिली। इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई। देश के किसी भी हिस्से में लोगों के जान-माल की रक्षा की जिम्मेदारी से सरकार मुकर नहीं सकती। फिर यह हमला केंद्र की मोदी सरकार की असफलता नहीं, तो और क्या मानी जाएगी?

पाकिस्तान प्रायोजित इस हमले की जितनी निंदा की जाए, कम है, लेकिन इतना ही यह भी साफ है कि कश्मीर के मामले में इंटेलीजेंस की चौकसी और भारत सरकार की नीतियां बार-बार फेल हुई हैं। हमले के तुरंत बाद गोदी मीडिया और संघी गिरोह का यह प्रचार भी अब पूरी तरह से झूठ साबित हो गया है कि पर्यटकों से उनका धर्म पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोलियां मारी गई हैं। साफ है कि इस घटना की आड़ में भाजपा और संघी गिरोह 'हिंदू-मुस्लिम' और 'भारत-पाकिस्तान' के नाम पर नफरत की राजनीति करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के खेल में लग गया है, ताकि बिहार और कुछ राज्यों में होने वाले चुनावों में फायदा उठा सकें। अब यह संभव है कि मुस्लिम विरोधी सांप्रदायिक भावना और पाकिस्तान विरोधी राष्ट्रवादी भावना उभारने के लिहाज से मोदी सरकार कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' भी कर दें।

इस आतंकी हमले में केवल हिन्दू ही नहीं, एक मुस्लिम भी, जिनका नाम सैयद हुसैन शाह है, और कुछ विदेशी पर्यटक भी मारे गए हैं। हमले के बाद पीड़ितों की सेवा में कश्मीर का मुस्लिम समुदाय जिस एकजुटता के साथ सामने आया, वह अभूतपूर्व है। सोशल मीडिया में एक स्टोरी तैर रही है कि छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को किस तरह एक स्थानीय मुस्लिम कपड़ा व्यापारी नजाकत अली ने बचाया है। इस हमले में कर्नाटक से आए पर्यटक मंजूनाथ भी मारे गए हैं। हमले में जीवित बची उनकी पत्नी पल्लवी के इस वक्तव्य को भी नोट करने की जरूरत है -- «उस दहशत और लाचारी के पल में तीन कश्मीरी युवक आए और हमें बचाया। हमारी मदद करते हुए वे बिस्मिल्लाह, बिस्मिल्लाह कहते रहे। उन्होंने हमें सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। मैं आज उन्हीं की वजह से ज़िंदा हूं। वे अब अजनबी नहीं रहे -- वे मेरे भाई हैं।» इस तरह की दसियों स्टोरी अभी और सामने आएंगी। यही हिंदू-मुस्लिम एकता की सिल्वर लाइन है, जो न आतंकियों की गोलियों से मिटने वाली है और न संघी गिरोह की नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक राजनीति से। कश्मीर की असली ताकत यही है।

यह बात आईने की तरह साफ है कि इस हमले से कश्मीर के पर्यटन उद्योग को बहुत नुकसान होने जा रहा है। लेकिन इन हमलों के पीछे जो लोग हैं, वे कश्मीर के लोग तो नहीं ही हैं, क्योंकि कोई अपनी रोजी रोटी और आजीविका पर लात नहीं मारता। असली दुश्मन तो वे लोग हैं, जो विभाजन, हिंसा और नफ़रत की राजनीति से फ़ायदा उठाते हैं। इस कत्लेआम के विरोध में कश्मीर घाटी बंद रही है। इस बंद के समर्थन में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अपनी पार्टी और माकपा सहित घाटी की लगभग सभी राजनैतिक धाराएं साथ आई। कई सामाजिक-धार्मिक और व्यापारिक संगठनों और नागरिक समाज के विभिन्न तबकों ने इस आतंकी हमले की खुलकर खिलाफत की है और बंद का समर्थन किया है। घाटी में कई जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की है। आतंकी हमले का ऐसा एकजुट विरोध पिछले 35 साल में पहली बार देखने को मिल रहा है। घाटी में बंद की सफलता से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दरार डालने की आतंकी कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। यह कश्मीर के सुखद भविष्य का संकेत है। कश्मीर के मामले में संवेदनशील सैन्य सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में जो लोग पकड़े गए हैं, उनमें से कई संघी गिरोह से ही जुड़े हुए हैं। अभी तक गिरफ्तार लोगों में न कोई मुस्लिम है, न ईसाई, और न ही कोई सिख या बौद्ध। मनोज मंडल (मध्यप्रदेश), ध्रुव सक्सेना (बिहार), राजीव शर्मा -- इनमें से ऐसे ही कुछ नाम हैं, जिनके भाजपा से संबंध जगजाहिर थे। मध्यप्रदेश में तो थोक के भाव में आरएसएस के 11 कार्यकर्ता, जिनमें एक भाजपा पार्षद भी शामिल था, जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हुए हैं। इसलिए यह बात जोरदार ढंग से कही जा सकती है कि भाजपा-संघ का राष्ट्रवाद छद्म-राष्ट्रवाद है, जो व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए आम जनता की देशभक्ति की भावना का शोषण करता है। संघी गिरोह को पहलगाम के आतंकी हमले में छुपे संकेतों को सही अर्थ ग्रहण करना चाहिए। कश्मीर की समस्या एक राजनैतिक समस्या है और इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक ही होगा। कश्मीर की समस्या का जितना संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से है, उतना ही संबंध भाजपा की नीतियों से भी है। इन नीतियों ने इस राज्य का विखंडन कर उसकी अस्मिता को रौंदने का काम किया है, इन नीतियों ने कश्मीर की कॉरपोरेट लूट के लिए दरवाजे खोले हैं। संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर की विशेष स्थिति को खत्म करने का मकसद भी यही था। भाजपा की नीतियों ने पूरे देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए जो मुस्लिम विरोधी भावनाएं पनपाई हैं, वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को खाद-पानी देने का काम करता है। इसलिए, यदि इस आतंकवाद का मुकाबला करना है, तो हिंदुत्व की राजनीति के साथ कॉरपोरेटों के गठजोड़ को शिकस्त देने के लिए आम जनता को लामबंद करना होगा। कश्मीर के संदर्भ में असली राजनैतिक चुनौती यही है।

आलेख- संजय पराते

पहलगाम नरसंहार देश को आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का इंतजार !

पहलगाम में हिन्दू पर्यटकों की धार्मिक पहचान करने के बाद क्रूरता हैवानियत भरी बर्बरता से नृशंस नरसंहार अक्षम्य है। देश भर में इस वारदात को लेकर आक्रोश है यह हिन्दू समाज की सहिष्णुता है कि इतना दिल दहलाने व उत्तेजित करने वाले साजिश भरे कत्लेआम के बावजूद भावनाओं और आक्रोश को जहर का घूंट मानकर सरकार की ओर जबाबी कार्रवाई की टकटकी लगाए है। ऐसे दर्द और आक्रोश भरे माहौल में सरकार को समझना होगा कि सिर्फ मुठठियां तानने दांत भींचने और बयानबाजी करना पर्याप्त नहीं है इस से पहले कि आक्रोश की परिणिति किसी उग्र प्रदर्शन अराजकता अथवा सांप्रदायिक सौहार्द पर भारी बने सरकार को इस क्रूरतम नरसंहार के जिम्मेदार दरिंदों को सबक सिखाना होगा और भविष्य में इस तरह की वारदात न हो इस के लिए सुरक्षा बलों को सजग और सतर्क रखना होगा। जम्मू-कश्मीर के सुंदरतम पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला सिर्फ कायरतापूर्ण कृत्य नहीं है, बल्कि यह कश्मीर और कश्मीरियों की आत्मा पर हमला है। इस हमले में आतंकवाद का काफी वीभत्स रूप सामने आया है, जिसका पिछले कुछ महीनों से घाटी में कायम शांति और सौहार्द को गहरा आघात पहुंचा है। देश को झकझोर देने वाली इस आतंकी वारदात ने सिर्फ जम्मू और कश्मीर को नहीं, बल्कि पूरे देश को मातम में डुबो दिया है। इस हमले में देश के विभिन्न हिस्सों से गये 28 निर्दोष लोगों की हत्या की गई है, जबकि दो विदेशी पर्यटक मारे गए हैं। किसी मां की गोद सूनी हो गयी है, तो कोई नवविवाहिता विधवा हो गयी है। आतंकवाद का जैसा रुप इस आतंकी हमले में देखने को मिला है, इसके पहले शायद देखने को नहीं मिला था। आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा है। कुछ लोगों से कलमा पढ़ने के लिए कहा गया है और फिर गोली मारी गयी। मासूम बच्चों के सामने ही उनके पिता को मौत का घाट उत्तार दिया गया है, निस्संदेश यह काफी व्यथित करने वाला और हृदयविदारक है, जिसका कल्पना मात्र से ही रूह कांप जाती है। पहलगाम में आम लोगों के नरसंहार की यह घटना 25 साल पहले छत्तीसिंहपुरा नरसंहार की याद ताजा कर रही है। जिस 'द रेजिस्टेंस फ्रंट'(टीआरपी) ने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली है, उसे लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी बताया जा रहा है। जम्मू और कश्मीर में 2024 के आखिर में ही वर्षों के अंतराल के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार बनी है, ऐसे समय में यह हमला और भी चिंताजनक है। देखा जाए तो आतंकियों ने काफी सोची-समझी रणनीति के तहत इस हमले के अंजाम दिया है। धर्म पूछकर और मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुरुषों के पैंट उतरवाकर चुन-चुनकर गोलियां मारी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। हाल के वर्षों में सऊदी अरब भारत का अनन्य मित्र बनकर उभरा है और कहा जाता है कि आज की तारीख में इस्लामी दुनिया का यह सबसे बड़ा प्रभावशाली मुल्क है। मतलब, पाकिस्तान ने कश्मीर में खून बहाकर एकसाथ सऊदी अरब से लेकर अन्य मुस्लिम देशों को फिर से यह संदेश देने की कोशिश की है कि कश्मीर के मुसलमानों पर भारत जुल्म ढा रहा है। पहलगाम हमले के लिए ऐसी टाइमिंग चुनी गई है, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा पर आए हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां अक्सर पाकिस्तान को परेशान करती रही हैं। उनके कार्यकाल में भारत-अमेरिकी दोस्ती में नई मजबूती देखने को मिली है। आतंकवाद को लेकर अमेरिका की मौजूदा सरकार का रुख हमेशा से सख्त रहा है। ऐसे में इस हमले से कहीं न कहीं अमेरिका को भी संदेश देने की कोशिश की गई है कि कश्मीर अभी भी शांत नहीं हुआ है। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने कश्मीर को लेकर बहुत ही भड़?काऊ टिप्पणियां की हैं। माना जा रहा है कि उनके बयान कहीं न कहीं आतंकवादियों के लिए एक संदेश का काम किया है कि जम्मू-कश्मीर को रक्तरंजित करने के लिए यही माकूल वक्त है। आम नागरिकों को निशाना बनाना इन आतंकियों के लिए बेहद आसान रहता है, क्योंकि साधारण से हथियारों का इस्तेमाल करके ये बड़े नरसंहारों को अंजाम दे देते हैं, जिसकी जांच भी आसान नहीं नहीं होती। एक और बात यह है कि देश के कई हिस्सों में नए वक्फ कानून के खिलाफ एक माहौल बनाया गया है। देश के कई और हिस्सों में इस कानून के नाम पर माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। ऐसे में देश के दुश्मनों को शायद पहलगाम अटैक के लिए यह सबसे सुविधाजनक वक्त दिखा। क्योंकि, बेगुनाहों की मौतों के खिलाफ देश में जो माहौल तैयार हो रहा है, उसमें भारत-विरोधियों को अपना काम चनने की उम्मीद दिख रही है। लेकिन जो सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है, वह पर्यटकों के दिलों में दहशत पैदा करना। दरअसल जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना-जाना निर्वाध रहे। अगर देश-दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बनाकर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रोड़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरुआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्षों में सात करोड़ से अधिक भारतीय और विदेशी पर्यटक जम्मू और कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। आतंकवाद और संघर्ष से लंबे समय से जूझ रहे इस क्षेत्र के लिए ये आंकड़े प्रगति का संकेत देते हैं। यही कारण है कि स्थिरता और आर्थिक गतिविधि में यह पुनरुत्थान, पाकिस्तानी राज्य सहित अलगाववादी और चरमपंथी ताकतों के लक्ष्यों के सीधे विरोध में है। इसलिए इस हमले के पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। हालांकि इसमें वह कामयाब नहीं होंगे, क्योंकि जम्मू कश्मीर के साथ पूरा देश खड़ा है। लेकिन इस हमले से कई सवाल भी खड़े कर दिया है। पहलगाम में हुआ हालिया आतंकी हमला एक बार फिर यह स्पष्ट कर गया कि घाटी में शांति और सामान्य स्थिति लौटने के दावों में अब भी गहरे सुराख हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब केंद्र सरकार राज्य में आतंकवाद के खात्मे के दावे कर रही थी। बीते वर्षों में लगातार यह कहा जाता रहा कि आतंकियों की संख्या घट गई है, स्थानीय युवाओं की भर्ती में भारी गिरावट आई है, और आतंकी नेटवर्क लगभग समाप्ति की ओर है। लेकिन यदि यह स्थिति वास्तव में इतनी बेहतर थी, तो पहलगाम जैसे सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्र में आतंकवादी कैसे खुलेआम गोलियां बरसाकर फरार हो गए ? सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की इतनी मौजूदगी के बावजूद हमले की पूर्व सूचना का न होना, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान न कर पाना और हमलावरों का आसानी से भाग निकलना यह दर्शाता है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था अब भी सतही सफलता से ऊपर नहीं उठ सकी है। अब भारत-पाकिस्तान के बीच 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. साथ ही अटारी चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया गया है. तीसरे फैसले में सरकार पाकिस्तान के नागरिकों को SAARC वीजा योजना के तहत भारत नहीं आने देगी. नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य और नौसेना व वायुसेना सलाहकारों को 7 दिन में देश छोड़ने को कहा गया है. वहीं, भारत ने पाकिस्तान में स्थित अपने उच्चायोग से सलाहकारों को बुला लिया है। हालांकि उम्मीद यही है कि इस हमले के बाद सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए अंतिम लड़ाई शुरू करेगी, ताकि फिर से किसी निर्दोष की खून कश्मीर के धरती पर न बहे। जरूरत इस बात की है कि सरकार देश के बहुसंख्यक समाज की भावना को समझे और उस विश्वास को कायम करे जिस के लिए उसे देश ने सत्ता सोंपी है।

मनोज कुमार अग्रवाल

संपादकीय

पहलगाम का काला दिन- जब वादियों में बहा लहू

यह शोक नहीं, यह शपथ है- आतंक के विरुद्ध भारत

22 अप्रैल 2025 का सूरज जब पहलगाम की वादियों में उतरा, तो किसी को नहीं पता था कि यह दिन खून से लाल हो जाएगा। हरी-भरी घाटियां, जहां सैलानी प्रकृति के रंगों में खोए थे, अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट और चीखों से गूंज उठीं। यह आतंक का वह काला साया था, जो न सिर्फ मासूम जिंदगियों को लील गया, बल्कि हर भारतीय के दिल में गहरी चोट छोड़ गया। यह हमला सिर्फ एक जगह पर नहीं हुआ, यह हमारी एकता, हमारी शांति और हमारी मानवता पर वार था। लेकिन भारत, जिसकी रगों में सहनशीलता और साहस का लहू दौड़ता है, इस दर्द को अपनी ताकत में बदलेगा। यह कहानी सिर्फ शोक की नहीं, बल्कि उस अटल इच्छाशक्ति की है, जो हर तूफान में और मजबूत होती है। उस दोपहर, जब लोग पहलगाम की ठंडी हवाओं में सुकून तलाश रहे थे, आतंकियों ने कायराना साजिश को अंजाम दिया। अंधाधुंध गोलीबारी, चुन-चुनकर किए गए हमले, और धर्म पूछकर मचाया गया कहर–यह सब कुछ मिनटों में एक खुशहाल घाटी को श्मशान में बदल गया। दर्जनों जिंदगियां खत्म हुई–कोई अपने जीवनसाथी के साथ नई शुरुआत करने आया था, कोई परिवार के साथ हंसी-खुशी बांट रहा था, तो कोई अपने बच्चों के सामने आखिरी सांस ले गया। ये सिर्फ आंकड़े नहीं, ये वो कहानियां हैं जो अब कभी पूरी नहीं होंगी। एक मां की गोद सूनी हुई, एक बच्चे का बाप छिन गया, और एक पत्नी का सुहाग उजड़ गया। ये जख्म सिर्फ पहलगाम के नहीं, पूरे हिंदुस्तान के हैं। यह हमला कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। यह एक सुनियोजित साजिश थी, जिसके तार सीमा पार की उन ताकतों से जुड़े हैं, जो भारत की शांति और प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर सकतीं। आतंकियों ने नकली वर्दियों में घुसपैठ की, रेकी की, और फिर उस जगह को निशाना बनाया जहां लोग सबसे ज्यादा निश्चिंत थे। उनका मकसद था कश्मीर की बढ़ती रौनक को मिटाना, पर्यटन की चमक को धूमिल करना, और भारत की एकता को तोड़ना। लेकिन वे भूल गए कि भारत का दिल इतनी आसानी से नहीं टूटता। यह वही धरती है, जिसने हर आघात को सहा है और हर बार और मजबूत होकर उभरी है। हमले के बाद जो हुआ, वह भारत की ताकत का सबूत है। सुरक्षा बलों ने तुरंत मोर्चा संभाला, घाटी को घेरा, और आतंकियों की तलाश में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। सैनिकों, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने जिस जज्बे से ऑपरेशन चलाया, वह दिखाता है कि भारत की रक्षा करने वाले कभी पीछे नहीं हटते। घुसपैठ की कोशिशें नाकाम की गई, आतंकी ठिकानों पर छापे मारे गए, और खुफिया तंत्र को और तेज किया गया। यह त्वरित कार्रवाई सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस रणनीति का हिस्सा है जो आतंक को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने भी इस संकट में अपनी जिम्मेदारी निभाई। राहत कार्यों से लेकर घायलों के इलाज तक, और मृतकों के परिजनों को सहायता तक, कदम उठाए गए। लेकिन यह समय सिर्फ सरकारी कदमों की तारीफ करने का नहीं। सवाल उठते हैं–क्या खुफिया तंत्र और सतर्कता में अभी और सख्ती की जरूरत नहीं थी? क्या सीमा पार की साजिशों को पहले नहीं भांपा जा सकता था? ये सवाल इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि हर भारतीय का भरोसा सरकार की नीतियों और उनकी अमल में लाने की क्षमता पर टिका है। आतंक के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" की बातें अच्छी हैं, लेकिन असली इम्तिहान तब है जब ऐसी त्रासदियां रोकने की व्यवस्था पहले से तैयार हो। पहलगाम का यह हमला सिर्फ एक जगह पर नहीं, बल्कि कश्मीर की आत्मा पर चोट है। यह वही कश्मीर है, जो पिछले कुछ वर्षों में शांति और समृद्धि की नई राह पर चल पड़ा है। पर्यटकों की बढ़ती भीड़, स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी, और विकास की नई किरणें–यह सब आतंकियों को खटकता है। वे चाहते हैं कि कश्मीर फिर से अंधेरे में डूब जाए। लेकिन कश्मीर के लोग, जो सदियों से हर तूफान में डटकर मुकाबला करते आए हैं, अब चुप नहीं रहेंगे। यह हमला उनकी मेहमाननवाजी और उनकी पहचान पर हमला है, और वे इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस दुख की घड़ी में देश एकजुट होकर खड़ा है। नेताओं, खिलाड़ियों, और आम लोगों ने एक स्वर में इस हमले की निंदा की। सोशल मीडिया पर गुस्सा और दर्द की लहर दौड़ रही है, लेकिन यह गुस्सा सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं। यह उस संकल्प का प्रतीक है, जो कहता है कि भारत आतंक को कुचलकर ही दम लेगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस हमले की गूंज सुनाई दी, जहां इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया गया। लेकिन सबसे जरूरी है कि हम इस दर्द को राजनीति का हथियार न बनने दें। टीवी डिबेटों की चीख-पुकार और दोषारोपण का खेल उन शहीदों का अपमान है, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। हमें चाहिए कि हम एक राष्ट्र के रूप में खड़े हों, न कि बंटे हुए दलों के रूप में। यह समय शोक का है, लेकिन यह समय संकल्प का भी है। सरकार ने राहत और सहायता का भरोसा दिया है, लेकिन असली न्याय तब होगा जब आतंक का हर रास्ता बंद हो। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए, जो आतंक को होने से पहले ही कुचल दे। हमें कश्मीर में शांति और समृद्धि को और मजबूत करना होगा, ताकि आतंक की कोई गुंजाइश न रहे। स्थानीय युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, पर्यटन को बढ़ावा देने, और सीमा पर सतर्कता बढ़ाने के लिए और ठोस कदम उठाने होंगे। भारत का इतिहास गवाह है कि हमने हर मुश्किल को अपनी ताकत बनाया है। पहलगाम की यह त्रासदी हमें तोड़ने की कोशिश थी, लेकिन यह हमें और मजबूत करेगी। यह आग, जो हमारे सीने में जल रही है, आतंक के हर चेहरे को जलाकर राख कर देगी। हमें विश्वास है कि हमारी एकता, हमारा साहस, और हमारा संकल्प आतंक को जड़ से मिटा देगा। यह उन मासूमों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। आज हम शोक में डूबे हैं, लेकिन कल हम और मजबूत होकर उठेंगे। क्योंकि हम भारत हैं–एक ऐसी धरती, जो हर जख्म से नई ताकत पैदा करती है। आतंक का यह साया हमारी रोशनी को नहीं छीन सकता। हम एक साथ चलेंगे, एक साथ लड़ेंगे, और एक साथ जीतेंगे। जय हिंद।

प्रो. आरके जैन

उठाइये कदम, हम सब एक साथ हैं

पहलगाम नृशंस हत्याकांड के बाद भारत सरकार को जो जरूरी कदम उठाने हैं, वो उठाये, इस मुद्दे पर पूरा देश सरकार के साथ है। लेकिन शर्त ये हैकि सरकार इस मुद्दे पर कार्राई से पहले ये भी गारंट दे की देश में फिलहाल कोई ध्रुवीकरण नहीं किया जाएगा। इस हत्याकांड की आड़ में फिर से हिन्दू-मुसलमान नहीं किया जाएगा। क्योंकि देश का असली नुक्सान इसी ध्रुवीकरण की वजह से हो रहा है। पहलगाम में 28 लोगों की हत्या से पूरा देश सिहिर गया है। इस हत्याकांड के लिए जब हमने और दूसरों ने केंद्र सरकार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया तो बहुत से लोग [भक्तगण] आहत हो गए। राशन-पानी लेकर पिल पड़े। लेकिन मुझे उनके ऊपर केवल दया आयी,क्योंकि वे नहीं जानते की वे क्या कह रहे हैं या क्या कर रहे हैं ? भटकगणों से मेरा सीधा सा सवाल है की इस हादसे के लिए सत्ता प्रतिष्ठान को दोषी न ठहराया जाये तो क्या विपक्ष को दोषी ठहराया जाये ?डोनाल्ड ट्रम्प,पुतिन या सही जिनपिंग को दोषी ठहराया जाये ?ऐसा नहीं होता। दोषी हमेशा सत्ता प्रतिष्ठान होता है क्योंकि उसके पास समस्त शक्तियां होतीं हैं। बहरहाल हम स्वागत करते हैं की माननीय प्रधानमंत्री अपनी सऊदी अरब की यात्रा को बिच में ही छोड़कर स्वदेश लौटे । उन्होंने इस हत्याकांड के बाद त्ताक्लिक रूप से जो मुमकिन हो सकता था वो किया भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक में कई अहम फ़ैसले भी लिए गए, जिसमें पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को निलंबित करने . इसके साथ ही अटारी बॉर्डर को भी बंद करने का फ़ैसला किया गया है। आपको याद होगा की भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 के सिंधु जल समझौता किया था। इसे तुरंत प्रभाव से निलंबित रखने का फ़ैसला किया है। ये फ़ैसला तब तक लागू रहेगा जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय ढंग से सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता।

सिंधु सम्झौतेके बारे में आज के पाठक शायद न जानते हों इसलिए बता दूँ की सिंधु जल समझौते के तहत ब्यास, रावी और सतलुज नदियों का नियंत्रण भारत को, तथा सिंधु, चिनाब और झेलमका नियंत्रण पाकिस्तान के पास है । समझौते के अनुसार भारत को उनका उपयोग सिंचाई, परिवहन और बिजली उत्पादन हेतु करने की अनुमति है। इस दौरान इन नदियों पर भारत द्वारा परियोजनाओं के निर्माण के लिए सटीक नियम निश्चित किए गए। यह संधि पाकिस्तान के डर का परिणाम थी ,क्योंकि इन नदियों का उद्गम भारत में होने के कारण कहीं युद्ध आदि की स्थिति में उसे सूखे और अकाल आदि का सामना न करना पड़े। पहलगाम हत्याकांड के फौरन बाद भारत ने अटारी इंटिग्रेटेड चेक पोस्ट को भी तुरंत प्रभाव से बंद करने का फ़ैसला किया है. सरकार की ओर से कहा गया है कि जो लोग मान्य दस्तावेजों के आधार पर इधर आए हैं वो इस रूट से 1 मई 2025 से पहले वापस जा सकते हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि अब पाकिस्तानी नागरिक सार्क वीजा छूट स्कीम (एसवीईएस) के तहत जारी वीजा के आधार पर भारत की यात्रा नहीं कर पाएंगे. एसवीईएस के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को पूर्व में जारी किए वीजा रद्द माने जाएंगे. एसवीईएस के तहत जो भी पाकिस्तानी नागरिक भारत में हैं उन्हें 48 घंटों में भारत छोड़ना होगा। एक अन्य फैसले के बाद नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को अवांछित (पर्सोना नॉ ग्रेटा) व्यक्तिघोषित कर दिया गया है। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सेना सलाहकारों को भी वापस बुला रहा है. दोनों उच्चायोग में ये पद खत्म माने जाएंगे। ये सभी कूटनीति और राजनयिक कदम हैं। असली कार्रवाई तो नृशंस हत्यारों का खात्मा है। ये खात्मा फुटकर मुठभेड़ों से मुमकिन नहीं है। इसके लिए क्या किया जाना चाहिए ये हम जैसे लोग नहीं बता सकते । ये तय करना सेना और सरकार का काम है। हमारे यहां कहावत है की शत्रुता और उधारी कभी बकाया नहीं रहना चाहिए। हिसाब बराबर होना ही एकमात्र विकल्प है।

मेरे हिसाब से और बेहतर होता की सरकार इस हत्याकांड के बाद राजनीति से ऊपर उठकर आनन-फानन में एक सर्वदलीय बैठक भी बुला लेते । सभी दलों को विश्वास में लेकर कोई फैसला किया जाता तो और बेहतर होता। क्योंकि ये लड़ाई हिन्दू-मुसलमान की या भाजपा -कांग्रेस की नहीं है। पूरे देश की है,देश की सम्प्रभुता और एकता पर हमले के खिलाफ लड़ने की है। इसे सरकार अकेले नहीं लड़ सकती। पूरे देश को ये लड़ाई लड़ना होगी। मैं होता तो देश से अपील करता कि देश कुछ समय के लिए तमाम आंदोलन,धरना,प्रदर्शन बंद कर भारत सरकार के साथ खड़ा हो। अभी भी ज्यादा देर नहीं हुई है। सरकार को विपक्ष कि साथ पाकिस्तान जैसा व्यवहार न करते हुए सहयोगियों जैसा व्यवहार करना चाहिए। जब हालात मामूल पर आ जाएँ तब विपक्ष अपना काम करे और सरकार अपना काम करें। लेकिन सरकार ऐसा कर नहीं रही । जम्मू-कश्मीर में हुई उच्च स्तरीय बैअतःक से सूबे कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को बाहर कर दिया गया। ये राज्य की जनता का अपमान है।उमर कोई पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। उनके पास आतंकवादियों से दो-दो हाथ करने का पुराना तजुर्बा है। आज मैं न प्रधानमंत्री की आलोचना करना चाहता हूं और न गृहमंत्री जी की । मेरा तो एक ही आग्रह है इ देश के प्रधानमंत्री किसी दिन रात 8 बजे देश से मुकझातिब हों। उन्हें इस हादसे के बाद देश से मुंह छिपाने की जरूरत नहीं है। उनकी सरकार के अतीत के फैसलसों पर बाद में बात हो जाएगी। अभी तो पाकिस्तान से और अत्तंकवादियों से निबटना है और मिलजुलकर निबटना है।

राकेश अचल

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

बिना मान्यता के 20 विद्यालय चिन्हित, होगी कार्रवाई- बीईओ

-5 वीं व 8 वीं की मान्यता, चला रहे 10 वीं व 12 वीं

रुद्रपुर, देवरिया। बिना मान्यता के स्कूलों पर बीएसए के कार्रवाई के निर्देश पर बुधवार खंड शिक्षा अधिकारी ने नगर के लाला टोली वार्ड में एक विद्यालय की जांच की। प्राथमिक की मान्यता लेकर दसवीं तक स्कूल संचालित हो रहा था। जिस पर बीईओ ने नाराजगी जताते हुए बिना मान्यता के कक्षाओं का संचालन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया। बीईओ राज किशोर सिंह ने बताया कि लाला टोली वार्ड में मातेश्वरी बाल विद्या मंदिर की जांच की गई। जांच में प्राथमिक स्तर तक मान्यता स्थायी पाई गई। तीसरी मंजिल पर टीनशेड में हाई स्कूल की कक्षाएं चल रही थी। जिसकी मान्यता विद्यालय के पास नहीं है। इसी तरह बहुत से विद्यालय 5 वीं व 8 वीं तक मान्यता लेकर 10 वीं व 12 वीं की कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। नगर क्षेत्र में ही लगभग दर्जन भर स्कूल डग्गामारी कर रहे हैं। भूतल पर गर्म पछुआ के सामने ही नर्सरी के छात्रों की पढ़ाई चल रही थी। बीईओ ने तत्काल विद्यालय में हीटवेब से बचाव कर कक्षाओं का संचालन का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूल के प्रबंधक को नोटिस भेज कर जवाब मांगा। बीईओ ने बताया कि अब तक 20 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को चिन्हित किया गया है। उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में कमेटी का गठन कर जल्द ही अवैध स्कूलों को बंद कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पूर्व में भी स्कूलों को नोटिस दिया गया था। विद्यालय का संचालन मिला तो अर्थदंड भी लगेगा।

चीनी मिल चलाने को लेकर 149वें दिन जारी रहा किसानों का धरना

देवरिया। बैतालपुर चीनी मिल चलाने के लिए चीनी मिल चलाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट परिसर में चलाया जा रहा धरना आज 149 वें दिन जारी रहा। धरना सभा को संबोधित करते हुए क्रांतिकारी किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बैतालपुर चीनी मिल को चलाने के लिए देवरिया जिले में चार-चार बार घोषणा किए थे और आंदोलन के नवे वर्ष भी किसानों की मांग और मुख्यमंत्री की घोषणा दोनों पूरी नहीं हो सकी जिससे किसानों में आक्रोश है। धरने पर समिति के अध्यक्ष बृजेंद्र मणि त्रिपाठी , डॉक्टर चतुरानन ओझा ,धर्मेंद्र पांडे, हृदय नारायण जायसवाल, मुन्नीलाल पासवान, ऋषिकेश मिश्रा, मंजू चौहान ,राम प्रकाश सिंह, राजू चौहान ,व्यास मुनि मिश्रा, उर्फ बरकत अली ,संजीव शुक्ला, भाई राम प्रकाश सिंह ,रामानंद चौहान ,पन्नालाल चौहान, नइम,विजय शंकर , बजरंगी दास ,मंजू चौहान, राजकुमार गोस्वामी इत्यादि लोग मौजूद थे।

लापता किशोरी को पुलिस ने किया सकुशल बरामद

इटियाथोक, गोण्डा। स्थानीय थाना क्षेत्र से एक युवती की बरामदगी का मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति की 19 वर्षीय बेटी 22 अप्रैल को शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इस दौरान थाना क्षेत्र के ही एक गांव का रहने वाला युवक उसे शादी का झांसा देकर भगा ले गया। पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी सदर के मार्गदर्शन में थाना इटियाथोक की पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने 24 अप्रैल को युवती को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 137(2)/87 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिला स्तरीय उद्योग बंधु एवं कानून-व्यवस्था समिति की बैठक आज

देवरिया। उपायुक्त उद्योग सतीश कुमार ने बताया है कि जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय उद्योग बंधु एवं कानून-व्यवस्था समिति की बैठक 5 बजे विकास भवन स्थित गांधी सभागार में आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में ससमय प्रतिभाग करने की अनिवार्यता की गई है।

गोरखपुर में दिल दहलाने वाला मंजर- प्रेमी युगल की अर्धनग्न लाश खेत में मिली, सनसनीखेज रहस्य से हिला शहर!

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब चिनहटा पुल के पास एक खेत में सुबह-सुबह ग्रामीणों की नजर एक दिल दहलाने वाले दृश्य पर पड़ी। एक युवक और युवती की अर्धनग्न हालत में लाशें खेत में पड़ी थीं, मानो कोई अनसुलझा रहस्य चीख-चीखकर अपनी कहानी बयां कर रहा हो। खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया, और लोग तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे। क्या यह प्रेम की दुखद परिणति थी, या कोई साजिश? सवालों का जवाब अब भी हवा में लटका है।

कौन थे मृतक? क्या थी उनकी कहानी?

पुलिस ने मृतकों की पहचान कर ली है। युवक का नाम विश्वनाथ सिंह (पिता लालमोहन), कम्पियरगंज के बाजारहवां (नवापार) का निवासी, और युवती नीतू चौहान (पिता चंद्रिका चौहान), कुंजलगढ़ की रहने वाली थी। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम की चर्चाएं थीं। लेकिन यह प्रेम कहानी इतनी दर्दनाक और रहस्यमयी मोड़ पर कैसे पहुंची? यह सवाल हर किसी के जेहन में कौंध रहा है। बताया जाता है कि नीतू की शादी कुछ साल पहले हो चुकी थी, लेकिन उसका वैवाहिक जीवन टूट चुका था। क्या पुराना प्रेम फिर से जाग उठा था, या कोई और साजिश रची गई थी?खौफनाक सुबह और इलाके में दहशत

सुबह के उजाले में खेत में काम करने पहुंचे ग्रामीणों को जब यह भयावह मंजर दिखा, तो उनके होश उड़ गए। देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई, और खबर जंगल की आग की तरह फैल गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, शवों को कब्जे में लिया, और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेकिन घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिसने इस रहस्य को और गहरा कर दिया।

क्या है सच? प्रेम, साजिश या समाज की सजा?

इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं गर्म हैं। कुछ लोग इसे ऑनर किलिंग का मामला मान रहे हैं, क्योंकि दोनों के परिवारों ने इस रिश्ते पर आपत्ति जताई थी। कुछ का कहना है कि यह आत्महत्या हो सकती है, शायद प्रेम में नाकामी ने उन्हें यह कदम उठाने को मजबूर किया। वहीं, कुछ लोग इसे किसी तीसरे की साजिश का नतीजा बता रहे हैं। क्या यह प्रेम कहानी किसी की जलन या दुश्मनी का शिकार हो गई? पुलिस हर कोण से जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला।

प्रेम का अंत या समाज का क्रूर चेहरा?

यह मामला सिर्फ एक हत्या या आत्महत्या का नहीं, बल्कि समाज के उस सच का भी है, जो प्रेम को आज भी पूरी तरह स्वीकार नहीं करता। नीतू और विश्वनाथ की प्रेम कहानी, जो सालों तक चली, आखिरकार खेत में खून और रहस्य के बीच खत्म क्यों हुई? क्या परिवारों का विरोध, समाज का दबाव, या कोई और वजह थी? पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच से कुछ जवाब मिलने की उम्मीद है, लेकिन तब तक यह सनसनीखेज मामला हर किसी के जेहन में सवालों का तूफान खड़ा कर रहा है।

रहस्य गहराता जा रहा है...

क्या यह दिल टूटने की दास्तान है, या किसी गहरी साजिश की परछाई? क्या नीतू और विश्वनाथ ने खुद अपनी जिंदगी खत्म की, या किसी ने उनकी प्रेम कहानी को हमेशा के लिए खामोश कर दिया? गोरखपुर की यह घटना न सिर्फ एक क्राइम स्टोरी है, बल्कि एक ऐसी दास्तान है, जो समाज से सवाल पूछ रही है–क्या प्रेम आज भी अपराध है?पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार जारी है। तब तक, इस सनसनीखेज रहस्य ने गोरखपुर को झकझोर कर रख दिया है।

गोरखपुर- भीषण अग्निकांड- जायसवाल फर्नीचर और निधि क्लॉथ सेंटर जलकर खाक, लाखो का नुकसान

स्वतंत्र प्रभात

गोल बाजार गोरखपुर- गोला तहसील के उरुवा नगर पंचायत क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक भयावह अग्निकांड ने दो दुकानों को पूरी तरह निगल लिया। रामजानकी मार्ग पर स्थित जायसवाल फर्नीचर की दुकान में सुबह लगभग सात बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते उठते धुएं ने विकराल लपटों का रूप ले लिया, और फर्नीचर की दुकान के साथ-साथ बगल की निधि क्लॉथ सेंटर को भी अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन आग की रफ्तार उनके प्रयासों से कहीं अधिक तेज थी। अफरा-तफरी के बीच तत्काल सूचना फायर ब्रिगेड और प्रशासन को दी गई। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था।

जायसवाल फर्नीचर के मालिक गंगा शरण जायसवाल का कहना है कि लाखों नहीं बल्कि पचासों लाख की क्षति हुई है। वहीं निधि क्लॉथ सेंटर में रखा सारा कपड़ा भी आग की भेंट चढ़ गया।अब तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन यह घटना न केवल व्यापारियों बल्कि पूरे क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी बनकर आई है। भीषण लपटों ने जहां आर्थिक रूप से दो परिवारों को झकझोर दिया, वहीं गोला बाजार में दहशत का माहौल भी पैदा कर दिया है। स्थानीय प्रशासन मामले की जांच में जुटा है और आग के कारणों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इटियाथोक, गोण्डा। स्थानीय पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक ने शादी समारोह से 17 वर्षीय लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। घटना 20-21 अप्रैल की रात की है। पीड़िता अपनी दादी सुमित्रा देवी के साथ दौदापुर थाना क्षेत्र इटियाथोक में एक शादी समारोह में आई थी। इसी दौरान आरोपी उसे बहला-फुसलाकर ले गया। अगले दिन पीड़िता की दादी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इटियाथोक थाना पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने 22 अप्रैल को अपहृता को बरामद कर लिया। जांच में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर पुलिस ने 24 अप्रैल को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संकलित साक्ष्य के आधार पर दर्ज मुकदमे में दुष्कर्म सहित पास्को एक्ट की बढ़ोतरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

गोरखपुर- दो महीने की नई नवेली दुल्हन की गला दबाकर हत्या, बड़े भाई पर भी हमला — अवैध संबंध के शक में पति ने उठाया खौफनाक कदम

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर- गोरखपुर के गुलरिहा थाना क्षेत्र के नरायनपुर नंबर दो गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। महज दो महीने पहले सतीश के साथ सात फेरे लेने वाली नवविवाहिता सरोज की उसके ही पति ने अवैध संबंध के शक में गला दबाकर हत्या कर दी। इस क्रूरता की पराकाष्ठा तब सामने आई, जब सरोज के बड़े भाई ने बीच-बचाव की कोशिश की, तो सतीश ने उस पर हथौड़े से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। दो महीने पहले सरोज चौहान और सतीश की शादी महराजगंज जनपद के कोतवाली थाना क्षेत्र रसूलपुर टोला कप्टिहा में हुई थी। लेकिन शक की सनक ने इस रिश्ते को तार-तार कर दिया। सतीश का अविश्वास इस कदर हावी हुआ कि उसने अपनी ही जीवन संगिनी की जान ले ली।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सतीश को गिरफ्तार कर लिया, जबकि घायल भाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।गांव में मातम का माहौल है। सरोज के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, और ग्रामीण इस बात से स्तब्ध हैं कि एक छोटा सा शक कैसे एक हंसते-खेलते परिवार को तबाह कर सकता है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही जा रही है। यह घटना समाज के लिए एक चेतावनी है कि अविश्वास और शक की आग न केवल रिश्तों को जलाती है, बल्कि जिंदगियों को भी बर्बाद कर देती है। क्या हम अपने मन के अंधेरों को दूर कर पाएंगे, या ऐसी त्रासदियां हमें बार-बार आईना दिखाती रहेंगी?

ख़जनी तहसील खजनी में बढ़ते भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ अधिवक्ताओं ने जताया आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात

ख़जनी। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद तहसील खजनी में वादकारियों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। राजस्वकर्मियों की लापरवाही और भ्रष्ट कार्यशैली के चलते खतौनी में हुई त्रुटियों का समय पर निस्तारण नहीं हो रहा है। मामूली सुधार के लिए भी फाइलों को बार-बार जांच के नाम पर वापस भेजा जा रहा है, जिससे न्याय प्रक्रिया बाधित हो रही है। इन तमाम समस्याओं को लेकर तहसील बार एसोसिएशन की आमसभा आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि एक सप्ताह के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो अधिवक्ता संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि खतौनी की त्रुटियों को सुधारने के लिए तहसीलदार द्वारा उपजिलाधिकारी न्यायालय में रिपोर्ट भेजे जाने के बावजूद महीनों तक आदेश पारित नहीं किए जा रहे हैं। वहीं, धारा 80 की ऑनलाइन घोषणा के लिए अगर घूस नहीं दी जाती, तो आवेदन खारिज कर दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त धारा 67(क) और क(2) की पत्रावलियों पर स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद आदेश लंबित पड़े हैं।

अधिवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि तहसीलदार द्वारा जमानत सत्यापन के लिए आने वाले मामलों में खतौनी में प्रतिभूति दर्ज कराने के नाम पर बंदियों के साथ अन्याय हो रहा है। जनवरी 2025 से पंजीकृत बैनामों की दाखिल खारिज तक नहीं हो सकी है और मिसिल बंद में मुकदमा भी दर्ज नहीं हो रहा। धारा 32/38 की रिपोर्ट अधीनस्थों से समय पर नहीं मंगाई जा रही है और आदेशों की कंप्यूटर खतौनी पर समय से फीडिंग भी नहीं की जा रही है। तहसील प्रशासन की इस लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के.के. सिंह ने जिलाधिकारी से लेकर राजस्व परिषद के आयुक्त तक ज्ञापन सौंपा है। अधिवक्ताओं ने चेताया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे व्यापक आंदोलन करेंगे। बैठक में अध्यक्ष के.के. सिंह, मंत्री राजनाथ दूबे, उपाध्यक्ष राजदेव प्रियदर्शी, बिजेन्द्र यादव, अनूप सिंह, राणा प्रताप सिंह, रामप्रीत यादव, पलटराज, दरगाही प्रसाद, शैलेन्द्र त्रिपाठी, संजय पाण्डेय, उमेश दूबे, रमाकान्त प्रसाद, रामबृक्ष यादव, कमलेश प्रसाद, शिवकुमार, सन्तोष कुमार सिंह, मदन मोहन, संजीव लाल सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने गेहूं खरीद की धीमी प्रगति पर जताई नाराज़गी

● जिला प्रबंधक पीसीएफ से तलब किया स्पष्टीकरण

किसानों से सीधा संपर्क स्थापित कर तेज करें गेहूं खरीद की गति- डीएम

सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ाई जाए चौकसी, गेहूं के अवैध संचरण पर रखी जाएगी निगाह

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया । जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खरीद वर्ष 2025-26 हेतु गेहूं क्रय की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में अब तक की धीमी क्रय प्रगति पर गहरी नाराज़गी व्यक्त करते हुए जिला प्रबंधक पीसीएफ से स्पष्टीकरण तलब किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी क्रय एजेंसियाँ किसानों से सीधा संवाद स्थापित करें, गांव-गांव जाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा गेहूं खरीद की प्रक्रिया को गति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जनपद की सीमाओं पर भी निगरानी बढ़ाई जाए ताकि गेहूं के अवैध भंडारण एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। श्रीमती मित्तल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गेहूं खरीद की दैनिक समीक्षा की जाए तथा प्रगति से उन्हें नियमित रूप से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि शून्य अथवा न्यूनतम क्रय करने वाले क्रय केंद्रों की सूची तत्काल तैयार की जाए और यदि स्थिति में सुधार नहीं होता है तो ऐसे क्रय केंद्रों के व्यवस्थापकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जनपद में वर्तमान में कुल 95 क्रय केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिनमें खाद्य विभाग के 16, पीसीएफ के 43, नेफेड के 10, मंडी समिति का 1, पीसीयू के 21 तथा भारतीय खाद्य निगम के 4 क्रय केंद्र शामिल हैं। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी सुलभ आनंद सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

आतंकियों का पुतला दहन कर दिखाया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

कुशीनगर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा गोलीबारी करने और 28 हिंदुओं की नृशंस हत्या के विरोध में नगरपालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष विनय जायसवाल के नेतृत्व में आतंकियों का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर, रैली निकालकर व नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन दर्ज किया गया। मीडिया द्वारा बातचीत के क्रम में पालिकाध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि इस्लामिक आतंकवाद ने पूरी दुनिया की शांति भंग की हुई है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों ने चुनचुन कर हिन्दू नागरिकों को निशाना बनाकर भारत की अखंडता को खुली चुनौती दी है। भारत सरकार द्वारा तत्काल प्रभाव से सिंधु जल समझौता रद्द करने व सार्क सम्मेलन सहित अटारी बॉर्डर को बंद करने जैसे कदमों के स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आतंकवाद के खिलाफ उठाये जा रहे कदम बहुत जल्द इस्लामिक आतंकवादियो को मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। भारतीय सेना द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए तलाशी अभियान चलाने व संदिग्धों के स्केच जारी करने को उपयोगी बताते हुए उन्होंने सेना व सरकार के कार्यों पर सन्तोष भी जाहिर किया। इस दौरान उनके साथ उनके प्रतिनिधि मनीष बुलबुल जायसवाल के अलावा रामु पाण्डेय अरुण सिंह अमित तिवारी विनय मद्धेशिया नीरज मिश्रा विजय शर्मा गौरव चौबे अंकित अग्रवाल ब्रजेश शर्मा भरत चौधरी आलोक विश्वकर्मा मनीष पाठक दीनदयाल मद्धेशिया सतेंद्र यादव अनूप गौड़ धर्मेंद्र मद्धेशिया केदार गुप्ता सुनील चौहान दीपक जायसवाल सचिन साहा भोलू यादव आदर्श जायसवाल धीरज शर्मा जयप्रकाश मद्धेशिया सोनु शर्मा गोपी गुप्ता मंथन सिंह संतोष चौहान राजेश जायसवाल संतोष यादव सुरेश मद्धेशिया अजय शर्मा बबलू गुप्ता पिंटू साह गुलाब गुप्ता अजय साह हरिन्द साह संजय मद्धेशिया मुरारी बबलू शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा का बड़ा एक्शन- कुन्दुरखी चीनी मिल को जारी किया कड़ा नोटिस, 20935.88 लाख गन्ना मूल्य बकाया

●किसानों को राहत, डीएम ने चीनी मिल को भुगतान के लिए किया बाध्य

डीएम नेहा शर्मा का सख्त रुख- गन्ना मूल्य भुगतान में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। गन्ना किसानों को उनका हक दिलाने के लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए कुन्दुरखी स्थित बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड को नोटिस जारी किया है। पेराई सत्र 2024-25 में मिल द्वारा गन्ना मूल्य का 20,935.88 लाख और विकास अंशदान का 403.39 लाख भुगतान शेष है, जिसे लेकर जिलाधिकारी ने कड़ा संज्ञान लिया है।जिलाधिकारी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, पेराई सत्र 2024-25 में गन्ना मूल्य के कुल 27,334.31 लाख में से 6,398.43 लाख का भुगतान हुआ है, जो कि कुल भुगतान का 23.41 प्रतिशत है। इसी प्रकार, विकास अंशदान के 413.39 लाख में से ?403.39 लाख अभी तक बकाया है।जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश गन्ना (पूर्ति एवं खरीद विनियमन) अधिनियम, 1953 और उससे संबंधित नियमावली 1954 के अनुसार, गन्ना आपूर्ति की तारीख से 14 दिन के भीतर मूल्य भुगतान किया जाना अनिवार्य है। निर्धारित समयसीमा में भुगतान न होने की स्थिति में मिल को बकाया राशि पर ब्याज सहित भुगतान करना होता है।समीक्षा के दौरान पाया गया कि न केवल गन्ना मूल्य का भुगतान रुका हुआ है, बल्कि मिल प्रबंधन द्वारा स्वयं के संसाधनों से अथवा बैंकर्स से कैश क्रेडिट लिमिट लेकर भी भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया है। अधिनियम की धारा 17(5) के अंतर्गत मिल को उत्पादित चीनी को बंधक रखकर अग्रिम प्राप्त कर किसानों को भुगतान करना चाहिए, जिसका पालन नहीं किया जा रहा है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने मिल प्रबंधन को नोटिस जारी कर तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चेतावनी दी है कि यदि मिल तत्काल भुगतान नहीं करती है, तो प्रबन्धन के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिसके लिए चीनी मिल प्रबंधन जिम्मेदार होगा।

जिला सैनिक बंधु की बैठक 29 अप्रैल को

स्वतंत्र प्रभात

देवरिया । जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया है कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की व्यक्तिगत समस्याओं के निराकरण हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया है। यह जिला सैनिक बंधु की बैठक 29 अप्रैल को 1 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। बैठक में सैनिक बंधु के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्य प्रतिभाग करेंगे। पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों से अनुरोध किया है कि वे अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र 26 अप्रैल तक कार्यालय, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास में लिखित रूप में जमा कर दें तथा बैठक में समय से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया में सहभागी बनें।

जनपद में अवैध खनन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई- डीएम को रात में मिली सूचना पर 2 बजे छापा

रातोंरात प्रशासन की दबिश- बिना परमिट खनन करते पकड़ी गई जेसीबी और ट्रैक्टर

●डीएम के निर्देश पर अवैध खनन पर कसा शिकंजा, मौके से जब्त हुए वाहन

निर्माणाधीन मैरिज लॉन के लिए हो रहा था मिट्टी खनन

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। जिला प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बीती रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। देर रात करीब एक बजे जिलाधिकारी नेहा शर्मा को वाट्सएप के माध्यम से अवैध खनन की सूचना मिली, जिसके तुरंत बाद डीएम के निर्देश पर खनन विभाग की टीम हरकत में आ गई।खनन अधिकारी अभय रंजन के नेतृत्व में टीम ने कोतवाली देहात क्षेत्र के चिलबिला खत्तीपुर गांव में करीब 2ः15 बजे छापेमारी की। मौके पर अवैध रूप से मिट्टी खनन करते हुए एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पाई गई, जिन्हें तत्काल जब्त कर लिया गया। खनन अधिकारी ने जानकारी दी कि बिना वैध अनुमति के यह खनन कार्य किया जा रहा था। बताया गया कि एक निर्माणाधीन मैरिज लॉन की भराई के लिए अवैध रूप से मिट्टी निकाली जा रही थी। मौके पर इमरती बिसेन निवासी रमेश यादव की जेसीबी और मरजीत उपाध्याय को खनन करते हुए पकड़ा गया।सभी जब्त वाहनों को कोतवाली देहात थाने में जमा करा दिया गया है। खनन अधिकारी अभय रंजन ने बताया कि जिस भूमि से मिट्टी खनन किया जा रहा था, उसके स्वामित्व और उपयोग को लेकर भी जांच की जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार का अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

एक सप्ताह से अनुपस्थित चल रहे ग्राम पंचायत अधिकारियों को जारी किया नोटिस कटेगा वेतन

बरेली/भदपुरा खंड विकास अधिकारी कमल सिंह चौहान ने 16 अप्रैल से अनुपस्थित चल रहे 4 ग्राम पंचायत अधिकारियों को नोटिस भेज कर उनके सात दिवस का वेतन बाधित करने की चेतावनी देते हुए नोटिस जारी किया गया है इसमें विवेक चौधरी सचिन गंगवार अजय वर्मा अभिषेक सिंह आदि हैं इनके द्वारा आई जी आर एस में भी समय से निस्तारण न होने साथ ही ग्राम पंचायत का कार्य बाधित हो रहा साथ ही ग्रामीण ब्लॉक मुख्यालय के चक्र काट रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 25 अप्रैल 25तक को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है ऐसा न करने पर वह स्वयं जिम्मेदार होंगे और उनके विरुद्ध कार्यवाही की संस्तुति भी की जाएगी इन चारों ग्राम पंचायत अधिकारियों ने बिना अवकाश लिए सरकारी काम करना बंद कर दिया है खंड विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया यह कर्मचारी फोन भी नहीं उठा रहे हैं इसलिए इन्हें नोटिस भेज कर उनके साथ दिन का वेतन बाधित किया जा रहा है। इस पर भी इन्होंने अपने को बदलने का कार्य नहीं किया तो उनके विरुद्ध उच्च अधिकारियों को पत्र भेज कर कार्यवाही की मांग की जाएगी।

बीजेपी सरकार के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के संनिकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी मितौली के कुशल मार्ग दर्शन तथा प्रभारी निरीक्षक थाना मितौली शिवा जी दुबे के नेतृत्व में थाना मितौली खीरी की पुलिस टीम द्वारा पहलगाम जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर बीजेपी सरकार पर व्हाट्सएप ग्रुप पर अभद्रता टिप्पणी करने वाले अभियुक्त रजनीश श्रीवास्तव पुत्र विश्वनाथ श्रीवास्तव उम्र करीब 35 वर्ष निवासी कस्बा व थाना मितौली जनपद खीरी के विरूद्ध मु0अ0 सं0 125/ 2025 धारा 196/353(2)/352 बीएनएस पंजीकृत कर अन्य विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय/ जिला कारागार खीरी भेजा गया ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 बलवीर सिंह का0 विकास कुमार, का0 अंचल वर्मा थाना मितौली जनपद खीरी शामिल रहे।

थाना कांट पुलिस ने दहेज प्रतिषेध के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में अपराध की रोकथाम व अवैध शराब एंव अवैध शस्त्र , मादक पदार्थ का कारोबार करने वाले क्रियाशील एंव चिन्हित किये गये अपराधियों, वाछित एंव वारंटी अभियुक्तगण की गिरफ्तारी एंव अपराध की रोकथाम के परिपेक्ष्य मे प्रचलित अभियान के क्रम मे, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कांट के नेतृत्व में अभियुक्त शकील अहमद उर्फ नन्हें पुत्र मकबूल खाँ निवासी मो0 शेखान कस्बा व थाना कांठ मे शीतला माता मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर करीब 50 कदम की दूरी से गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

थाना तिलहर पुलिस 01 वारण्टी को किया गिरफ्तार

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अभियान के दौरान श्रीमती भंवरे दीक्षा अरुण अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं श्री ज्योति यादव क्षेत्राधिकारी तिलहर के निर्देशन तथा राकेश कुमार प्रभारी निरीक्षक कोतवाली तिलहर के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान रोकथाम जुर्म जरायम अपराध, बरामदगी अवैध शराब, शस्त्र, मादक पदार्थ एंव चोरी, लूट, डकैती, गौ तस्कर, जिला बदर अपराधी व वांछित/वारण्टी अपराधी की गिरफ्तारी के क्रम मे प्र0नि0 राकेश कुमार द्वारा अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न पुलिस टीमें गठित की गई तथा गठित पुलिस टीम द्वारा 01 वारण्टी निखिल कुमार उर्फ सोनू पुत्र स्व0 राधेश्याम निवासी ग्राम फत्तेहपुर बुजुर्ग उर्फ मोहद्दीपुर थाना तिलहर जनपद शाहजहांपुर सम्बन्धित वाद संख्या 13589/21 व मु0अ0सं0 48/21 धारा 307, 323, 392, 504, 506 भ.द.वि. थाना तिलहर जनपद शाहजहाँपुर के निर्गत वारण्ट के अनुपालन में ग्राम फत्तेपुर बुजुर्ग उर्फ मोहद्दीपुर में वारण्टी के मसकन थाना तिलहर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उक्त वारण्टी को सम्बन्धित मा0 न्यायालय के समक्ष समय से पेश किया जायेगा।

खबर का असर, विभाग ने संज्ञान लेते हुए टूटी बड़ी रेलिंग की कराई मरम्मत

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। बीते दिवस समाचार पत्र स्वतंत्र प्रभात में छपी खबर रंग लाई। मामला संज्ञान में लेते हुए अधिकारियों द्वारा दुर्घटना का कारण बनी अजान घरथनिया मार्ग पर ग्राम इमलिया के समीप पुलिया की टूटी रेलिंग की मरम्मत करा दी गई है। मालूम हो कि उक्त मार्ग से निकलने वाले राहगीर आए दिन रात के समय पिछले 6 महीने से रेलिग विहीन होने के कारण रात में अक्सर वाहन चालक गिरकर चोटिल हो जाते थे। इसको देखते हुए दैनिक स्वतंत्र प्रभात में 19 अप्रैल के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित गई खबर का असर होने से पीडब्ल्यूडी विभाग ने पुलिया की टूटी रेलिंग की मरम्मत करा दी। जबकि इस मार्ग का निर्माण अभी पिछड़े डेढ़ साल पहले हुआ था तभी इस पुलिया की रेलिंग बनाई गई थी।इस बीच किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से पुलिस की रेलिंग टूट गई थी। रेलिग टूट जाने के कारण अब तक दर्जनों बाइक अथवा वाहन चालक गिरकर घायल हो चुके हैं। उक्त पुलिया की रेलिंग बनाए जाने को लेकर सलीम अली,पंकज वर्मा, हरिओम यादव,इबरार, अभिषेक कुमार,विकास शुक्ला सहित तमाम ग्राम वासी ने कहा कि वह लोग पुलिया पर रेलिग बनवाने के लिए काफी दिनों से प्रयासरत थे। विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनिधियों से भी निवेदन किया गया पर हुआ कुछ नहीं। समाचार पत्रों ने समस्या को प्रमुखता से उठाने के बाद टूटी पड़ी पुलिया की रेलिंग की मरम्मत करा दी गई है।

स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक व डॉ श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल के सहयोग से 25 वां ग्राम निवारणीय अंधता मुक्त ग्राम घोषित

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। डॉ श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल मोहम्मदी ने "मेरा गावं मेरी जिम्मेदारी" के तहत निवारणीय अंधता मुक्त ग्राम कार्यक्रम को सफल बनाया।जानकारी अनुसार स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक और डॉ श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल के द्वारा फरधान के ग्राम उदयपुर कैम्हारा को जय प्रकाश वर्मा ग्राम प्रधान के द्वारा फीता काट कर निवारणीय अंधता मुक्त ग्राम घोषित किया गया उन्होंने अपने उद्बोधन मे बताया की डॉ श्रॉफ चैरिटी आई हॉस्पिटल के द्वारा अंधता मुक्त ग्राम के लिए कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग ला रही है हर घर- हर जन की आँखों की जाँच व उपचार सरहनीय कदम है संस्था के कार्यक्रम अधिकारी विपिन पाण्डेय ने कहा कि संस्था अंधता मुक्त ग्राम के लिए पीक कार्यक्रम,व डोर टू डोर कार्यक्रम के अंतर्गत आँखों कि जाँच प्रशिक्षण प्राप्त कार्यकर्ताओं के द्वारा की जा रही है। सभी ग्रामवासियो के घर के सभी सदस्यों को नेत्र जाँच कि सुविधा प्राप्त हों रही है उन्होंने बताया आज 25 वां निवारणीय अंधता मुक्त ग्राम घोषित करने में ग्राम वासियो के सहयोग कों नाकारा नहीं जा सकता। संस्था के वरिष्ठ समन्वयक समीर अली ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्य पर प्रकाश डाला।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पवन कुमार अमित, चांदनी, आकाश लल्लूराम, पारुल, जय कुमार, दीपेंद्र, आदि का सहयोग रहा।

02 अभियुक्तों को सट्टे के नकदी, 03 मोबाइल सहित किया गिरफ्तार

शाहजहाँपुर ।पुलिस अधीक्षक ने चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी तिलहर के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक तिलहर के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान रोकथाम जुर्म जरायम अपराध, बरामदगी अवैध शराब, शस्त्र, मादक पदार्थ एंव चोरी, लूट, डकैती, गौ तस्कर, जिला बदर व वांछित/वारण्टी अपराधी की गिरफ्तारी के क्रम में थाना तिलहर पुलिस टीम को मिली बडी कामयाबी। थाना तिलहर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर सट्टा खेल रहे अभियुक्तगण निहाल पुत्र मो0 सलीम नि0मो0 नितगंजा कस्बा व थाना तिलहर जनपद शाहजहाँपुर व वसीम पुत्र सद्दीक नि0मो0 बहादुरगंज कस्बा व थाना तिलहर जनपद शाहजहाँपुर को 03 अदद मोबाइल तथा कुल 35510 रूपये आदि सहित पुराना बस अड्डा कस्बा तिलहर से समय करीब 21.50 बजे गिरफ्तार किया गया जिसके सम्बन्ध में थाना तिलहर पर मु0अ0सं0 186/25 धारा 13 त्न अधिनियम (सट्टा) पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लाई गयी।

जिलाधिकारी का ग्रामीणों से सीधा संवाद, बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

निघासन, लखीमपुर खीरी। जिले में निघासन तहसील के अंतर्गत लुधौरी क्षेत्र में घाघी नाले के बंधे के टूटने से आई बाढ़ की गंभीर स्थिति के मद्देनजर बुधवार को जिलाधिकारी महोदय ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।इस निरीक्षण में उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी निघासन, खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सहित जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रभावित गांवों का भ्रमण कर बाढ़ से हुई क्षति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत सामग्री, शुद्ध पेयजल, खाद्य पैकेट, दवाइयाँ और अस्थायी निवास की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने किया ग्रामीणों से सीधा संवाद

जिलाधिकारी ने मौके पर ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान करेगा और इस कठिन समय में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग और संबंधित तकनीकी अधिकारियों को निर्देश दिए कि बंधे की मरम्मत कार्य को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी आपदा की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने बाढ़ के संभावित खतरों से निपटने के लिए एक स्थायी कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान भाजपा के प्रदेश संयोजक राजा राजेश्वर सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और उन्हें भरोसा दिलाया कि भाजपा कार्यकर्ता और सरकार दोनों उनकी हर जरूरत में साथ हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राहत कार्यों में पूरी निष्ठा और तत्परता दिखाई जा रही है।

प्रशासन की तत्परता से बढ़ा ग्रामीणो का विश्वास- जिलाधिकारी की सक्रियता और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से प्रभावित ग्रामीणों में भरोसा जगा है। प्रशासन की ओर से राहत शिविरों की स्थापना, चिकित्सा दलों की तैनाती, पशुधन की देखभाल व स्वच्छता अभियान जैसी पहलें तुरंत शुरू कर दी गई हैं।

डी एम दुर्गा शक्ति नागपाल ने घाघी नाले का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

निघासन-खीरी। निघासन तहसील के अंतर्गत लुधौरी क्षेत्र में घाघी नाले के बंधे के टूटने से आई बाढ़ की गंभीर स्थिति के मद्देनजर बुधवार को जिलाधिकारी महोदया ने प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उनके साथ मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ)अभिषेक कुमार, पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा, उपजिलाधिकारी राजीव निगम, क्षेत्राधिकारी निघासन महक शर्मा, खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) जयेश सिंह सहित जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रभावित गांवों का भ्रमण कर बाढ़ से हुई क्षति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावित परिवारों को तुरंत राहत सामग्री, शुद्ध पेयजल, खाद्य पैकेट, दवाइयाँ और अस्थायी निवास की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने मौके पर ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने प्रभावित परिवारों को आश्वस्त किया कि प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान करेगा और इस कठिन समय में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग और संबंधित तकनीकी अधिकारियों को निर्देश दिए कि बंधे की मरम्मत कार्य को शीघ्राति शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी आपदा की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने बाढ़ के संभावित खतरों से निपटने के लिए एक स्थायी कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान भाजपा के प्रदेश संयोजक राजा राजेश्वर सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और उन्हें भरोसा दिलाया कि भाजपा कार्यकर्ता और सरकार दोनों उनकी हर जरूरत में साथ हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राहत कार्यों में पूरी निष्ठा और तत्परता दिखाई जा रही है।

आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए नगर आयुक्त ने निकाला कैंडल मार्च

शाहजहांपुर / 22 अप्रेल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए नगर निगम, शाहजहांपुर द्वारा बृहस्पतिवार को टाउन हॉल स्थित शहीद पार्क में कैंडल मार्च निकाल कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की जिसमें महापौर अर्चना वर्मा, नगर आयुक्त डॉ0 बिपिन कुमार मिश्र, व समस्त पार्षदगण, अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, संयुक्त नगर आयुक्त संगीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त राज कुमार गुप्ता, मो0 अनवर हुसैन, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारीगण व नगर निगम के कर्मचारियों उपस्थित रहे इस दौरान आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई व 02 मिनट मौन रहकर पुण्य आत्माओं की शांति के लिए ईस्वर से प्रार्थना की गई तथा आतंकी हमले में शहीद व्यक्तियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की गई और इस कृत्य की घोर निंदा की गई।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में अभाविप ने पाकिस्तान का फूका पुतला

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। अभाविप गोला के कार्यकर्ताओं द्वारा नानक पुलिस चौकी निकट जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में आतंकवाद और पाकिस्तान मुरदाबाद नारा लगाते हुए पाकिस्तान का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया गया।इस विरोध प्रदर्शन में इकाई के कार्यकर्ता नगर सहमंत्री हर्षभारद्वाज, राज प्रताप सिंह प्रशांतगुप्ता अक्षत पांडे इकाई उपाध्यक्ष, साधक राज इकाई मंत्री, रिशु मिश्रा, साहिल तिवारी, अरविंद सिंह, तौफीक अली, सुमित, विपिन राज, सुमित अंश अवस्थी, दीपांशु, सिंह सचिन मिश्रा, अभिनव यादव गोला नगर सोशल मीडिया संयोजक अनिकेत कश्यप मौजूद रहे।

किसान गोष्ठी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर याद किए गए अंबेडकर

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/विकासखंड भदपुरा के सभागार में आयोजित किसान गोष्ठी एवं राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को याद किया गया और उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए लोगों ने उनके बताए रास्ते पर चलने की अपील की गई इसी दौरान कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेती करने के टिप्स दिए गए जिसमें कृषि रक्षा इकाई प्रभारी भानु प्रताप ने कीटनाशक दवाइयां के गोदाम पर होने की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन चरित्र पर विस्तृत चर्चा की गई इस मौके पर खंड विकास अधिकारी कमल सिंह चौहान सहायक खंड विकास अधिकारी पंचायत रणजीत सिंह राजकीय कृषि बीज भंडार प्रभारी नरेंद्र गंगवार पी पी एस भानु प्रताप अंगद बी टी एम श्यामलाल मौर्य ने फार्मर रजिस्ट्री की जानकारी दी इस अवसर पर सुंदरलाल गजेंद्र पाल वीरेंद्र मौर्य भानु प्रताप अरविंद कुमार सत्येंद्र पाल वीरपाल गौतम वीरेंद्र मौर्य सत्येंद्र पाल हरिद्वारी लाल।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां तेज डीएम एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा दिए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी, 24 अप्रैल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जनपद भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन सतर्क और सक्रिय मोड में आ गया है। इसी क्रम में गुरुवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल एवं एसपी संकल्प शर्मा ने दौरे से जुड़ी तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया।डीएम-एसपी ने प्रस्तावित हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल, रूट प्लान और यातायात प्रबंधन से जुड़े प्रत्येक बिंदु की बारीकी से समीक्षा की। मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए कि सुरक्षा, सुविधा और समयबद्धता में कोई भी कमी न रह जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और समय रहते सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें। उन्होंने विशेष रूप से आमजन की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक डायवर्जन प्लान को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। एसपी संकल्प शर्मा ने रूट सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था और कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की और जरूरी निर्देश दिए।

डीएम और एसपी ने मोटर बोट से किया ड्रेजिंग साइट का निरीक्षण- लखीमपुर खीरी, 24 अप्रैल। जिले में चल रहे महत्वपूर्ण ड्रेजिंग कार्य की प्रगति और गुणवत्ता को परखने के लिए गुरुवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने शारदा नदी में ड्रेजिंग कार्य का निरीक्षण मोटर बोट से किया।निरीक्षण के दौरान डीएम ने साइट पर मौजूद तकनीकी टीम से ड्रेजिंग की प्रगति, गहराई मापन, मशीनरी की दक्षता की

समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कार्य नियमानुसार, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पूरा हो। इस दौरान एसडीएम रत्नाकर मिश्रा, सीओ यादवेंद्र, अधिशासी अभियंता (बाढ़ खंड) अजय कुमार, अधिशासी अभियंता (शारदा खंड)शोभित कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

तिलहर पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार,तमंचा सहित कारतूस बरामद

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक ने जनपद मे चलाये जा रहे अभियान के दौरान श्रीमती भाँवरे दीक्षा अरुण अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण एवं ज्योति यादव क्षेत्राधिकारी तिलहर के निर्देशन तथा राकेश कुमार प्रभारी निरीक्षक कोतवाली तिलहर के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान रोकथाम जुर्म जरायम अपराध, बरामदगी अवैध शराब, शस्त्र, मादक पदार्थ एंव चोरी, लूट, डकैती, गौ तस्कर,जिला बदर व वांछित/वारण्टी अपराधी की गिरफ्तारी के क्रम मे प्र0नि0 राकेश कुमार द्वारा अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न पुलिस टीमें गठित की गई तथा गठित पुलिस टीम द्वारा मुखविर खास की सूचना पर अभियुक्त शिशुपाल उर्फ नन्दी पुत्र ओमकार निवासी ग्राम शिवदासपुर थाना तिलहर जनपद शाहजहांपुर को एक तमंचा 315 बोर व 02 कारतूस जिंदा 315 बोर के साथ शिवदासपुर जाने वाले पक्के रास्ते के मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया जिसके सम्बन्ध में थाना तिलहर पर मु0अ0सं0 187/25 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया है।

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च और सरकार की नाकामी को उजागर कर किया विरोध

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी- पहलगाम(कश्मीर) में 22 अप्रैल को हुए हमले जिसमें आतंकवादियों ने एक जघन्य अपराध को अंजाम देते हुए सैलानियों की निर्मम हत्या की और 27 से ज्यादा भारतीय शहीद हो गए,इस जघन्य आतंकवादी हमले में सरकार और खुफिया एजेंसियों की बड़ी नाकामी उजागर हुई है।इस हमले के प्रति शोक संवेदना में और इस सरकारी नाकामी के विरोध में ज़िला युवा कांग्रेस ने 23 अप्रैल शाम 7 बजे से कैंडल मार्च निकाल कर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी और लखीमपुर खीरी स्थित शहीद स्मारक चौक पर मार्च का समापन किया।इस दौरान मीडिया से वार्ता करते हुए युवा कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष नवाज़ ख़ान जी ने कहा "22 अप्रैल को जो जघन्य आतंकवादी घटना हुई उसकी हम कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आक्रोशित हैं और सरकार से सवाल करते हैं कि जल्द से जल्द इस नरसंहार को अंजाम देने वाले इन इंसानियत के दुश्मनों को कठोरतम

सजा दी जाए और इस चूक की जवाबदेही तय की जाए यही इन शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी" इस दौरान युवा कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष नवाज़ ख़ान, ज़िला उपाध्यक्ष रवि तिवारी, जिला उपाध्यक्ष संजय गोस्वामी, प्रदेश महासचिव अंजुम उस्मानी, जिला उपाध्यक्ष मेराज अली खान, रवि गोस्वामी, शराफत अली, अकीलअहमद, सर्वर, आशुतोष, ऋतिक, मोनू, चंद्रपाल, आसिफ, रेहान, अजय, आलोक, सदाकत, सोनू, अनंत, रोहित, आशीष, अटल, वीरेंद्र, शुभम, तरुण, अभिजीत, राहुल और लगभग 10 अन्य साथी उपस्थित रहे।

चोरी की घटना का खुलासा नहीं करती पुलिस

- **बोले कोतवाल क्या गन्ना चोरी भी खोलेगी पुलिस**

पुलिस की उदासीनता से तमाम जगहों से गायब हो चुका है सीसीटीवी फुटेज से डाटा

स्वतंत्र प्रभात

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। कोतवाली पुलिस ने उच्च अधिकारियों के आदेश पर गन्ना चोरी की रिपोर्ट तो दर्ज कर ली, पर अब उसके खुलासे के लिए घोर उदासीनता बरती जा रही है. जिस कारण सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्ड भी गायब होते जा रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपालापुर से 25 दिन पूर्व एक किसान के खेत से लगभग 40 क्विंटल गन्ना बीज चोरी हो गया था। जिसकी तहरीर पुलिस को दी गई, पर अपराध अल्पिकरण में जुटी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। रोज व्यस्तता का बहाना बनाया जाता रहा। जब उच्च अधिकारियों शिकायत की तो 18 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की थी। अब घटना के खुलासे के लिए पुलिस कोई दिलचस्पी नहीं दिख रही है। क्षेत्र के ग्राम अलीगंज निवासी शिव प्रसाद वर्मा के बेटे सचिन वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि उसका खेत ग्राम गोपालापुर में है। 27 मार्च की रात उसने अपने खेत के पास नहर किनारे गन्ने का बीज एकत्र कर रखा था, जिसे वह अगली सुबह बोने की योजना में था।सुबह जब खेत पर पहुंचा तो बीज गायब मिला।आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर भी कुछ पता नहीं चला।जब कोई सुराग नही लगा तो अलीगंज समेत गोला तक सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें रात के समय एक ट्रैक्टर डनलप से गन्ना ले जाते दिखाई दे रहा है। जिनकी तहरीर अलीगंज चौकी पुलिस को देकर अलीगंज से लेकर गोला तक के कई सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को दिए।जिसमें ट्रैक्टर डनलप गन्ना समेत दिख रहा है।जब कोई ध्यान नहीं दिया गया तो कोतवाल चंद्रशेखर से कार्यवाही की गुहार लगाई गई। बताते हैं कि कोतवाल चंद्रशेखर सिंह ने पुलिस की व्यस्तता बता कर 17 दिन यूं ही गुजार दिए। तब तक कई दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज के डाटा भी गायब हो गए। जब 17अप्रैल को उच्च अधिकारियों से शिकायत की तो रिपोर्ट दर्ज की गई।पीड़ित ने पुलिस से घटना का जल्द खुलासा कर नुकसान की भरपाई की मांग की है। क्षेत्र में किसानों में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।

वर्जन- कोतवाल चंद्रशेखर सिंह का कहना है कि क्या पुलिस अब गन्ना चोरी का भी खुलासा करेगी

गंगा एक्सप्रेस-वे पर फाइटर प्लेन उतारने की तैयारियां जोरों पर

स्वतंत्र प्रभात

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेस-वे पर नवनिर्मित हवाई पट्टी पर वायु सेना दो और तीन मई को आपातकालीन लड़ाकू विमान लैंडिंग की संभावना तलाशने के लिए पूर्वाभ्यास करेगी।इसको लेकर वायु सेना और प्रशासन के अधिकारी लगातार स्थलीय निरीक्षण के जरिये तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। 26 अप्रैल तक हवाई पट्टी से जुड़े सभी कार्य पूरा करने के निर्देश निर्माण कंपनी को दिए गए हैं ताकि 27 अप्रैल से वायु सेना पांच किलोमीटर के इस क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेकर लैंडिंग से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ा सके।बीते सोमवार को वायु सेना के एरिया विंग कमांडर एम. गंगोला सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया था।निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर गांव चमरपुर कलां से खंडहर गांव के बीच पांच किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी का निर्माण किया गया है।इसमें साढ़े तीन किलोमीटर का रनवे शामिल है,36 मीटर चौड़ाई की इस हवाई पट्टी को सीमेंट और कंक्रीट से तैयार किया गया है।इस क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर दस-दस फुट अतिरिक्त जमीन अधिग्रहित की गई है। 11 अप्रैल को भी वायु सेना के अधिकारियों ने यहां निरीक्षण किया था।वायु सेना के अधिकारियों ने विमान उतारने का परीक्षण करने से पहले हवाई पट्टी के दोनों ओर फेंसिंग कराने, सफाई और अन्य कई तकनीकी कार्य कराने के निर्माण कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए थे।वायु सेना के कमांडिंग ऑफिसर बीते सोमवार को इन कार्यों की प्रगति जानने के लिए दोबारा पहुंचे थे। बता दें कि शाहजहांपुर जिले में गंगा एक्सप्रेस-वे 44 गांवों से होकर गुजर रहा है।गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण राजस्थान की कंपनी एचडी इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड करा रही है।इसकी लंबाई करीब 42 किलोमीटर है।अधिकतर स्थानों पर एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

संक्षिप्त खबरें

अदलपुरा शीतला धाम में डूबे दोनों युवकों का लाश पुलिस को उतराया मिला

सीखड़ , मीरजापुर । विकास खण्ड अन्तर्गत अदलपुरा शीतला धाम में बुधवार को साथियों के साथ स्नान करने आयें युवकों में स्नान करते समय गहरे पानी में चलें जाने से राज शर्मा 15 वर्ष पुत्र पंकज शर्मा व विशाल मौर्य 15 वर्ष पुत्र श्रीनाथ मौर्य निवासी गंगापुर बडी बारी सूई चक थाना रोहनिया जनपद वाराणसी की डूबने से मौत हो गई थी। बुधवार को दोपहर बाद से देर रात तक चुनार पुलिस स्थानीय गोताखोरों एवं एस डी आर एफ की मदद से लाश तलाश कराती रही किन्तु लाश का पता नहीं लगा। घटना के दुसरे दिन गुरुवार को भी चुनार पुलिस व एस डी आर एफ की टीम पुरे दिन डूबे युवकों की लाश की तलाश करती रहीं परन्तु शव नहीं मिला। पर एकाएक डूबे दोनों नाबालिग युवकों की शव अदलपुरा शीतला धाम घाट पर पुलिस को उतराया मिला।अदलपुरा चौकी इंचार्ज सुरेश सिंह ने बताया की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट कराने हेतु मीरजापुर भेज दी है।

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस मनाया गया

सीखड़, मीरजापुर। पंचायती राज उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार 24अप्रैल को प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत लालपुर में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अरुण कुमार मिश्र की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सदस्यों से ग्राम पंचायत में स्वच्छता संबंधित चर्चा की गई। बैठक में स्वच्छ सुजल गांव बनाने के लिए शपथ लिया गया। ग्राम सभा की बैठक में आशा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया । उनके द्वारा बैठक में स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा के मध्य अन्तर संबंधों पर चर्चा किया गया। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान अजय कुमार यादव, ग्राम सचिव उमेश यादव, कोटेदार रूपनारायण सिंह, सफाई कर्मी सबिता देवी, धनेश मिश्रा, राजकुमार, आंगनबाड़ी कार्यकत्री स्नेहलता पांडेय, लालमनि देवी, आशा सुशीला देवी साधना सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण जनता उपस्थित रही।

विहिप का प्रदर्शन 25 को

चुनार, मीरजापुर। पहलगाम में आतंकियों द्वारा हिंदुओं की हत्या के विरोध में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्र व्यापी विरोध प्रदर्शन के सूचना के आधार पर 25 अप्रैल को तहसील चुनार पहुंचकर प्रदर्शन के बाद आतंकवाद का पुतला दहन किया जायेगा। इस सम्बन्ध में विहिप कार्यकर्ताओं ने विहिप जिलाध्यक्ष का उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन बृहस्पतिवार को नायब तहसीलदार को सौंपा। इस दौरान नगर उपाध्यक्ष जगदीश गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष नरायन राठी, मनीष राय आदि मौजूद रहे।

31 गोवंश बरामद, एक शातिर गो-तस्कर गिरफ्तार

हलिया मिर्जापुर। लालगंज पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ट्रक कन्टेनर में क्रूरता पूर्वक लादकर वध हेतु ले जाए जा रहे 31 राशि गोवंशों को बरामद किया है। इस दौरान एक शातिर गो-तस्कर समीर पुत्र शब्बीर निवासी गोविन्दपुर थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देश पर जनपद में गो-तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना लालगंज पुलिस टीम ने अतरैला-नैड़ी कठारी मोड़ से ट्रक कन्टेनर को रोककर जांच की, जिसमें 31 राशि गोवंशों को क्रूरता पूर्वक लादकर वध हेतु ले जाया जा रहा था। पुलिस टीम ने मौके से एक अदद नाजायज चाकू बरामद किया और ट्रक कन्टेनर को कब्जे में ले लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना लालगंज पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन ओपी सिंह और क्षेत्राधिकारी लालगंज अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना लालगंज पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है। पुलिस आगे भी गो-तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाती रहेगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

चुनार, मिर्जापुर। चुनार कोतवाली के गंगेश्वर नाथ मोहल्ले के 27 वर्षीय रोहित साहनी पुत्र कैलाश साहनी ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। रोहित के छोटे भाई संदीप ने बताया कि बुधवार रात करीब 10 बजे मेरा भाई खाना खाकर अपने कमरे में चला गया।रात में किसी समय उसने घर की सीढ़ी पर लगे लोहे के गाडर में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार को सुबह 7 बजे जागने पर इस घटना का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही चुनार कोतवाल रविंद्र भूषण मौर्य, कस्बा चौकी इंचार्ज उदय नारायण मौर्य और हेड कॉन्स्टेबल इंद्रबली राय मौके पर पहुंचे।

नवागत जिलाधिकारी ने पदभार ग्रहण कर जनपद के चौमुखी विकास के प्रति जताई अपनी प्रतिबद्धता

●विकास के नये क्षितिज पर पहुॅचेगा कालीन नगरी-जिलाधिकारी शैलेश कुमार

शासन की योजनाओं का लाभ अन्त्योदय वर्ग तक पहुॅचाना सर्वोच्च प्राथमिकता-नवागत जिलाधिकारी

सभी विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा में होगें पूर्ण-शैलेश कुमार

स्वतंत्र प्रभात

भदोही :- नवागत जिलाधिकारी शैलेश कुमार ने अपरान्ह 03 बजे कलेक्टेªट स्थित जिला कोषागार पहुॅचकर अपना कार्यभार ग्रहण किया। 2016 बैच के आईएएस अधिकारी नवागत जिलाधिकारी शैलेश कुमार इससे पूर्व जनपद मुरादाबाद में उपाध्यक्ष, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण एवं सम्भागीय खाद्य नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे। जिला कोषागार में कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त उन्होंने जरूरी अभिलेखों पर हस्ताक्षर किया। तत्पश्चात् कलेक्टेªट परिसर का भ्रमण कर स्थिति सभी कार्यालयों में जाकर सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों से मिलकर उनसे कार्यो के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिया। नवागत जिलाधिकारी शैलेश कुमार ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कहा कि शासन के निर्देशों का पालन करते हुए आम जनमानस को दी जा रही सुविधाएं लाभार्थियों तक शत्-प्रतिशत पहुॅचाना प्राथमिकता रहेगी, साथ ही जनपद में हो रहे विकास कार्यो को गति के साथ पूर्ण कराया जायेगा। उन्होंने रेवेन्यू कोर्ट में वादों के शीघ्र निस्तारण, निर्माण कार्य परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से समय-सीमा में पूर्ण करना, जनता की अपेक्षाओं के अनरूप शासन प्रशासन की सेवाओं को समय-सीमा में उपलब्ध कराने पर बल दिया। जनपद के सभी लोगों के समन्वय से शासन की नीतियों का धरातल पर क्रियान्वित किया जायेगा, जिससे अन्त्योदय वर्ग भी जनकल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित हो सके। उन्होने सबका साथ, सबका विकास की मूल भावना पर कार्य करते हुए सभी के सहयोग, समन्वय व सुझाव पर बल दिया। उन्होंने जनता जनार्दन, अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, जनपद के विकासात्मक आंकाक्षाओं पर शत्-प्रतिशत पूर्ण करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

नवागत जिलाधिकारी शैलेश कुमार ने एचबीटीयू कानपुर से मैकेनिकल इन्जीनियरिंग से बीटेक किया है। पढ़ाई के बाद इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन में अधिकारी, यूपीएससी 2014 बैच में भारतीय राजस्व सेवा, 2016 बैच में भारतीय प्रशासनिक सेवा आईएएस में चयनित हुए थे। उन्होंने बांदा व कन्नौज में ज्वाईट मजिस्टेªट, झांसी में मुख्य विकास अधिकारी, मुरादाबाद में उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के पद पर कार्यरत सहित पिछले 16 वर्षो से शासकीय सेवाएं दे रहे है। कलेक्टेªट स्थित सभी कार्यालयों के भ्रमण के दौरान और अधिक साफ-सफाई सहित रंगाई-पुताई, विद्युत प्रकाश की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि फाईलो व प्रपत्रों का रख-रखाव सुव्यवस्थित करें तथा समय-सीमा के अन्दर जनता को प्रशासन की सेवाओं की सर्विस डिलिवरी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शिवनारायण सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकान्त द्विवेदी, मुख्य कोषाधिकारी बृजेश सिंह, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर शिवप्रकाश यादव, श्याममणि त्रिपाठी, भदोही अरूण गिरि, भानसिंह व अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नई दिशा भविष्य की ओर पहला कदम

स्वतंत्र प्रभात

अमर उजाला फाउंडेशन द्वारा वुडवर्ड पब्लिक स्कूल भदोही में आयोजित "नई दिशा भविष्य की ओर पहला कदम" कार्यक्रम में श्री अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा छात्र-छात्राओं को किया गया सम्बोधित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण सीख देना कि भविष्य की सफलता केवल परीक्षा के अंकों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि जीवन में सही दृष्टिकोण, अथक मेहनत और अटूट आत्मविश्वास का महत्वपूर्ण योगदान होता है आज दिनांक 24.04.2025 को वुडवर्ड पब्लिक स्कूल में अमर उजाला की ओर से प्रेरणादायक कार्यक्रम 'नई दिशा भविष्य की ओर पहला कदम 'का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण सीख देना कि भविष्य की सफलता केवल परीक्षा के अंकों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि जीवन में सही दृष्टिकोण, अथक मेहनत और अटूट आत्मविश्वास का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अभिमन्यु मांगलिकपुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा छात्रों को अपनी मेहनत और काबिलियत पर विश्वास करने की सीख दिया गया । साथ ही यह भी बताए कि जीवन में कई ऐसे पड़ाव आते हैं, जब आपको फैसला करना होता है कि क्या सहीं और क्या गलत। इस परिस्थिति में आपको खुद की काबिलियत को ध्यान में रखकर अपने हित में फैसला करना चाहिए। सोशल मीडिया का प्रयोग बेहद सावधानी से करने की सलाह दी गई । कम नंबर आना या फिर पहले प्रयास में सफल न हो पाना, केवल एक प्रक्रिया है। अपने ऊपर विश्वास रखे। जिससे आपको उस परिस्थिति से बाहर निकलने में मदद मिले तथा छात्र छात्राओं के पूछे सवालों का जवाब दिया गया ।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से पूरा देश आक्रोषित

स्वतंत्र प्रभात

मंगलवार को आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए 28 लोगों की हत्या कर दी थी, इस कार्यतापूर्ण हमले को लेकर देश भर में आतंकवाद के खिलाफ लोगों में गुस्सा है गुरुवार को नई बाजार में बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेस जनों ने मोमबत्ती जलाकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति की कामना की इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी ने कहा कि सरकार हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें. निवर्तमान नगर अध्यक्ष शमशीर अहमद व जिला महासचिव सुबुक तगीन अंसारी जी ने कहा कि यह कायराना हमला केवल निर्दोष लोगों पर नहीं बल्कि हमारे देश की संस्कृति शांति और मानवता की मूल्य पर भी हमला है जिसका जवाब देना जरूरी है. निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष राजेश्वर दुबे जी व वरिष्ठ नेता त्रिलोकी नाथ बिन्द जी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारा देश एकजुट है आतंकवादियों की जम्मू कश्मीर समेत देश को

अशांत करने की कोई भी साजिश कामयाब नहीं होने देंग कांग्रेस जनों ने मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड रुपए का मुआवजा देने की मांग की है इस अवसर पर मुख्य रूप से शिवपूजन मिश्रा, संतोष कुमार धोबी मृत्युंजय सिंह टोनी, सुरेश चौहान राजेश यादव, संजय पांडेय, असद अंसारी, सरफ़राज़ अहमद, आज़ाद हुसैन, असलम हाशमी,मोनिश अंसारी, अनीश शेख, शाहनवाज अंसारी, नफीस अंसारी, सैफुद्दीन नूर आलम साहिल अंसारी अंसारी तौफीक अंसारी, शमीम अंसारी तौसीफ रययान अंसारी, सरवर अंसारी, फैज़ान, समीर, अफ़ज़ाल अंसारी, अरशद शेख, रमेश कुमार, वैश हाशमी, अनीश हासमी, इब्राहिम, रेहान हाशमी, जीशन, तौसीफ हाशमी, अर्श अंसारी इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

पहलगाम आतंकी हमले की बिल्ली मारकुंडी क्रेशर एसोसिएशन ने की कड़ी निंदा, शोकसभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

ओबरा- जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में बीते मंगलवार को हुए बर्बर आतंकी हमले की बिल्ली मारकुंडी क्रेशर एसोसिएशन ने कड़ी शब्दों में निंदा की है। एसोसिएशन ने इस हमले को नृशंस और अत्यंत दुखद बताते हुए इसे देश की एकता और अखंडता पर एक दुस्साहसिक हमला करार दिया है। यूनियन के सचिव अभिषेक सिंह 'पिंकू 'ने इस हृदयविदारक घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए यूनियन भवन में एक शोकसभा का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में खनन व्यवसायी और यूनियन के सदस्य शामिल हुए। श्री सिंह ने कहा कि पहलगाम में हुए इस भीषण आतंकी हमले के बाद पूरे देश में शोक की लहर व्याप्त है। वरिष्ठ खनन व्यवसायी प्रद्युम्न सिंह ÷मुन्ना÷ ने इस कायराना हमले की तीव्र भर्तसना करते हुए मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना

व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ÷यह हमला न केवल निर्दोष पर्यटकों पर किया गया है, बल्कि यह देश की एकता और अखंडता पर भी एक घिनौना हमला है। आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है और ऐसे कायरतापूर्ण हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए। यूनियन के उपाध्यक्ष मिथिलेश अग्रहरि ने केंद्र सरकार से पुरजोर मांग की कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर सख्त से सख्त सजा दी जाए। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुख की घड़ी न केवल पीड़ित परिवारों बल्कि पूरे देश के लिए है, और हम सभी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ और कठोर कदम उठाने का आह्वान किया, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। शोकसभा में अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए खनन व्यवसायी अंजनी केशरी ने कहा कि पहलगाम में हुआ यह आतंकी हमला एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाला है। उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और इस चुनौती का मिलकर मुकाबला करेगा। युवा खनन व्यवसायी निशु गर्ग ने इस हमले को देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करने का दुस्साहस बताया। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों और संस्थाओं को अपने आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर इस घृणित कृत्य की कड़ी निंदा करनी चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मुन्ना राय, संगठन मंत्री धर्मराज उपाध्याय, आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पहाड़ धंसने से तीन मजदूर घायल

चित्रकूट - खनन के दौरान पहाड़ धंसने से तीन पोकलैंड मशीन व एक डंफर दब गए। साथ ही मलबे की चपेट में आने से तीन मजदूर भी घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गोंडा गांव के पहाड़ में खनन का कार्य चल रहा था। इस दौरान अचानक पहाड़ ढहने से तीन पोकलैंड मशीन व एक डंफर दब गए। साथ ही मौके पर मौजूद तीन सोनभद्र जिले के मकरी गांव के निवासी शिव कुमार साहू, भरतकूप के भारतपुर दगदई निवासी नवल किशोर उर्फछोटू व बांदा के भमोरी निवासी सुदामा मलबे की चपेट में आने के कारण चुटहिल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्साल पहुंचाया गया। साथ ही जेसीबी से मलबा हटवाया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी उमेश चन्द्र निगम, खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह व भरतकूप थाना प्रभारी मनोज कुमार घटना स्थल पर पहुंच गए। इस सम्बन्ध में जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। खनन स्थल का पट्टा था।

जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज में पेयजल समस्या के समाधान हेतु कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र- जिलाधिकारी बी.एन. सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में रोगी कल्याण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज में व्याप्त पेयजल की समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज को निर्देशित किया कि वे जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता, नगर पालिका परिषद राबर्ट्सगंज सोनभद्र के अधिशासी अधिकारी और राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर की एक संयुक्त टीम गठित करें। यह संयुक्त टीम मेडिकल कॉलेज में पेयजल की समस्या के स्थायी समाधान हेतु एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करेगी, जिससे मरीजों और कर्मचारियों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा

सके। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने रोगी कल्याण समिति में पिछले दो वर्षों में प्राप्त हुई धनराशि का ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए, ताकि वित्तीय पारदर्शिता बनी रहे। बैठक के दौरान, प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज ने जिला संयुक्त चिकित्सालय की डिजिटल एक्स-रे मशीन के खराब होने और ऑक्सीजन प्लांट के चालू न होने जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल एक्स-रे मशीन और ऑक्सीजन प्लांट की मरम्मत का कार्य रोगी कल्याण समिति के बजट से प्राथमिकता के आधार पर अतिशीघ्र कराया जाए, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। जिलाधिकारी ने रोगी कल्याण समिति के बजट से जिला संयुक्त चिकित्सालय के गेट के पास मरीजों और उनके परिजनों के बैठने के लिए फाइबर से कवर करने और वाहनों की पार्किंग के लिए उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला संयुक्त चिकित्सालय के मुख्य गेट से अस्पताल परिसर में जाने वाली सड़क की मरम्मत के लिए भी कार्ययोजना बनाने के लिए कहा, जिससे आवागमन सुगम हो सके। बैठक में प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज सुरेश सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार, सी.एम.एस. डॉ. बी. सागर, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, रोगी कल्याण समिति के सदस्य और अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा दिए गए इन निर्देशों से उम्मीद है कि मेडिकल कॉलेज और जिला संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों और कर्मचारियों को जल्द ही बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

सफल 9 वां रक्तदान करके निभाया मानवता का कर्त्तव्य

मीरजापुर। रक्तदान के प्रति अपनी सजगता प्रबल करते हुए रक्तवीर साथी आशुतोष श्रीवास्तव जी ने रक्तदान की सहमति स्वंय से जताई और सफल 9 वां रक्तदान करके निभाया मानवता का कर्त्तव्य , जिसके लिए आपकी जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी । आपने अपने साथ अपने जीवनसँगनी को भी रक्तदान के लिए मोटिवेट किया और उनका पहला रक्तदान करवाके रक्तविरांगना की उपाधि दिलाई । विन्ध्य फाउण्डेशन ट्रस्ट आप दोनों को सफल रक्तदान की ढेरों बधाई देती है एवं आप दोनों को "सेवा - संगम "अवार्ड से सम्मानित कर गौरवांवित हो रही है । आपके इस कपल रक्तदान से समाज मे प्रेरणादायक संदेश जाएगा ।

नवागत जिलाधिकारी अमेठी से मुलाकात कर संस्था प्रबंधक ने श्री राधाकृष्ण प्रतिमा भेंटकर दी शुभकामनाएं

स्वतंत्र प्रभात

गौरीगंज अमेठी। संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक विकासखंड शुकुलबाजार अमेठी अन्तर्गत गांव भटमऊ निवासी समाजसेवी पी के तिवारी जो कि सामाजिक कार्यो के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों मे अपनी निस्वार्थ भावना एवं कुशल कार्यशैली तथा लोगों के मार्गदर्शन,उत्साहवर्धन एवं सहयोग से उत्कृष्ट योगदान देते रहते हैं जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग उन्हे सम्मानित दृष्टि से देखता है तथा उनके नेतृत्व मे संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यो को पुनीत कार्य बताते हुए उनका प्रोत्साहन करता रहता है जिसे संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी अपना परम सौभाग्य समझते हैं वहीं संस्था प्रबंधक

समाजसेवी पी के तिवारी ने कार्यालय जिलाधिकारी अमेठी पहुंचकर नवागत जिलाधिकारी संजय चौहान से मुलाकात कर बतौर संस्था प्रबंधक श्री राधाकृष्ण प्रतिमा भेंटकर शुभकामनाएं दी और संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यो से अवगत कराया वहीं जिलाधिकारी संजय चौहान ने संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यो की सराहना की और संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी का उत्साहवर्धन किया।

सर्व समाज के लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर आतंकी हमले में मृतक आत्माओं को दी श्रद्धांजलि

●भारी संख्या में लोगों ने अंबेडकर चौराहे पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

पाकिस्तान मुर्दाबाद की लगे नारे आतंकी हमले से पूरे देश में आतंकियों के प्रति भारी आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

शुकुल बाजार अमेठी। जम्मू कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के विरोध में विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों सहित सर्व समाज के लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकियों द्वारा पर्यटकों से धर्म पूछ कर हिंदुओं की निर्मम हत्या की गई, पूरा विश्व समुदाय आतंकियों के इस क्रूर और अत्यंत निंदनीय कृत की निंदा कर रहा है। पूरे विश्व समुदाय में आक्रोश है, अमेरिका सहित विश्व के कई देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके कहा कि आतंकी हमले के खिलाफ हम भारत के साथ हैं। पूरे देश में आतंकियों के खिलाफ भारी आक्रोश है जगह-जगह पर कैंडल मार्च निकालकर आतंकी हमले में मृत आत्माओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। साथ ही साथ पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाकर आतंकी और पाकिस्तान के खिलाफ जनमानस आक्रोश व्यक्त कर रहा है, वहीं केंद्र कि मोदी सरकार आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है प्रधानमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। कैंडल मार्च एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि के दौरान प्रमुख रूप से अभिषेक शुक्ला उर्फ विधायक, प्रधान सतीश मिश्रा, विश्व प्रकाश शुक्ला,प्रधान प्रतिनिधि रविंद्र सिंह, शुभम शुक्ला, उदय नारायण मिश्रा, शंकर बक्स सिंह, पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा, सत्यम शुक्ला, हरकेश तिवारी सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

सोनभद्र में तेज रफ्तार का शिकार हुआ गरीब परिवार का सहारा

लापरवाही की हद बिना इंश्योरेंस और चालान वाली गाड़ी ने ली जान

● नियमों को ताक पर रखने का खौफनाक नतीजा

स्वतंत्र प्रभात

करमा- थाना क्षेत्र में हुए इस हृदयविदारक हादसे ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि यातायात नियमों की अनदेखी कितनी जानलेवा साबित हो सकती है। पगिया गांव के निवासी मुबारक अली, जो अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति थे। एक तेज रफ्तार और गैरजिम्मेदार ड्राइवर की वजह से आज इस दुनिया में नहीं हैं। 21 अप्रैल को जब मुबारक अली अपने नियोक्ता के बेटे के साथ बाइक पर राबर्ट्सगंज जा रहे थे, तभी मधुपुर पुरानी सब्जी मंडी के पास अमित सिंह की मारुति एस क्रॉस (यू पी 60 ए एस 4849) ने उन्हें ज़ोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में भर्ती कराए गए। मुबारक अली की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। लेकिन दो दिन बाद उन्होंने दम तोड़

दिया। मुबारक अली के निधन से उनके तीन छोटे बच्चे, पत्नी और बीमार माता-पिता बेसहारा हो गए। उनके कंधों पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी, और अब उनके जाने से उनके भविष्य पर अंधकार छा गया है।इस घटना का सबसे दुखद पहलू यह है कि जिस गाड़ी से यह हादसा हुआ, वह कानूनी तौर पर सड़क पर चलने के लायक ही नहीं थी। गाड़ी का इंश्योरेंस फेल था और उस पर पहले से चालान भी था। यह दर्शाता है कि वाहन मालिक ने लगातार नियमों का उल्लंघन किया और इसकी परवाह नहीं की कि उसकी लापरवाही किसी की जान भी ले सकती है। अब यह देखना होगा कि स्थानीय प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है। क्या सिर्फ एक एफ आई आर दर्ज करके खानापूर्ति कर दी जाएगी, या फिर वाहन मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी? क्या मृतक के परिवार को न्याय मिलेगा और उन्हें इस अपूरणीय क्षति के लिए उचित मुआवजा दिया जाएगा? यह घटना हम सभी के लिए एक सबक है। यह बताती है कि यातायात नियमों का पालन करना सिर्फ हमारी अपनी सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए भी कितना महत्वपूर्ण है। लाइसेंस बनवाना आसान हो सकता है, लेकिन एक जिम्मेदार नागरिक बनना और नियमों का पालन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।क्या आपको नहीं लगता कि ऐसे लापरवाह लोगों के खिलाफ सख्त कानून बनाने और उनका सख्ती से पालन करवाने की ज़रूरत है। यातायात जागरूकता अभियान चलाकर और जनता को जागरूक करने का काम कर रही है । ताकि लोग यातायात नियमों के महत्व को समझें और सड़क पर चलते समय अधिक सतर्क रहें। यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, हम सभी को मिलकर इस समस्या के खिलाफ आवाज उठानी होगी ताकि भविष्य में किसी और परिवार को मुबारक अली के परिवार जैसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

संक्षिप्त खबरें

कार की चपेट में आने से बाइक सवार दो सगे भाइयों की मौत

प्रयागराज। सरायममरेज थाना क्षेत्र केजंघई के पास तेज रफ्तार की चपेट में आने बाइक सवार भाइयों की मौके पर हो गई। दोनों भाई भतीजी की चौथी लेकर भदोही गए थे। रात में लौटते समय हादसा हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। टक्कर मारने वाली कार की तलाश में पुलिस जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार हंडिया थाना क्षेत्र के महजना धनपुर निवासी ओम प्रकाश सिंह (40) और अजय सिंह (36) सगे भाई हैं। दोनों रविवार को अपनी भतीजी की चौथी लेकर भदोही जिले के दुर्गागंज हरदुआ गांव गए थे। रात में वापस लौटते समय जंघई बाजार से दुर्गागंज की तरफ देवी प्रसाद महाविद्यालय पिलखिनी के पास दुर्गागंज की ओर से आ रही कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जेब से मिले परिचय पत्र के आधार पर दोनों की पहचान कर परिवार वालों को घटना की जानकारी दी।

पहल गांव में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में अधिवक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर फूंका पाकिस्तान का पुतला!

प्रयागराज। जम्मू-कश्मीर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की हत्या के विरोध में गुरुवार को करछना तहसील में अधिवक्ताओं ने हमले में मारे गये सभी पर्यटकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पाकिस्तान का पुतला दहन कर आतंकवादी संगठनों के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए सड़क पर उतर कर आंदोलन करते हुए प्रदर्शन किया। भारत के प्रधानमंत्री एवं देश के रक्षामंत्री से मांग की गई सरकार इस आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब दे और आतंकवादी को जड़ से मिटाने का काम करें कब तक बेगुनाहों की जान की बाजी लगाकर खिलवाड़ होता रहेगा इसे खत्म करना चाहिए! इस मौके पर करछना तहसील के बारे एसोसिएशन अध्यक्ष चिन्ता मणि शुक्ल महामंत्री हंसराज सिंह उपाध्याय अभिषेक सिंह, इंद्रेश शुक्ला के साथ हजारों की संख्या में अधिवक्ता और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे और एस डीएम करछना तपन कुमार मिश्रा के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया और सरकार से मांग की गई की इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और मृतक के परिजनों को सहायता प्रदान की जाय यही उन मृत आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये पर्यटकों को जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज के बच्चों ने दी श्रद्धांजलि

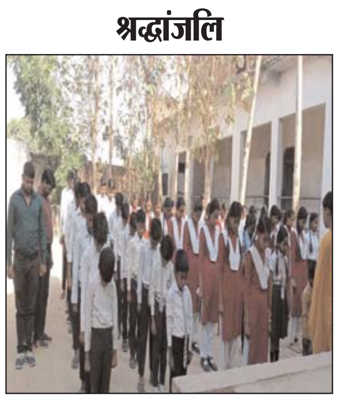

भरवारी, कौशाम्बी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार की देर शाम को हुए बर्बर आतंकवादी हमले में दो दर्जन से अधिक मारे गये निरीह पर्यटकों को जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज, चाकवन चौराहा के बच्चों एवं अध्यापकों ने पांच मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित किया। शोक सभा में विद्यालय के चेयरमैन अंकित सिंह यादव ने आतंकी हमले में पीड़ितो के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुये कहा की यह आतंकवादी हमला चौकानेवाला और दर्दनाक हैं। यह एक नृशंस और आमानवीय कृत हैं। प्रधानाचार्य सत्यनारायण सिंह ने कहा की निर्दोष पर्यटक एवं नागरिकों पर हमला करना बेहद भयावह और अक्षम्य हैं। इस अवसर पर प्रीति सिंह, रिचा सिंह, नीलम सिंह, वैशाली, प्रिया, रंजना, अमिता, अदीबा, अखिलेश, सुबेश, शशिरानी कटियार आदि लोग उपस्थित रहे।

इफको फूलपुर की टीम ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग विधि के बारे में दी जानकारी

● धान की फसल पर छिड़काव ड्रोन से इफको निशुल्क उपलब्ध कराएगी। कुदेशिया

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। इस गर्मी के मौसम में 42 डिग्री तापमान में इफको के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया टीम के साथ गांव गांव जाकर किसानों की चौपाल लगा रहे है जो किसानों के लिए कौतूहल का विषय बन गया है। अब तक बेल्हा बांध जलालपुर भुलाई के पूरा जाफर पुर उर्फ बाबूगंज चांदोपारा कन्नौजा कला तथा आज कनेहटी गांव सभा में चौपाल लगाई गई। जिसमें किसानों को धान की फसल पर नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग विधि के बारे में बताया गया।

टीम ने छिड़काव की विधि, इसकी मात्रा तथा इसके लाभ के बारे में बताया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने किसानों से वार्ता की तथा कहा कि नैनो उर्वरक फसल की पैदावार बढ़ाने में सहायक है अतः इसका अधिक से अधिक प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि अपने जमीन के एक हिस्से में नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी का अवश्य प्रयोग करें तथा अंतर देखे। उन्होने कहा कि आप सभी किसान इसका प्रयोग करें और यदि कोई समस्या हो तो हमारी टीम से सम्पर्क करें, हम तुरंत मदद मुहैया करवायेंगे। उन्होंने इस वर्ष इफको की तरफ से निःशुल्क ड्रोन उपलब्ध कराने की घोषणा की ।नैनो उर्वरक के बारे में जागरूकता अति आवश्यक है।

चौपाल में किसानों ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रति काफी उत्साह दिखाया। इस दौरान ग्राम कनेहटी के ग्राम प्रधान अविनाश कुमार पटेल, हरीश गुप्ता,कोर्डेट प्राचार्य डॉ हरिशचन्द्र, जनसम्पर्क अधिकारी स्वयम् प्रकाश, प्रबंधक प्रशिक्षण अनुराग तिवारी, राजेश सिंह किसान राम मूरत पटेल,शिवम पटेल, तेज प्रताप मौजूद रहे। कार्य क्रम का महत्व इसी से समझा जा सकता है कि इस समय प्लांट में वार्षिक मरम्मत का कार्य भी जोरो पर चल रहा है इसके बावजूद इकाई प्रमुख दोपहर के भोजन अवकाश को छोड़कर सीधे किसानों के चौपाल में जा रहे है और लगभग एक घंटा उनके बीच में नैनो के बारे जानकारी देने के बाद सीधे प्लांट के अंदर पहुंच जाते है।उनके इस मुहिम से पूरे प्लांट के लोग आश्चर्य चकित है क्योंकि ऐसा करते हुए इसके पूर्व किसी इकाई प्रमुख को नहीं देखा गया था।

पहलगाम अटैक को लेकर देश भर के लोगों में भारी आक्रोश..- ओंकार नाथ केसरी

स्वतंत्र प्रभात

कोरांव,प्रयागराज। बीते 2 दिन पूर्व जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष भारतीयों की हत्या से आज समूचा क्षेत्र ही नहीं वरन कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी जगह महिला, पुरुष, नौजवान, वृद्ध सभी के मन में उन आतंकियों के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है और लोगों द्वारा सरकार से सिर्फ एक मांग लगातार की जा रही है कि जल्द से जल्द उन बेगुनाहों भारतीयों की हत्या का प्रतिशोध लिया जाए जो पहलगाम घूमने गए हुए थे।उक्त बातें राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ओंकारनाथ केसरी द्वारा वार्ता के दौरान कही गई। आगे बतलाया कि इस नृशंस आतंकवादियों द्वारा किए गए कृत्य की जितनी निंदा की जाए कम है। आज समूचा भारतवर्ष का प्रत्येक व्यक्ति निंदा नहीं प्रतिशोध की बात कर रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी तक बात जैसे ही यह बात पहुंची वह तुरंत अपना विदेश यात्रा समाप्त कर भारत लौट आए और वृहद स्तर पर बैठकों में व्यस्त हो गए। आज उनके द्वारा लगभग आधा दर्जन से अधिक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए जिनमें सिंधु जल समझौता को तुरंत समाप्त किया गया, भारत में पाकिस्तान दूतावास को जल्द से जल्द बंद करने की बात कही गई, जो भी व्यक्ति पाकिस्तान से भारत में आए थे उन्हें तत्काल भारत छोड़ने का आदेश दिया गया, अटारी बॉर्डर को भी बंद कर कठोर संदेश दिया गया। देशभर के कोने-कोने में लोगों द्वारा कैंडल मार्च, शोक सभा की जा रही है।

जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय मिश्रपुर डहिया का औचक निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा आज विकास खण्ड नेवादा के उच्च प्राथमिक विद्यालय मिश्रपुर डहिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अध्यापकों की उपस्थिति रजिस्टर एवं साफ-सफाई को देखा। विद्यालय में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति ठीक पायी गई। जिलाधिकारी क्लॉस रूम में पहुँचकर ब्लैकबोर्ड पर गणित के सवाल हल करते हुए छात्र-छात्राओं को समझाया। उन्हांने छात्र-छात्राओं को किताब पढ़ाकर उनसे सवाल जवाब करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। विद्यालय में सभी आवश्यक व्यवस्थायें ठीक पायी गई।

जिलाधिकारी ने विकास खण्ड कार्यालय नेवादा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

● जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाये गये कार्मिकां का वेतन अवरूद्ध करने के दिये निर्देश

बाल विकास पुष्टाहार के कार्यालय में अनुपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने तथा जो आंगनवाडी केन्द्र बन्द पाये जा रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने विकास खण्ड कार्यालय नेवादा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव अपने समस्त कार्यालय सहायकों के साथ कार्यालय में उपस्थित पाये गये। सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) नीरज मिश्र, अवर अभियन्ता (ग्रा0अ0वि0) इन्द्रभान सिंह एवं बी0ओ0 अभिषेक कुमार अनुपस्थित पाये गये, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुपस्थित कार्मिकों का वेतन अवरूद्ध करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने रजिस्टरों को व्यवस्थित करने तथा शिकायत पंजिका में शिकायतों के निस्तारण की तिथि एवं संक्षिप्त टिप्पणी/आख्या अंकित किये जाने के निर्देश दिये। मनरेगा कक्ष में कर्मचारी उपस्थित थे, मनरेगा कक्ष की साफ-सफाई के लिए खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया। उन्हांने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यालय में सभी बी0एम0एम0 को आर0एफ0, सी0आई0एफ0 का तत्काल समुचित निस्तारण करने के लिए तथा कार्यालय कक्ष को सुव्यवस्थित किये जाने के निर्देश दिये। बाल विकास पुष्टाहार के कार्यालय में अनुपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने तथा जो

आंगनवाडी केन्द्र बन्द पाये जा रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दियें। पशु चिकित्सालय कार्यालय के निरीक्षण के समय डा0 पी0के0 सिंह पशु चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे, मौके पर दो पशुओं का उपचार चल रहा था तथा एक गोवंश का कृतिम गर्भाधान किया जाना था। दिनांक-01.04.2025 से 24.04.2025 तक चिकित्सालय पर कुल सामान्य एवं वर्गीकृत कृतिम गर्भाधान क्रमशः 91 एवं 08 है तथा सम्बन्धित सेवा केन्द्र पर सामान्य एवं वर्गीकृत कृतिम गर्भाधान क्रमशः 53 एवं 05 किया जा चुका है।

बाबा साहब का संविधान सामाजिक न्याय और समानता का प्रतीक- प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर सिंह

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी विगतदिनों जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए सभी लोगों की आत्मा की शान्ति हेतु दो मिनट का मौन रखकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संविधान निर्माता,भारत रत्न डाक्टर भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मंझनपुर में आयोजित जिला प्रबुद्ध वर्ग गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर सिंह व विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकसभा हरदोई से पूर्व सांसद अंशुल वर्मा ने सम्बोधित किया। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की स्मृति और सम्मान में सम्मान अभियान के तहत प्रबुद्ध वर्ग गोष्ठी को प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सदैव डाक्टर भीमराव अंबेडकर को सम्मान देने का कार्य किया जबकि कांग्रेस ने उनके योगदान की निरन्तर उपेक्षा की उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कि सरकार ने पहली बार सुप्रीम कोर्ट परिसर में कानून मंत्रालय में बाबा साहब की मूर्ति स्थापित कर उन्हें विधिक सम्मान दिया इसके अलावा, लंदन स्थित उनके निवास को सरकार ने स्मारक व सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित किया ऐसी तमाम बातों को विस्तार से बताया व पूर्व सांसद अंशुल वर्मा ने अपने सम्बोधन में बाबा साहब के बारे में विस्तार से बताया व अपनी जानकारी को साझा किया जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित किया कि बाबा साहब की मृत्यु के पश्चात कांग्रेस की सरकार ने दिल्ली में उनके अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं दी सरकारी विमान तक उपलब्ध नहीं कराया गया और उनके पार्थिव शरीर को मुंबई भेजने का खर्च उनकी पत्नी को वहन करना पड़ा नेहरू ने दिल्ली स्थित अंबेडकर निवास को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया था यह कार्य 2016 में प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रयासों से हुआ और 2018 में स्मारक का उद्घाटन हुआ 1990 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बाबा साहब को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया ऐसी तमाम बातों को विस्तार से बताया इस मौके पर काशी क्षेत्र से उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर, राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा, अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य जितेंद्र कुमार,पूर्व जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी, कोऑपरेटिव के चेयरमैन शिव मोहन मौर्य,पूर्व विधायक शीतला प्रसाद पटेल, लाल बहादुर, संजय गुप्ता, कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप पाण्डेय शीलू, जिला महामंत्री संजय जायसवाल, दीप चंद्र दिवाकर, वरिष्ठ भाजपा नेता भोलेशंकर कुशवाहा, कविता पासी, बीरेन्द्र सरोज फौजी, सहित सभ मण्डलअध्यक्षगण, प्रबुद्धजनगण, चेयरमैन, ब्लॉक प्रमुख, कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

यूपी में अब मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को भी मिला सड़क पर चेकिंग का अधिकार, लगा सकेंगे जुर्माना

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। यूपी में अब यात्री कर अधिकारी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, संभागीय परिवहन अधिकारी, उप परिवहन आयुक्त, अपर परिवहन आयुक्त और इससे ऊपर की श्रेणी के अधिकारियों की तरह ही अब मोटर यान निरीक्षकों (एमवीआई) को भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की चेकिंग करने और जुर्माना लगाने का अधिकार मिल गया है. ऐसा पहली बार होगा जब आरआई से एमवीआई का पद परिवर्तन होने के बाद कई अन्य राज्यों की तरह यूपी में भी मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को वाहनों की चेकिंग का अधिकार दिया गया है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के तत्कालीन प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू तबादले से पहले मोटरयान निरीक्षकों को चेकिंग का अधिकार सौंप गए. इससे संबंधित अधिसूचना जारी हो गई है।

परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों की तरह ही अब मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की जांच कर सकेंगे और उन पर कार्रवाई भी कर सकेंगे. पहली बार उत्तर प्रदेश में इस पद को भी चेकिंग की अनुमति दी गई है. 22 अप्रैल को जारी अधिसूचना में तत्कालीन प्रमुख सचिव एल. वेंकटेश्वर लू ने ये पावर एमवीआई को दी है. मोटर यान निरीक्षक अब वाहन स्वामी से रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र, परमिट स्वस्थता प्रमाण पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र की चेकिंग कर सकेंगे।

पहली बार के अपराध की दशा में 500 और दूसरे या इससे अधिक अपराध की दशा में ?1500 जुर्माना लगा सकेंगे. इसके अलावा वाहन स्वामी अपने वाहन में किसी तरह का चेंज करता है जो करने की अनुमति नहीं है, ऐसे वाहन स्वामी पर गाड़ी में किसी तरह के बदलाव पर प्रति परिवर्तन 5000 जुर्माना लगा सकेंगे. स्पीड लिमिट का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक पर हल्के मोटरयान की दशा में रुपए 2000 और मध्यम/भारी/यात्री मालयान की दशा में 4000 रुपए का जुर्माना लगा सकेंगे. वाहन में रिफ्लेक्टर न लगे होने मानक के अनुसार रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के न लगे होने, कॉमर्शियल वाहनों में मानकों के अनुसार स्पीड लिमिट डिवाइस न लगे होने, वायु प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करने, ध्वनि प्रदूषण के मांगों का उल्लंघन करने पर भी ?10000 का जुर्माना लगा सकेंगे।

मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर बिना रजिस्ट्रेशन के सस्पेंड या निरस्त किए गए रजिस्ट्रेशन के बाद भी गाड़ी संचालित किए जाने पर जुर्माना लगा सकेंगे. वाहन में नंबर प्लेट न लगे होने पर भी कार्रवाई का अधिकार मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर का होगा. किसी अन्य वाहन की नंबर प्लेट दूसरे वाहन पर लगे होने पर भी वाहन स्वामी पर मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर जुर्माना लगा सकेंगे. ऐसे वाहन जो नियमों के तहत पिछले भाग के तरफ ज्यादा निकले होंगे और बॉडी में परिवर्तन करके ऊंचाई ज्यादा पाए जाने वाले वाहन पर भी कार्रवाई कर सकेंगे. वाहन में किसी तरह की छेड़छाड़ करने पर भी मोटरयान निरीक्षक जुर्माना लगाने में सक्षम होंगे।

एल. वेंकटेश्वर लू के मुताबिक, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर्स को वाहनों के चेकिंग का अधिकार मिलने पर अब सड़क पर अनफिट चल रहे वाहनों पर कार्रवाई और तेज हो सकेगी. अब यह टेक्निकल अधिकारी कागजों पर फिट और वास्तविकता में अनफिट वाहनों को पहचान सकेंगे और इन पर कड़ी कार्रवाई कर सकेंगे. इसका फायदा ये होगा कि अनफिट वाहन सड़क पर नहीं दौड़ने पाएंगे जिससे यह दुर्घटना का सबब नहीं बनेंगे. परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों की तरह ही अब मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को भी वाहनों के चेकिंग का अधिकार दे दिया गया है. इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है।

पति ने अपने साथियों के साथ की पत्नी की हत्या। पुलिस पर मिलीभगत का आरोप

प्रयागराज। बहरिया थाना अंतर्गत वाला ग्राम सभा रैनी के निवासी तीरथ सरोज जिनका आरोप है की उनके बेटी के ससुराल वाले बहुत दिनों से उनकी बेटी को मार पीट रहे थे कल दिनांक 23-4-25 समय लगभग 12:30 बजे लड़की के पति अनिल कुमार पुत्र राम नरेश और उसके साथी कुनाल पुत्र मनसा दोनों ने घर में घुस के आरती को जान से मार के वापस चले गए । बताया जाता है कि आरती की हत्या का दृश्य उनका बेटा भी देखा था उसने बयान दिया है कि मेरे पापा और मौसी के लड़का हमारे मम्मी को जान से मार दिया। घर वालों का आरोप है कि साथ में दो-चार लोग भी आए थे मारने के बाद 20 से 25000 भी लेकर चले गए। और आरती की हत्या केके बचने केलिए फांसी के फंदे में लटका दिए थे । उस का घुटना जमीन पर छुआ था घर वालों का आरोप है की बहरिया पुलिस की मिली भगत से मामले को रफा-दफा करने की कोशिश किया गया पुलिस को सूचना देने के बाद अफरा तफरी में लड़की के लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और मामले को रफा-दफा करने की कोशिश किया गया।

थाना हण्डिया में अवैध गांजा की तस्करी करने वाले 03 अभियुक्त गिरफ्तार

● कब्जे से 25.900 कि0ग्रा0 अवैध गांजा 13,46,880/- रुपये बरामद।

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में हण्डिया पुलिस टीम द्वारा अवैध गांजा की तस्करी करने वाले 03 अभियुक्त 1. गोविन्दा हरिजन पुत्र गुलाब हरिजन निवासी ग्राम हरिजन बस्ती बलापुर इमामगंज थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज 2. जीतबहादुर उर्फ अजीत भुजवाल पुत्र स्व0 कमला प्रसाद भुजवाल निवासी धोबहा रोड बरौत हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज 3. पंकज जायसवाल पुत्र स्व0 बनवारीलाल निवासी टेला रोड बरोत थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत बरौत से माधोपुर जाने वाली नहर के पास से 25.900 कि0ग्रा0 अवैध गांजा व गांजा बेचकर प्राप्त कुल 13,46,880/- रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-217/25 धारा-8/20 एन0डी0पी0एस0 एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

बताया जाता है कि 22.04.2025 को समय करीब 23.30 बजे थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत बरौत से माधोपुर जाने वाली नहर के पास काफी मात्रा में अवैध गांजा मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक हण्डिया व हण्डिया पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंच कर सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया को सूचना देकर मौक पर बुलाया गया एवं घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। उक्त घटनास्थल से उपरोक्त तीनों अभियुक्त 1.गोविन्दा हरिजन पुत्र गुलाब हरिजन 2. जीतबहादुर उर्फ अजीत भुजवाल पुत्र स्व0 कमला प्रसाद भुजवाल 3. पंकज जायसवाल पुत्र स्व0 बनवारीलाल को गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से 25.900 कि0ग्रा0 अवैध गांजा व गांजा बेचकर प्राप्त कुल 13,46,880/- रुपये बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-217/2025 धारा-8/20 एन0डी0पी0एस0 एक्ट पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ करने पर बताया गया कि विकास सिंह निवासी मड़िहान जनपद मिर्जापुर से सस्ते दामों में गांजा खरीदते है तथा छोटी छोटी पुड़िया बनाकर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूम कर फुटकर में बेचते है तथा गांजा की तस्करी/ब्रिक्री से मिलने वाले पैसों को आपस में बराबर बांट लेते है।

विशेष किशोर पुलिस इकाई के साथ संगोष्ठी का किया गया आयोजन

● पुलिस अधिकारियों को गुमशुदा बच्चों से संबंधित प्रकरणों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए विधिक कार्रवाई करने का दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज श्री संतोष राय के निर्देशानुसार उच्चतम न्यायालय द्वारा (बचपन बचाओ आंदोलन बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया SLP Civil No. 75/2012) में पारित दिशा निर्देशों के अनुपालन में जनपद प्रयागराज के समस्त थानों के विशेष किशोर पुलिस इकाई के साथ गुरुवार को संगोष्ठी का आयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज दिनेश कुमार गौतम द्वारा संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए समस्त पुलिस अधिकारियों को उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित निर्देशों से अवगत कराते हुए गुमशुदा बच्चों के संबंध में उनके प्रकरणों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए स्ह्रक्क के अनुसार विधिक कार्रवाई करने का दिशा निर्देश प्रदान किया गया।

महिमा मौर्या अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा गुमशुदा बच्चों के संदर्भ में SOP में दिए गए प्रारूप एवं चेकलिस्ट को विस्तृत रूप से समझाते हुए होने वाले मानव तस्करी से बचाने के संदर्भ में समस्त पुलिस अधिकारियों को किए जाने वाले त्वरित कार्यवाहियों के बारे में विस्तृत रूप से जागरूक किया गया। गौरव सिंह, डिप्टी लीगल डिफेंस काउंसिल, प्रयागराज द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारियों से संबंधित प्रकरणों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करने के संदर्भ में जागरूक किया गया। इस अवसर पर समस्त थानों के बाल अधिकारी, निशा यादव, वन स्टॉप सेंटर, प्रयागराज व अन्य लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश कुमार गौतम द्वारा प्रदान की गई।

उत्कृष्ट सेवा के लिए चिकित्सक पैरामेडीकल आशा एएनएम को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा किए गए कार्यो की समीक्षा के बाद जिलाधिकारी कौशाम्बी मधुसूदन हुलगी के आदेशानुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर तहसील मंझनपुर के अंतर्गत आने वाले तीन ब्लाकों में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा बनाई गई कमेटी की समीक्षा रिपोर्ट के अंतर्गत चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अंतर्गत कार्य करने वाले चिकित्सक एवं अग्रिम पंक्ति में कार्य करने वाले हेल्थ वर्करो का सम्मान समारोह आयोजित किया गया आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार मे आयोजित हुए इस सम्मान समारोह मुख्य अतिथि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय चन्द्र उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी हिन्द प्रकाश मणि ने संचारी रोग के बारे मे सभी को जागरूक किया और बचाओ के रास्ते बताये उन्होंने जिले मे मातृ मृत्यु दर पे रोक लगाने के लिये हाई रिस्क प्रिग्नेंसी के बारे मे सबको समझाया और उन गर्भवती महिलाओ को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया कार्यक्रम के दौरान डीसीपीएम संजय कुमार,प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नीरज डॉक्टर संजय डॉक्टर प्रसून,बीपीएम अवनीश मिश्रा डी इ आई सी मैनेजर अवधेश मौर्य सहायक शोध अधिकारी सूर्य भान सिंह यादव मौजूद रहे मंझनपुर के अंतर्गत आने वाले सरसवा ब्लॉक कनेली ब्लॉक और मंझनपुर ब्लॉक के चिकित्सक

डॉ अरुण केशरवानी, डॉ सरिक डॉ मूर्तजा डॉ फ़िरदौश डॉ फलक ,सी एच ओ- सोनी निशि प्रियंका कुलदीप प्रियांश खुसबू हेमलता अंकुश सुनील और आशा संगनी छाया पूजा सुनीता ,सविता एएनएम आशा बहनो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त के निर्देश के आलोक में पाकुड़िया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रक्तदान शिविर सम्पन्न, 19 ने किया स्वैच्छिक दान

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्ड- उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देशानुसार पाकुड़िया प्रखण्ड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गुरुवार को रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। शिविर का विधिवत उद्घाटन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (BDO) सोमनाथ बनर्जी ने किया। कार्यक्रम के दौरान 19 स्वयंसेवकों ने रक्तदान कर मानव-सेवा का उदाहरण पेश किया। शिविर में डॉ.मंजर आलम, सहायक अभियंता रोहित कुमार, तकनीशियन अटल प्रसाद व नागेश प्रसाद, प्रधान लिपिक नित्यपाल, मेडिकल स्टाफ अलख निरंजन व राजकुमार सहित पूरी स्वास्थ्य-टीम ने सहयोग दिया। उपायुक्त के निर्देश के तहत ज़िले के सभी छह प्रखण्डों में हर महीने की 24 तारीख को नियमित रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। अधिकारियों ने रक्तदान को "महादान" बताते हुए अधिक-से-अधिक लोगों से इससे जुड़ने की अपील की।

बरही में कम वोल्टेज से ग्रामीण व शहरी उपभोक्ता परेशान, कांग्रेस नेता कुणाल कतरियार ने समाधान की मांग की

बरही- बरही प्रखंड के ग्रामीण व शहरी इलाकों में लगातार बिजली वोल्टेज कम रहने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उपभोक्ताओं को गर्मी के इस मौसम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में कांग्रेस नेता कुणाल कतरियार ने बिजली विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि वोल्टेज इतना कम है कि कई घरों में मोटर तक नहीं चल पा रहा है। वहीं पंखे भी धीमी गति से चल रहे हैं, जिससे लोगों को गर्मी में राहत नहीं मिल रही है। कुणाल कतरियार ने विभाग से आग्रह किया कि इस समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकाला जाए ताकि आम जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि अगर जल्द समाधान नही निकाला गया तो विभाग के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

केदार यादव एवं विजय यादव के नूतन गृह प्रवेश पर निकली भव्य कलश यात्रा, विधायक मनोज यादव हुए शामिल

बरही- बरही प्रखंड अंतर्गत ग्राम करगइयों में शनिवार को केदार यादव एवं विजय यादव के नूतन गृह प्रवेश के अवसर पर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर बरही विधायक मनोज कुमार यादव मुख्य रूप से शामिल हुए और कलश यात्रा में भाग लेकर आयोजन को धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। कलश यात्रा में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया। पूरे गांव में भक्तिमय माहौल रहा और भक्ति गीतों के साथ कलश यात्रा निकाली गई, जो गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, मुखिया मंगलदेव यादव, भाजपा प्रदेश नेता रंजीत चंद्रवंशी, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, डीलो पासवान, अशोक रविदास, टेकलाल यादव, नंदकिशोर साव, कन्हाई यादव, मूलचंद यादव, मनोज यादव, शिक्षक सुखदेव यादव, कैलाश यादव, पवन यादव, सुरेन्द्र यादव, अर्जुन यादव, महेंद्र यादव, बालेश्वर यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने केदार यादव एवं विजय यादव को गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाव में 28 हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या, भारतीय राष्ट्र को खुली चुनौती, हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया इकाई

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया, पाकुड, झारखंड- 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर राज्य के पहलगाव में 28 हिन्दू पर्यटकों की निर्मम हत्या को केवल अमानवीय कृत्य कहकर निंदा करने से पाकिस्तानी आतंकियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता। उक्त घृणित मानसिकता के संदर्भ में विचार मंच ने पूरे दावे के साथ जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान की नींव हिन्दू-विरोध पर ही पड़ी है और इसी घोर हिन्दू-विरोधी मानसिकता-आधारित नीति को अपने जन्म से ही चरितार्थ करता रहा है। हिन्दू विचार मंच ने आगे कहा कि अपनी विस्तारवादी और घृणित सोच के कारण ही पाकिस्तान अब तक भारत के अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर पर अपना अधिकार जताता रहा है। वहीं दूसरी ओर भारतवर्ष के कांग्रेसी नेता पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकियों की निंदा नहीं करते, उलटे पाकिस्तान से मित्रता की सलाह देकर आतंकियों को सह देते रहे हैं। वे पाकिस्तान पर भारतीय सेना की कार्रवाई पर ही प्रश्न उठाते रहे हैं। इसके अलावा भारत को लहूलुहान करने वाली धारा 370 को निरस्त करने का भी विरोध करते रहे, जिससे भारत-विरोधी तत्वों को सह मिलती रही और आतंकियों का हौसला बढ़ता रहा।

मंच ने कहा कि 2020 से अब तक नागरिकों और सुरक्षा बलों सहित दर्जनों लोगों की हत्या कर पाकिस्तानी आतंकियों ने भारतीय राष्ट्र को खुली चुनौती दी है। भारत एक अति-सहिष्णु राष्ट्र है और अपने पड़ोसियों के साथ सदैव मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना करता रहा है, लेकिन कुटिल और दुष्ट को कठोर दंड देना ही राष्ट्र-धर्म है। पाकिस्तान सदा ही शत्रुता रखता रहा है। पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुनीर ने भी भारत और हिन्दुओं के विरुद्ध जहर उगला है, जो पाकिस्तान का संस्कार है। हमारी अलग संस्कृति रही है।

अब केवल अमानवीय कृत्य और निंदा करने से पाकिस्तानी आतंकियों और पाकिस्तान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दुष्ट को दंड देना ही भारतीय न्याय है। हिन्दू विचार मंच ने बताया कि कई बार आतंकियों ने धर्म पूछकर सिखों और हिन्दुओं की हत्या की है। इस बार भी पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकियों ने पर्यटकों से धर्म पूछकर ही हिन्दुओं की नृशंस हत्या की। बताया जाता है कि एक पर्यटक महिला के समक्ष ही उसके पति की हत्या कर दी गई। जब महिला ने कहा कि हमें भी मार दो तो आतंकी ने कहा, ÷तुम्हें नहीं मारूंगा, तुम यह मोदी को कह देना।÷ इस दुस्साहस को गंभीरता से लेते हुए भारत सरकार बिना देर किए पाकिस्तान और आतंकियों को कठोर दंड देकर यह संदेश दे कि शत्रु के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार ही भारतीय राष्ट्र-धर्म है। उक्त नृशंस हत्या पर जम्मू-कश्मीर राज्य में विरोध-स्वरूप निंदा तथा पूर्ण बंद रखा गया। मदरसे में श्रद्धांजलि देकर मृतकों के प्रति संवेदना जताई गई। वहीं उस मुस्लिम भाई को नमन किया गया जिसने ऐसे कृत्य का सख्त विरोध करते हुए बलिदान दिया। हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया इकाई ऐसे राष्ट्रवादी मुस्लिम भाइयों को सदैव नमन करता है जो अपने मजहब का पालन करते हुए राष्ट्रीय सोच रखते हैं।

वहीं कांग्रेस और सपा पाकिस्तानी आतंकियों की कठोर शब्दों में निंदा न करके केंद्र सरकार की आलोचना करती हैं और प्रधानमंत्री मोदी जी से ÷56?इंच का सीना÷ दिखाने को कहती हैं। ऐसे तथ्य-विहीन आरोप लगाने वाले वाचाल नेता क्या जानते नहीं कि 56?इंच सीना होने के कारण ही प्रधानमंत्री जी ने भारत को लहूलुहान करने वाली जिहादी मानसिकता वाली धारा?370 को दफन किया, सीएए लागू किया और अन्य राष्ट्रीय हित के नियम लागू करने की तैयारी कर रहे हैं? क्या 30?इंच वाले नेता ऐसा साहस कर सकेंगे?

दूसरी ओर, राकेश अचल जैसे कई पत्रकार हैं जो हिन्दू संस्कृति, धर्म और प्रमाणिक ऐतिहासिक परंपराओं का अनावश्यक विरोध कर भारत-विरोधी तत्वों को प्रोत्साहित करते रहे हैं। अचल ने पहलगाव में हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या पर पाकिस्तानी मुस्लिम आतंकियों की निंदा करने का साहस नहीं दिखाया, बल्कि इसे वक्फ बोर्ड तथा हिन्दू राष्ट्र की ओर मोड़ते हुए निराधार आलोचना की। ऐसे पत्रकार बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद आदि स्थानों पर हुए अमानवीय कृत्यों पर चुप रहकर ही भारत में राष्ट्र-विरोधियों का मनोबल बढ़ाते रहे हैं, जो निंदनीय है।

यह सिर्फ हमला नहीं नरसंहार है - सुनील कुमार सिंह

स्वतंत्र प्रभात

रांची, झारखंड- जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, तो फिर उन्होंने धर्म पूछकर गोलियां क्यों चलाई? उन्होंने इस हमले को मानवता के खिलाफ सुनियोजित नरसंहार करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि मोमबत्ती या धरना नहीं, बल्कि दुश्मनों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया जाए। सुनील सिंह ने कहा कि इस्लामी आतंकियों द्वारा हिंदू सैलानियों की हत्या निंदनीय, अक्षम्य और पूरे देश के लिए झकझोर देने वाली है। उन्होंने भरोसा जताया कि हमारी सेना ऐसे अपराधियों को मुंहतोड़ जवाब देगी। साथ ही उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायल परिवारजनों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने यह भी कहा कि 28 निर्दोषों की बलि का बदला 28 हजार आतंकियों का अंत करके लिया जाए। देश को स्पष्ट संदेश देना होगा कि निर्दोषों का खून बहाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

त्रिवेणीगंज में सड़क हादसा, स्कॉर्पियो और मैजिक की टक्कर में दो भाई घायल

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज (सुपौल बिहार)। पिपरा-त्रिवेणीगंज एनएच 327ई पर गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब बारात से लौट रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और दूध आपूर्ति कर सुपौल लौट रही एक टाटा मैजिक में आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। घटना सुबह लगभग साढ़े चार से पांच बजे के बीच गम्हरपुर के पास घटी।टक्कर इतनी भीषण थी कि टाटा मैजिक के परखच्चे उड़ गए, वहीं स्कॉर्पियो भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।घायलों की पहचान पिपरा थाना क्षेत्र के पथरा दक्षिण वार्ड संख्या 3 निवासी उपेंद्र यादव के पुत्र पिंटू कुमार (32) और मुकेश यादव (28) के रूप में हुई है।दोनों भाई सुपौल स्थित सुधा डेयरी से दूध लेकर त्रिवेणीगंज पहुंचे थे और वितरण के बाद वापस लौट रहे थे।

परिजनों के अनुसार,गम्हरपुर के पास पिपरा की ओर से आ रही स्कॉर्पियो (संख्या बीआर 11 पीए 7902) ने तेज गति में टाटा मैजिक को सामने से टक्कर मार दी।दुर्घटना के बाद दोनों भाइयों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज लाया गया, जहां डॉक्टरों ने पिंटू कुमार की स्थिति गंभीर पाई और उसे बाहर रेफर कर दिया।मुकेश यादव का प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उन्हें घर ले गए। पिंटू कुमार की हालत अब भी चिंताजनक बनी हुई है और उसे सुपौल के एक निजी अस्पताल से आगे रेफर कर दिया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही त्रिवेणीगंज थानाध्यक्ष रामसेवक रावत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि अब तक किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

चार हथियारबंद अपराधियों ने युवक से बाइक, मोबाइल और नकदी लूटी

अपराधियों का आतंक, रात में युवक से की लूटपाट

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज (सुपौल बिहार)। थाना क्षेत्र के मलहनमा मोड़ के समीप नवटोलिया में बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे चार अज्ञात हथियारबंद अपराधियों ने एक युवक से बाइक, मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। पीड़ित की पहचान जदिया थाना क्षेत्र के कोरियापट्टी पश्चिम वार्ड नंबर 2 परवाहा निवासी कुलानंद यादव के पुत्र अश्विनी उर्फ संतोष कुमार के रूप में हुई है। पीड़ित ने बताया कि वह अपनी हीरो सुपर स्प्लेंडर (संख्या बीआर 50 यू 9589) से जरेला गांव जा रहे थे। इसी दौरान नवटोलिया के पास पीछे से आ रहे बाइक सवार चार अपराधियों ने उनकी कॉलर पकड़कर चलती बाइक से नीचे गिरा दिया और मारपीट कर बाइक, एक सैमसंग ए14 मोबाइल और पर्स लूट लिया। पर्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज और 1800 रुपये नकद थे। बताया गया कि अपराधी बिना नंबर प्लेट की एक सफेद रंग की टीवीएस अपाचे और एक काले रंग की बजाज पल्सर (220 सीसी) पर सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। त्रिवेणीगंज थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने बताया कि पीड़ित की लिखित शिकायत पर थाना कांड संख्या 204/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी की बात कही गई है।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल-सरकारी स्कूल में दोबारा चोरी, कार्रवाई अब तक अधूरी

स्वतंत्र प्रभात

त्रवेणीगंज (सुपौल)। थाना क्षेत्र के मचहा स्थित मध्य विद्यालय में गुरुवार देर रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने विद्यालय के कई कमरों के ताले तोड़कर स्मार्ट टीवी, राशन और अन्य कीमती सामानों की चोरी कर ली। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार ने बताया कि रात करीब 2:45 बजे विद्यालय के प्रहरी प्रह्लाद कुमार ने उन्हें फोन कर चोरी की सूचना दी। प्रह्लाद के अनुसार, चोरों ने कार्यालय कक्ष, कंप्यूटर कक्ष, चावल भंडारण कक्ष सहित अन्य कमरों के ताले तोड़ दिए थे। सुबह जब शिक्षक विद्यालय पहुंचे और सामानों की जांच की गई, तो पाया गया कि चोर लगभग 50 इंच का एक एलईडी स्मार्ट टीवी, 7 क्विंटल 50 किलोग्राम चावल, एक टोपिया, 30 किलोग्राम दाल, 25 किलोग्राम चना, एक कार्टन सरसों तेल, 5 किलोग्राम मसाले और अन्य आवश्यक सामग्रियाँ चुरा ले गए।प्रधानाध्यापक ने बताया कि वर्ष 2023 में भी विद्यालय में इसी प्रकार की चोरी की घटना हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही त्रिवेणीगंज थानाध्यक्ष रामसेवक रावत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रधानाध्यापक की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कार्रवाई जारी है।

विद्यासागर में उबलता जनाक्रोश: पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में तिरंगा मार्च,"पाकिस्तान मुर्दाबाद" से गूँजा शहर

स्वतंत्र प्रभात

विद्यासागर, जामताड़ा, झारखंड- पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हाल में हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए विद्यासागर शहर में गुरुवार को सैकड़ों छात्र-नागरिकों ने कैंडल मार्च और विरोध रैली निकाली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के बैनर तले निकले जुलूस में हाथों में तिरंगा थामे लोगों ने "पाकिस्तान मुर्दाबाद" और "आतंकवाद मुर्दाबाद" के नारे लगाए। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर, हाई स्कूल और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सहित कई शिक्षण-संस्थानों में दो-तीन मिनट का मौन रखकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी गई।ABVP प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य निर्भय मंडल ने कहा, "भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझा जाए।"नगरमंत्री अमितकुमार ने केन्द्र सरकार से "खून का बदला जल्द लेने" की अपील की। झारखंड छात्र संघ ने मृतकों को शहीद का दर्जा देने और उनके परिजनों को समुचित मुआवज़ा प्रदान करने की माँग दोहराई। नगरअध्यक्ष बलबीर यादव व उपाध्यक्ष रमेश मंडल ने कहा कि आतंकवाद को मुँहतोड़ जवाब दिए बिना शांति संभव नहीं। रैली में नगर सह-मंत्री विक्की दास, अजय मंडल, भीम मंडल, धीरज, मुन्ना, कृष्णा समेत दर्जनों छात्र-कार्यकर्ता शामिल हुए। भीड़ ने सरकार से आतंकवाद पर कड़ी कार्रवाई की माँग करते हुए एकजुट होकर श्रद्धांजलि अर्पित की और भविष्य में ऐसे हमले रोकने का संकल्प लिया।

चलती बाइक से गिरी महिला, सिर में आई गंभीर चोटें, हालत नाजुक

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज (जदिया)। जदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बघेली गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे एनएच 327ई पर बघेली कब्रिस्तान के समीप हुआ, जब एक चलती बाइक से महिला अचानक गिर गई। घायल महिला की पहचान बघेली निवासी मोहम्मद हकीम की 45 वर्षीय पत्नी बीबी इशरत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बीबी इशरत की तबीयत खराब थी, जिस कारण उनके पति मोहम्मद हकीम उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठाकर डॉक्टर के पास ले जा रहे थे। इसी दौरान कब्रिस्तान के पास महिला को अचानक चक्कर आ गया और वह चलती बाइक से असंतुलित होकर गिर पड़ीं। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को तुरंत त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि महिला के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हृदयविदारक और दर्दनाक सड़क हादसे में दो महिला मजदूरों की मौत, एक रेफर, पांच मजदूर का हजारीबाग में चल रहा है इलाज

● घटना की जानकारी पाते ही सांसद मनीष जायसवाल हुए सक्रिय, अपने मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को घायलों की मदद के लिए भेजा अस्पताल

स्वतंत्र प्रभात

हजारीबाग, झारखंड- गुरुवार की अहले सुबह हजारीबाग धनबाद मुख्य मार्ग पर दारू थाना क्षेत्र के ग्राम पिपचो के समीप एक भीषण सड़क हादसा हुई। जिसमें मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की टक्कर यहां खराब होकर खड़ी एक ट्रक से इतना जोरदार हुई कि दो महिला मजदूरों की मौत हो गई और आधा दर्जन मजदूर घायल हो गए। एक घायल को नाजुक स्थिति में हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल से प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा गया वहीं चार घायल मजदूरों का हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ही भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। इस पिकअप वैन में मौजूद अधिकतर मजदूर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के मांडू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत अवस्थित ग्राम चितरामो के टोला गिधनीय के निवासी थे और एक मजदूर चतरा का रहने वाला बताया गया। सभी मजदूर छत ढलाई में मजदूरी का काम करते थे और हजारीबाग से पूरी रात काम करके वापस अपने घर लौट रहें थे तभी ये हृदयविदारक सड़क हादसा हो गई। इस दुर्घटना में विष्णुगढ़ प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत के ग्राम चितरामो के टोला गिधनीय की रहने वाली मजदूर मणि कुमारी और ललिता कुमारी का निधन हो गया। इसी गांव की रहने वाली संगीता कुमारी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया जबकि दशमी हांसदा, भानुमती मरांडी, सूरजमुनि और चतरा निवासी सहदेव कुमार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करके इलाज किया जा रहा हैं। इधर घटना की जानकारी मिलते ही हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सक्रिय हुए और उन्होंने तत्काल अपने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी को अस्पताल जाकर घायलों का सुध लेते हुए उन्हें हरसंभव मदद का निर्देश दिया। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर तत्काल उनके प्रतिनिधि रंजन चौधरी हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे और घायलों के समुचित इलाज में हरसंभव सहयोग में जुट गए। उन्होंने विष्णुगढ़ थाना प्रभारी और स्थानीय सांसद प्रतिनिधि के माध्यम से मृतकों और घायलों के परिजनों को खबर भेजवाया और फ़िर मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के साथ सभी घायलों के समुचित इलाज का चिकित्सकों और चिकित्साकर्मियों से आग्रह किया। सांसद मनीष जायसवाल ने भी इस भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द स्वास्थ्य होने की कामना की।

राजमहल सांसद विजय हांसदा ने किया अमड़ापाड़ा प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा, ग्रामीणों की समस्याओं से हुए अवगत दिया समाधान का भरोसा

स्वतंत्र प्रभात

अमड़ापाड़ा, पाकुड़, झारखंड - राजमहल लोकसभा क्षेत्र के युवा सांसद विजय हांसदा एवं जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत पाडेरकोला पंचायत के अम्बाजोड़ा, डूमरचिर पंचायत के निपनिया, पाकुडीह, पालमांडो, भाटीकांदर, सिंगारसी पंचायत के डांगापाड़ा, जराकी पंचायत के जराकी व बासमती पंचायत के कोलखीपाड़ा गांव पहुँचकर वहाँ के स्थानीय लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। ग्रामीणों ने इस भीषण गर्मी के दौरान हो रही पेयजल की समस्या के साथ साथ बिजली, सड़क व शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी समस्याओं से माननीय सांसद विजय हांसदा को अवगत कराया। सांसद विजय हांसदा ने सभी समस्याओं को सुनकर त्वरित कार्रवाई करते हुए उच्च अधिकारियों से टेलीफोनिक वार्ता कर जल्द से जल्द सभी समस्याओं के निदान की बात कही। इस दौरान माननीय सांसद विजय हांसदा के साथ झामुमो जिलाध्यक्ष एजाजुल ईस्लाम भी सभी समस्याओं को नोट कर रहे थे एवं तड़ित करवाई करने की आश्वासन दिए मौके पर प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल हांसदा, प्रखंड उपाध्यक्ष धानो मरांडी, प्रखंड कोषाध्यक्ष संजीत भगत, वरिष्ठ कार्यकर्ता मंटू भगत, प्रेम रजक, मोहन किस्कू, थॉमस मुर्मू, कालिदास मुर्मू, विनोद भगत, आफताब आलम, अजित कुमार, सुनील मरांडी, सुनील मुर्मू, सुभाष मरांडी, रंजीत पंडित, आरिफ अंसारी, दिलीप मरांडी, कोर्नेलियुस हेम्ब्रम, अशोक हेम्ब्रम, सिकंदर किस्कू, महेश हांसदा, फिलिप मुर्मू सहित दर्जनों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

वनवासियों ने महिला को उतारा मौत के घाट,मचा हड़कंप

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के डिहवा, डेढुवाना गांव में शराब के नशे में हुए विवाद ने एक महिला की जान ले ली। बुधवार रात डेढुवाना गांव में रहने वाली 55 वर्षीय नगीना देवी पत्नी बिकानू वनवासी की मौत उस समय हो गई जब वे शराब पीकर लड़ रहे लोगों के बीच बचाव करने पहुँचीं बताया गया है कि, वनवासी समुदाय के तीन मजदूर भोथु, मनोज और रमेश जो क्षेत्र के एक ईंट भट्ठे पर काम करते हैं, शराब पीने को लेकर आपस में उलझ गए।विवाद शराब के पैसे और उसके अनुसार कम या ज्यादा पीने को लेकर था। बहस इतनी बढ़ गई कि मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान बीच-बचाव करने पहुँची नगीना देवी के सिर पर डंडा लग गया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उन्हें तुरंत स्थानीय निजी अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान सुबह 4 बजे उनकी मौत हो गई। सुबह 5 बजे परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज मौके ए वारदात पर पहुंच जांच पड़ताल कर तीनो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही मृतिका के परिजनों के तहरीर के आधार पर तीनो आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही ने जुट गई।

सार्वजनिक नीलामी 30 अप्रैल को

रायबरेली, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय देय के बकायेदार श्री छेदीलाल पुत्र विष्णु प्रसाद नि0 पूरे अनन्त मजरे मरदानपुर पर0 व तह0 सदर जिला रायबरेली की भूमि स्थित मरदानपुर पर0 व तहसील सदर की सार्वजनिक नीलामी 30 अप्रैल 2025 समय प्रातः 10ः00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार नगर/नीलाम अधिकारी के कक्ष में की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

आतंकी हमले के विरोध में जनाक्रोश- व्यापारियों ने कैंडल मार्च निकाला

हरदोई शाहाबाद जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत के बाद शाहाबाद नगर में जोरदार विरोध प्रदर्शन हुआ। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने बुधवार को कैंडल मार्च निकाल विरोध प्रदर्शन किया।व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में घास मंडी तिराहा से कैंडल मार्च की शुरुआत हुई। यह मार्च बड़ी बाजार और घंटाघर होते हुए चौक से पहुंचा। व्यापारियों ने चौक में सिद्ध भोले बाबा मंदिर पर दो मिनट का मौन धारण करके मोमबत्तियां जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की।इस मौके पर पूर्व सभासद आलोक पाठक,सुनील कुमार गुप्ता,अनिल राठौर,सतीश राठौर,रामु राठौर,विशाल गुप्ता,राजीव गुप्ता,जितेंद्र गुप्ता,योगेश गुप्ता,नीरज नरूला, भईयन वर्मा,राकेश राठौर,अभिषेक राठौर,रतिराम गुप्ता,ज्ञानेश गुप्ता,मनोज वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज शाहजहाँपुर का प्रथम व तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित

शाहजहाँपुर। स्वामी शुकदेवानन्द कॉलेज शाहजहाँपुर का एम.एस-सी. रसायन विज्ञान एवं एम. एससी. भौतिक विज्ञान प्रथम व तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट एमजेपी रोहिलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आज घोषित किया गया। विज्ञान संकाय के सहसंकायाध्यक्ष डॉ आलोक सिंह ने बताया कि एम.एस-सी. रसायन विज्ञान प्रथम सेमेस्टर में आकांक्षा यादव, हर्ष मिश्रा एवं अंशिका रस्तोगी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे जबकि तृतीय सेमेस्टर में दिव्या वर्मा, मेहरबाँ बी एवं सौरव यादव क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। वहीं एम.एस-सी. भौतिक विज्ञान प्रथम सेमेस्टर में मोनिका वर्मा, पूर्णिमा शर्मा एवं रिया वर्मा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे जबकि तृतीय सेमेस्टर में आकाश द्विवेदी, आकांक्षा वर्मा एवं आकांक्षा मिश्रा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

इस अवसर पर मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता परमपूज्य स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती , कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव डॉ. अवनीश मिश्रा और प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार आज़ाद, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ शिशिर शुक्ला एवं विज्ञान संकाय के सभी शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई और आशीर्वाद दिया।

बेखौफ बाइकर्स ने भाजपा नेता को मारी गोली, मौत

● मथुरा में बेखौफ हुए बदमाशो ने व्यापारी में मारी गोली,

व्यापारी हेमेंद्र गर्ग को उपचार को अस्पताल में चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

व्यापारी की हत्या की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों की पुलिस कर रही है तलाश

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। बुधवार की देर शाम मथुरा में हुई सनसनीखेज घटना से लोग सहम गये। भाजपा, व्यापारी संगठन और कई निजी संगठनों में लगातार सक्रिय रहे और पदेन सदस्य रहे कारोबारी हेमेन्द्र गर्ग की बाइकर्स ने गोली मार कर हत्या कर दी। दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आये और कारोबारी को गोली मार कर फरार हो गये। एसएसपी श्लोक कुमार ने घटना को गंभीरता से लिया है। एसपी सिटी डा. अरविंद कुमार पूरे मामले को मॉनीटर कर रहे हैं। घटना के खुलासे के लिए पांच टीमों का गठन किया गया है। बुधवार की देर शाम हुई घटना की चर्चा रात में ही जिले भर में पहुंच गई थी। सुबह होने तक कारोबारी के तपोभूमि के पास स्थित गायत्री विहार कॉलोनी में बने मकान पर भीड जुट गई। भाजपाई, व्यापारी और समाज के दूसरे लोग लगातार आवास पर जमे रहे। माहौल और भीड को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी लगातार सतर्कता बरत रहा है। आवास पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। एसपी सिटी लगातार लोगों से बात करते रहे और लोगों के सवालों और शंकाओं जा जवाब देते हुए दिखे। व्यापारी संगठनों ने जुडे लोग और भाजपाई लगातार पुलिस अधिकारियों पर सवाल दगा रहे थे। व्यापारी नेता हेमेंद्र गर्ग मसानी स्थित मोक्षधाम में भगवान नीलकंठ महादेव के सुबह और शाम नियमित दर्शन कर पैदल ही घर लौटते थे। बुधवार की देर शाम भी वह पैदल ही घर वापस आ रहे थे। इसे देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि पहले रेकी की गई इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से घटना को अंजाम दिया गया है। जिसके चलते बदमाश साफ बच निकलने में कामयाब रहे। व्यापरी भी लगातार यही सवाल पुलिस अधिकारियों से कर रहे हैं कि जब हेमन्दे यह कह रहे थे कि उन्हें खतरा है तो पुलिस ने इसे गंभीरता से क्यों नहीं लिया। घटना क्रम के अनुसार दो बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी, और घटना को अंजाम देकर बदमाश मौके से फरार हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में हेमेंद्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हेमेंद्र ने कुछ दिन पूर्व ही जमीनी विवाद में अपनी हत्या की आशंका जताई थी। उन्हें पहले भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी थी। गायत्री तपोभूमि के पास स्थित गायत्री विहार कॉलोनी निवासी 55 वर्षीय हेमेंद्र गर्ग नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला संगठन मंत्री थे। उनका महाविद्या कॉलोनी में प्रिंटिंग प्रेस का कारोबार था।

मृत कारोबारी हेमेन्द्र गर्ग का फाइल फोटो।

पुलिस सुरक्षा में अंतिम संस्कार

सूचना मिलते ही एसपी श्लोक कुमार घटनास्थल पर पहुंच गए थे। उन्होंने हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस की कई टीम बनाई है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कई मर्तबा अपनी हत्या होने के बारे में थाना पुलिस को लिखित में अवगत कराया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस हत्या कांड से व्यापारिक संगठनों में काफी रोष है। गुरुवार को उनका भारी पुलिस बल की मौजूदगी अंतिम संस्कार कर दिया गया।

भारत विकास परिषद ने ज्ञापन देकर प्रधानमंत्री से पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की

हरदोई। भारत विकास परिषद शाखा नैमिष प्रांत की एक बैठक जिला सैनिक एवं पुनर्वास कार्यालय पर आयोजित हुई जिसमें पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा सेलानियों की सामूहिक निर्मम हत्या की घोर निंदा करते हुए कठोर कार्रवाई की मांग प्रधानमंत्री से की गई । जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार को प्रेषित ज्ञापन में कहा गया 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा निर्दोष सैलानियों की हत्या को अमानवीय कृत्य बताते हुए एक स्वर में निंदा की गई और मांग की गई कि कायरतापूर्ण इस कृतय के लिए सरकार ठोस कार्यवाही करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो सके और आतंकवादियों को पालने पोसने वाले पाकिस्तान में बैठे उनके आकाओं के मंसूबों पर प्रभावी रोक लगाई सके। इस दौरान अवध बिहारी मिश्रा, कैप्टन रामकिशोर शुक्ला, पंकज गुप्ता, डॉक्टर सुरेश अग्निहोत्री ,बालकृष्ण जिंदल, राजवर्धन श्रीवास्तव, अतुल अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

पहलगांव कश्मीर में हुए नरसंहार के विरोध में साधु संतों में रोष

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा- वृंदावन काशी विद्वत् परिषद् पश्चिमी भारत प्रभारी आचार्य कार्ष्णी नागेन्द्र महाराजके सानिध्य में वृंदावन के अनेक धर्माचार्य साधु संतों ने कश्मीर में हुए नर संहार पर भारी रोष प्रकट किया। सभी के हृदय में अत्यंत आक्रोश है, जाति धर्म के आधार पर हिंदुओं को नाम पूछ कर उनकी हत्या की गई।

नागेन्द्र महाराज ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि जिस तरह धर्म के आधार पर हमारे हिंदू भाइयों को मारा गया तो हम लोग भी धर्म के आधार पर चयनित कर मुस्लिमों का सब प्रकार से बहिष्कार करेंगे। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री से मांग करते हैं भारत के हिन्दू युवाओं को हथियार के साथ प्रशिक्षण दिया जाय जिससे वह अपने परिवार की रक्षा एवं भारत वासियों की रक्षा कर सके। कृष्ण चंद्र शास्त्री (ठाकुर जी) ने कहा कि कश्मीर में हुई घटना से मेरा हृदय आहत हुआ है, जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है उनके लिए मृत्यु दंड से कम का तो कोई प्रावधान ही नहीं। सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए । क्रांतिकारी डॉ सत्यमित्रानंद ने कहा, जिसने भी नापाक कायराना हरकत की है उसके लिए सरकार सख्त कार्रवाई करने जा रही है जल्द ही भारत सरकार आतंकियों का खात्मा करेगी।

संजीव कृष्ण ठाकुर ने कहा अब समय आ गया है अपनी आत्म रक्षा के लिए कुछ करने का, भारत में हिंदुओं को लगातार टार्गेट किया जा रहा है, अब भाई चारा की कोई बात नहीं होगी, हमने उन्हें भाई माना और उन्होंने हमें चारा । पूरे भारत में हिंदुओं को निशाने पर लिया जा रहा है। आचार्य मृदुलकांत महाराज ने कहा कि हमको सबसे ज़्यादा खतरा देश के और वृंदावन में ही रह रहे कुछ जय चंदों से है, जो लोग हिंदू होकर भी निरंतर आज भारत सरकार का ही विरोध कर रहे हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं ऐसे लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही होनी चाहिए जो कि आतंकवाद के लिए एक शब्द नहीं लिखते और सरकार को छाती पीट पीट कर कोस रहे हैं। इस सभा में महामंडलेश्वर स्वामी नीलमणि दास महाराज, स्वामी हरि कृष्णानंद सरस्वती महाराज, आचार्य सुमन्त कृष्ण शास्त्री, आचार्य हरिहर मुदगल शास्त्री, आचार्य अशोक कृष्ण शास्त्री, राम मोहन शर्मा, गोविन्द खंडेलवाल, आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ज्ञान प्रकाश सिह द्वारा हमेशा गरीबो व असहाय लोगो की करते रहते है मदद

● प्रतिनिधि शिवा सिह को ष्ठ रूने किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी कक्ष में सबसे अधिक भूसा दान करने वाले समाजसेवियों और ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गोशालाओं में सर्वाधिक भूसा दान करने वाले दानदाताओं को सम्मानित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा एवं मुख्य सचिव के कुशल निर्देशन में जनपद में निराश्रित गोवंशों के चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समाजसेवियों, ग्राम प्रधानों व संभ्रांत और सक्षम लोगों से भूसा दान लेने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसके क्रम में 4 दिन के भीतर जनपद में लगभग 7000 कुंतल भूसा दान द्वारा संग्रहित किया गया है। जनपद में दान के माध्यम से करीब 30000 कुंतल भूसा संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। जिसे इस महीने के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा।

समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी कार्य करने वाले ज्ञान प्रकाश सिंह जिनके द्वारा 251 कुंतल, उमाशंकर सिंह के द्वारा 30 कुंतल, गया प्रसाद अग्रहरी के द्वारा 30 कुंतल ,जय हिंद के द्वारा 22 कुंतल और धर्मेंद्र यादव के द्वारा 15 कुंतल भूसा दान देने पर जिलाधिकारी द्वारा समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के प्रतिनिधि शिवा सिंह और उमाशंकर सिंह, गया प्रसाद अग्रहरी ,जय हिंद यादव और धर्मेंद्र यादव को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार भूसा दान करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपद के सक्षम लोगों से अपील किया है कि इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और अधिक से अधिक भूसा दान करें जिससे जनपद के गौशालाओं में पर्याप्त मात्रा में चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान सहित अन्य उपस्थित रहें।

तहसील सलोन परिसर में लीगल एड क्लीनिक की हुई स्थापना

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली, जनपद रायबरेली के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश राजकुमार सिंह के मार्गदर्शन में तहसील सलोन परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा स्थापित लीगल एड क्लीनिक का उद्घाटन बुधवार को अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा फीता काटकर किया गया। तहसील परिसर सलोन में लीगल एड क्लीनिक खोले जाने से क्षेत्र के निवासियों को कानूनी समस्याओं के सम्बन्ध में स्थानीय स्तर पर समाधान प्राप्त होगा। उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अपर जिला जज/सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि लीगल एड क्लीनिक में कानूनी समस्या लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं का निस्तारण पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निःशुल्क अधिवक्ता, विभिन्न योजनाओं इत्यादि के संबंध में जानकारी प्राप्त कर प्रार्थना पत्र दिये जा सकते है। विवादों को बिना मुकदमा दर्ज किये प्री-लिटिगेशन स्तर पर भी निस्तारण कराये जाने के भी प्रयास जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से किये जा रहे है। इसके अतिरिक्त 10 मई 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि सुलह समझौते के आधार पर लम्बित वादों का तथा ई-चालान का सुगम निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में कराया जा सकता है। सचिव द्वारा बताया गया कि आम ग्रामीण जन किसी भी प्रकार की विधिक सहायता के लिए किसी भी कार्य दिवस में लीगल एड क्लीनिक जाकर सहायता प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रार्थना पत्र भी यहाँ पर भरवाये जायेंगे तथा निशुल्क प्रार्थना पत्र लिखे जाएगे। इस अवसर पर ग्राम न्यायाधिकारी सलोन अंकित सिन्हा, उपजिलाधिकारी सलोन चन्द्रप्रकाश गौतम, तहसीलदार दीपिका सिंह, नायब तहसीलदार शमीम अहमद, नगर पंचायत अध्यक्ष चन्द्रशेखर रस्तोगी, अध्यक्ष, बार एसोसिएशन सलोन लालता प्रसाद यादव, क्षेत्राधिकारी सलोन, प्रभारी निरीक्षक व पराविधिक स्वयं सेवक रितुल कुमार वैश्य, नीरज कुमारी व बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पराविधिक स्वयं सेवक बृजपाल के द्वारा किया गया।

पंजाबी महासभा ने चारू मृत्यु प्रकरण के खुलासे को एस पी से की मुलाकात

शाहजहांपुर। पंजाबी महासभा में चारू आहूजा की मृत्यु से काफी आक्रोश है। इसी के चलते मृतका के पिता मुकेश आहूजा ने पंजाबी महासभा के साथ पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर से की मुलाकात और मांग की कि जल्द से जल्द चारू आहुजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पीड़ित परिवार को दिलवाकर मौत का कारण सार्वजनिक किया जाय। मुकदमे में नामजद अभियुक्तो की जांच कर गिरफ्तारी करवायी जाये। प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाये दोनो आपतालो की जांच करवाई जाये जिससे भविष्य में इस प्रकार की कोई अन्य घटना ना हो सके।चारू का मृत्यु प्रमाण पत्र तथा उसकी बच्ची के जन्म प्रमाण पत्र को डॉक्टरो से दिलवाये जाएं।अस्पतालों में ट्रेंड स्टाफ नहीं होता है, जिसके कारण लापरवाही के चलते लगातार अस्पतालों में मौतें हो रही हैं। अस्पतालों की जांच कराई जाये।पुलिस अधीक्षक ने महासभा की मांग पर तत्काल पीएम रिपोर्ट देने के सी ओ सिटी को आदेश दिए और पूरे प्रकरण की जांच एस पी सिटी को दी और आश्वासन दिया कि जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जांच करवाकर और पुलिस विवेचना को बड़ी गंभीरता से कराकर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर अध्यक्ष लाजपतराय बत्रा, प्रेम नारंग, सुरेंद्र सेठी, संजय सेठी, महेंद्र चावला,रितेश सेठी, चंद्र प्रकाश गुलाटी, कृष्ण गोपाल बिन्नू, अंकुर गांधी, मनमोहन अरोरा, शुभम् अरोरा, पवन ग्रोवर, जितेन्द्र मेहता, जसवंत सिंह, संजीव सचदेवा, जगदीश गांधी, नंद किशोर खंडूजा, पुनीत मेंहदीरत्ता आदि मौजूद रहे।

मथुरा जंक्शन गंदगी के ढेर में डूबा, प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान को बड़ा झटका

● 73 हजार हर रोज, महीना 2.64 करोड़ की बड़ी रकम जंक्शन पर सफाई को लेकर खर्च हो रही है

मथुरा जंक्शन की गंदगी ने देश-विदेश के पर्यटकों में मथुरा की छवि को धुमिल कर दिया है

मथुरा जंक्शन पर गंदगी का ढेर

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा- जंक्शन पर साफ सफाई को लेकर भारी भर कम रकम खर्च की जा रही है लेकिन सफाई के नाम पर केवल गुमराह किया जा रहा है गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिससे ब्रजभूमि में आने वाले श्रद्धालुओं पर गलत प्रभाव पढ़ने से स्टेशन की छवि को भी धक्का लग रहा है गौरतलब है कि मथुरा जंक्शन भारत का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन है जिससे लाखों लोग हर रोज गुजरते हैं नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री की स्वर्णिम परियोजना ÷अमृत भारतीय स्टेशन योजना÷ के तहत सैकड़ो करोड रुपए की लागत से स्टेशन की कायाकल्प बदलकर सौंदर्य रूप दिया जा रहा है स्टेशन को मेट्रो स्टेशन की तरह विकसित किया जा सके।

मथुरा जंक्शन की सफाई का टेंडर "आर एन इंडस्ट्रीज" को2.64 करोड़ रुपए महिने के हिसाब से 18 फरवरी 2025 को हुआ था। जो हर रोज 73000 रुपए रुपए बैठता है। लेकिन स्टेशन की सफाई एक भी दिन नहीं हो पाई फर्म को पैसा मिलता रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर मिली है बड़ा मोटा पैसा अधिकारियों को कमीशन के रूप में पहुंचता है जिससे टेंडर लेने वाली कंपनी अपना काम सही ढंग से काम नहीं कर पाती। स्टेशन पर चारों तरफ बदबूदार गंदगी से अटा पड़ा हुआ है श्रद्धालुओं को निकलने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है

1-मथुरा जंक्शन के मुख्य द्वार पर पार्किंग के पास बड़ा बड़ी बदबूदार गंदगी का छोटा सा पहाड़ बन गया है उसी के पास यात्रियों के लिए नयी पीने के लिए रेल नीर की पीने की बोतल भी रखी हुई कमरे में कैद हैं।

2- जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 8 और 9 पर गंदगी पड़ी हुई है गंदा पानी प्लेटफार्म पर फैल रहा है उसी से थोड़ा कुछ आगे रद्दी फाइल रजिस्टरों में आग लगी हुई है जिसका धुआं प्लेटफार्म पर फैल रहा है

2-जंक्शन की हर दीवार पर लिखा है गंदगी फैलाने वाले को ?500 से दंडित किया जाएगा। लेकिन बदबूदार गंदगी इस लिखी हुई चेतावनी के नीचे मिल जायेगी

3- पानी पीने वाले नल के नीचे गुटखा खाने वालों की गंदगी बाहरी मात्रा में मिल जाएगी, कैसे एक अच्छा यात्री पानी पी पायेगा।

4- स्टेशन पर शौचालय में भी अत्यधिक गंदगी है जिससे यात्रीगण दिक्कत का सामना कर रहे हैं ।

स्वतंत्र प्रभात की टीम इस पूरे मामले को कमरे में कैद करने लगी तो आनंद-फानन में कंपनी को खराब परफॉर्मेंस का नोटिस थमा दिया।

जब स्वतंत्र प्रभात टीम ने स्टेशन पर आने वाले यात्रियों से बात की तो उनका गुस्सा फूट पड़ा यात्रियों में आईटीआई का एग्जाम देने आए नीरज ने बताया मैं बलिया का रहने वाला हूं मैंने मथुरा के बारे सुना था कि साफ सुथरा शहर है। लेकिन मथुरा स्टेशन पर तो भिन-भिनाती मक्खियां और बदबूदार गंदगी जगह-जगह मिल रही है पानी पीने की जगह से लेकर शौचालय तक हालत खराब है एक सीनियर सिटीजन ने बताया मैं 2:00 बजे से बैठा हूं लेकिन मुझे कोई सफाई करने वाला नहीं देखा है स्टेशन से गंदगी कैसे साफ होती होगी

वर्जन- वर्तमान में एक महीने पहले आर एन इंडस्ट्रीज को टेंडर हो चुका है लेकिन खराब परफॉर्मेंस होने के कारण हमने इनको नोटिस दे दिया है जल्द नये टेंडर की प्रक्रिया शुरू की जाएगौं। एनपी सिंह निदेशक मथुरा जंक्शन

जफराबाद में पिकअप लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, मुख्य साजिशकर्ता अब भी फरार

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर जफराबाद- कस्बे के बाईपास क्षेत्र में 17 अप्रैल की रात हुई सनसनीखेज पिकअप लूटकांड का गुरुवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने जफराबाद थाने में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि घटना में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी दिलशाद अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस के अनुसार, लूट की इस साजिश को अंजाम देने की पूरी पटकथा दिलशाद और उसके सहयोगी सलमान उर्फ साहिल ने मिलकर लिखी थी। गिरफ्तार आरोपी सलमान शाहगंज का निवासी है, जो घटना वाले दिन पिकअप की रेकी कर रहा था। वह लगातार गोतस्कर दिलशाद को पिकअप की गतिविधियों की जानकारी देता रहा।

एसपी सिटी ने बताया कि मुख्य आरोपी दिलशाद ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर इस लूटकांड को अंजाम दिया। पुलिस की टीमें लगातार जनपद जौनपुर और पड़ोसी जनपद आजमगढ़ में दबिश दे रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और खुफिया सूचना के आधार पर सलमान को बेलांव पुल के पास जंगल से धरदबोचा। लूट में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि यह स्कॉर्पियो किसी अन्य व्यक्ति की है, जिसे कुछ पैसे देकर दिलशाद ने इस्तेमाल के लिए लिया था। पुलिस ने लूटी गई पिकअप को भी बरामद कर लिया है।

इस मामले का खुलासा करने में प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव, एसओजी प्रभारी रामजनम यादव, उपनिरीक्षक मनोज कुमार राय

और सर्विलांस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। पुलिस अब मुख्य आरोपी दिलशाद की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। लूटकांड की इस गुत्थी को सुलझाने के बाद पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही मुख्य साजिशकर्ता भी सलाखों के पीछे होगा।

हार्डवेयर की दुकान में आग से लाखों की क्षति

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के आजमगढ़ केराकत तिराहा केशवपुर गांव स्थित बीके हार्डवेयर की दुकान में बीती रात भीषण आग लगने से पूरी दुकान बुरी तरह से जलकर नष्ट हो गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्कसर्किट बताया जा रहा है। भोर में करीब चार बजे जब लोग मॉर्निंग वाक के लिए निकले तो देखा की दुकान से धुंआ निकल रहा हैं। लोगों ने दुकान स्वामी वीरेंद्र को आग लगने की सूचना तुरंत दिया तथा फायर विग्रेड को भी अवगत। मौके पर पहुंचे फायर विग्रेड घंटों मशक्कत के बाद आग को काबू पा सका। तब तक पूरी तरह से दुकान में रखे सारे सामन जल का नष्ट हो गई । बताया जाता है कि लगभग सात लाख रुपए के सामान जलकर नष्ट हो गए कुछ भी नहीं बचा। दुकान के मालिक वीरेंद्र जो वाराणसी के लक्ष्मनपुर थाना शिवपुर के निवासी हैं जौनपुर में ही अपने छोटे भाई के साथ रहते थे लेकिन बीती रात दुकान बंद करने के बाद घर में लक्ष्मनपुर वाराणसी चले गए थे।सूचना मिलने पर मौके पहुंची थाने की पुलिस मामले की जांच पड़ताल में कर रही है। इसी प्रकार बरसठी ब्लॉक के घाटमपुर गांव सभा के देवकली ताल में अचानक किसी के खेत में आग लग गई और आग की विकरालता ने गेहूं का भूसा रखा हुआ था सब जलकर राख हो गया। आग फैल कर पुरेशवा गांव के तालाब तक पहुंच गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड जमालापुर से घाटमपुर देवकली गांव में पहुंचकर आग पर काबू पाया और एक किसान का 7 कुंतल गेहूं जलकर राख हो गया और कई किसानों का भूसा जलकर राख हो गया। हजारों लोग बाल्टी की पानी लेकर दौड़े और आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी में आग पर काबू पाया दोपहर की हवा होने के कारण आग हवा किती प्रगति से फैलती जा रही थी।

मई माह की ग्राम चौपाल के लिए अधिकारी नामित

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने माह मई 2025 के प्रत्येक शुक्रवार को समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली ''ग्राम चौपाल'' (गाँव की समस्याए गाँव में समाधान) के लिए विकास खण्डवार रोस्टर निर्धारित किया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त, श्रम रोजगार एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपाल में से किसी एक विकासखंड की ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार 02 मई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकास खण्ड हरचन्दपुर में, जिला विकास अधिकारी विकास खण्ड राही में, उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड सतांव में एवं विकास खण्ड बछरावां में उपायुक्त, स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में किसी एक विकास खण्ड के ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा।

इसी प्रकार 09 मई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकासखंड डलमऊ में, जिला विकास अधिकारी ऊंचाहार में, उपायुक्त, श्रम रोजगार छतोह में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार सरेनी में। 16 मई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 रोहनियां में, जिला विकास अधिकारी दीनशाहगौरा में, उपायुक्त, श्रम रोजगार शिवगढ़ एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार हरचन्दपुर में। 23 मई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 डीह में, जिला विकास अधिकारी खीरों में, उपायुक्त, श्रम रोजगार अमावां में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड डलमऊ में। 30 मई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 महराजगंज में, जिला विकास अधिकारी लालगंज में, उपायुक्त, श्रम रोजगार जगतपुर में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड सलोन के किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

भागवत कथा के चौथे दिन राम अवतार. कृष्ण अवतार. वामन अवतार को सुनकर श्रोता हुए भाव विभोर

महराजगंज/रायबरेली। शिवगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत भवानीगढ़, देहली में सप्तवेदी, गणेश आंबिका, रूद्र हनुमत देव, सहित मोक्षदायिनी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा, के यहां आनंद मिश्रा के द्वारा संकल्पित पांचवी श्रीमद् भागवत कथा का हो रहा भव्य आयोजन। आपको बता दें कि, भवानीगढ़, देहली गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन बृहस्पतिवार को वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास भागवतोपासक वागीश रामचंद्र दास जी महाराज ने वामन अवतार कृष्ण अवतार एवं श्री राम अवतार की कथाओ का विस्तार रूप से व्याख्यान किया। कथा व्यास ने बताया कि, वामन अवतार में भगवान नारायण राजाबलि से भगवान वामन ने तीन पग भूमि मांगी अपने गुरु शुक्राचार्य के माना करने पर भी राजाबलि वामन भगवान को तीन पग भूमि दान कर दी। वामन भगवान ने तीन पग में ही पूरे ब्रह्मांड को नाप लिया। और राजाबलि भगवान वामन को अपने द्वार पर खड़े रहने के लिए वरदान मांगा। कथा व्यास ने बताया कि, माता देवकी के गर्भ में आठवें पुत्र के रूप में भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया और कंस का वध कर दिया। कथा व्यास ने कृष्ण जन्म, वामन अवतार, राम अवतार, जैसे विभिन्न कथाओं का वर्णन करते हुए पांडाल में बैठे समस्त श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। महराजगंज क्षेत्र के ग्राम सभा जिहवा के रहने वाले आनंद मिश्रा ने बताया कि, हर दूसरे महीने अलग-अलग स्थानों पर उनके द्वारा संकल्पित श्रीमद् भागवत कथाओं का आयोजन किया किया जा रहा है, यह उनके द्वारा आयोजित पांचवी श्रीमद् भागवत कथा है। इस मौके पर यज्ञशाला प्रमुख आचार्य पंडित योगेंद्र त्रिपाठी, परिचायक अमरेश शुक्ला, आकाश मिश्रा, मुख्य यजमान कालिका प्रसाद मिश्रा, सपत्नीक राजेश्वरी मिश्रा सहित, सुमित मिश्रा,रुद्रेश मिश्रा, पंकज मिश्रा, रामानुज मिश्रा, कनिक मिश्रा, अमित मिश्रा, आकाश मिश्रा, विकाश मिश्रा, कृष्ण मिश्रा, हर्षित मिश्रा, अरुण तिवारी, अनूप अवस्थी, सुभाष मिश्रा, अरविंद सिंह, विवेक मिश्रा, जितेंद्र सिंह, रागेन्द्र सिंह, रामू त्यागी सहित बड़ी तादात में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

आर आई अकांक्षा सिंह ने मुख्यमंत्री की फ्लीट की गाड़ियों का किया निरीक्षण

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कानपुर अगमन पर फ्लीट चेकिंग की जिम्मेदारी आरआई अकांक्षा सिंह ने निभाई। फ्लीट वो गाड़ियों का दस्ता होता है। जो मुख्यमंत्री की गाड़ी के साथ साथ चलता है। आरआई अकांक्षा सिंह के नेतृत्व में फ्लीट की सघन चेकिंग की गई। सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों के मेंटीनेंस आदि का जायजा लिया गया। एंबुलेंस आदि वाहनों का सघनता से निरीक्षण किया गया। ताकि कोई कमी न रहे , वीवीआईपी सुरक्षा में ज़रा भी चूक न होने पाए। इस बात का विशेष ध्यान रखा गया संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह ने आरआई अकांक्षा सिंह पर पूरा भरोसा जताया।

सतीश महाना ने शुभम द्विवेदी को अर्पित की श्रद्धांजलि

कानपुर – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी जनपद कानपुर में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले में असमय दिवंगत हुए शुभम द्विवेदी के कानपुर स्थित उनके पैतृक आवास पर आज उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कानपुर में स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण में डीएम को मिलीं खामियां, होगी जांच

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मैकराबाट्स अस्पताल का बिरहाना रोड सिविल लाइन का अपराह्न 3:50 पर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मिली कई कमियां। जिलाधिकारी ने बताया कि तीन एएनएम में से दो अनुपस्थित मिलीं तथा रजिस्टरों का सही ढंग से प्रयोग नहीं किया जा रहा है। मोबाइल नंबर नहीं है, अधूरी जानकारी है जो कि जांच का विषय है ।

नगर पालिका परिषद बेल्हा द्वारा दहिलामऊ दक्षिणी में अवैध अतिक्रमण हटाने की गयी कार्रवाई

प्रतापगढ़। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार ने बताया है कि संचारी रोग के दृष्टिगत विशेष अभियान चलाकर मच्छर जनित बीमारियों के नियंत्रण एवं बचाव हेतु नगर पालिका परिषद बेल्हा द्वारा गायघाट रोड शिव मंदिर से बीएसएनएल आफिस दहिलामऊ दक्षिणी में नाला गैंग के माध्यम से नालियों की साफ-सफाई कार्य कराते हुये सिल्ट आदि का निस्तारण कार्य कराया गया। साथ ही नालियों में मैलाथियान, डेल्टाफाग, ब्लीचिंग पाउडर, सोडियम हाइपोक्लोराइड एवं टेमीफास का छिड़काव कार्य कराया जा रहा है। नगर पालिका द्वारा समस्त वार्डो में रोस्टर के अनुसार फागिंग कार्य कराया जा रहा है। शासन के निर्देश के क्रम में निकाय क्षेत्रान्तर्गत बैनर,होर्डिंग हटाये जाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। साथ ही सार्वजनिक सड़क व नाले नालियों पर गुमटी ठेला आदि से किये गये अवैध अतिक्रमण भंगचा चुंगी से बलीपुर रोड होते हुये ट्रेजरी चौराहा तक अभियान चलाकर अतिक्रमण मुक्त किये जाने की कार्यवाही की गयी।

आतंकियों और उनके आकाओं को सजा अवश्य मिलेगा - योगी आदित्यनाथ

धर्म पूछकर बहिन बेटियों के सामने उनका सुहाग उजाड़ गया कोई बर्दाश्त नहीं करेगा

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में आज कहा कि पहलगाम में जिस तरह से आतंकवादियों ने घटना को अंजाम दिया है उसी तरह इन आतंकवादियों और उनके आकाओं से बदला लिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज कानपुर में आतंकवादी घटना में मारे गए शुभम् द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार उग्रवाद और आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टोलरेंस की नीति पर काम करना जानती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि न केवल देश ने बल्कि दुनिया के हर सभ्य समाज ने इस घटना की निंदा की है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम

सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर हमला, बहन बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, यह कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। खासतौर पर भारत में यह कतई स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले में असमय दिवंगत हुए शुभम द्विवेदी के कानपुर स्थित उनके पैतृक आवास पर आज उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। जिस तरीके से आतंकवादियों ने मां-बहनों के सिन्दूर के साथ बर्बरता की है उसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को सजा जरूर मिलेगी। पहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा है। जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है।

पहलगाम घटना के विरोध में कानपुर में एतिहासिक बंदी

कानपुर। आज कानपुर में पहलगाम आतंकी घटना के विरोध में एतिहासिक बंदी देखी गई। कल कानपुर व्यापार मंडल ने बंदी का आवाहन किया था और आज दुकानदारों ने स्वयं अपनी अपनी दुकानें बंद रखीं। पहलगाम में आतंकी घटना में कानपुर के शुभम् द्विवेदी की जान चली गई और आज उनका अंतिम संस्कार होना था। इसलिए व्यापार मंडल ने आवाहन किया था कि आज कानपुर का बाजार दोपहर दो बजे तक बंद रहेंगे।

डबल इंजन की सरकार इस तरह की बर्बर, अमानवीय घटना को बर्दास्त नहीं करेगी- मुख्यमंत्री

● योगी आदित्यनाथ ने शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित की

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज कानपुर आए और उन्होंने शुभम् द्विवेदी के घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिवार को सांत्वना दी और कहा कि यह डबल इंजन की सरकार है इस तरह की बर्बर और अमानवीय घटना को बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इसका बदला अवश्य लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इस दुःख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। पीड़ित परिवार की हर संभव मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री आज सुबह ही लखनऊ से कानपुर आ गये थे। और कानपुर में चकेरी हवाई अड्डे से सीधे वो मृतक शुभम् द्विवेदी के घर पहुंचे। शुभम् द्विवेदी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद मुख्यमंत्री शुभम् द्विवेदी के घर वालों से मिले। मुख्यमंत्री के साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी थे। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

डीसीपी साउथ ने नौबस्ता थाने पर किया अरदली रुम

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। दिनांक-24.04.2025 को पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा थाना नौबस्ता पर पहुंचकर थाना स्थानीय के विवेचकों का अर्दली रूम किया गया जिसमें मामलों की प्रगति की समीक्षा की व निर्देश दिए और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किए। अकारण विवेचनाओ को लम्बित रखने वाले विवेचको को सख्त हिदायत देते हुए निष्पक्ष ढंग से विवेचना करने व निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। अर्दली रूम के दौरान भौतिक/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को विवेचना में समाहित करते हुए विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण

निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। अपराधी किस्म/सांप्रदायिक तत्वों/माफिया लोगों के शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया। आपराधिक प्रवृति के लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने के दिशा-निर्देश दिये। मौके पर एसीपी नौबस्ता व प्रभारी निरीक्षक नौबस्ता मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की गई

प्रतापगढ़। बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्रांतर्गत गांव सभा व सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत अधिकांश गांव में लोगों द्वारा की गई लेकिन बहुत कम मामलों का निस्तारण हो पाया है। ऐसा ही मामला विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम के खभोर गांव का है जहां ग्राम प्रधान पूनम सिंह जिला अधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके गांव मे अधिकांश गांव सभा की भूमि जो राजस्व अभिलेखों में बंजर व नवीन परती रूप में दर्ज है,लेकिन गांव सभा संपत्ति पर कुछ लोग अवैध रूप से कब्जा करके पशुपालन का कार्य कर रहे हैं। कुछ तो अवैध निर्माण किए हुए हैं जिससे गांव का विकास नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सभी सरकारी भूमि को खाली कराए जाने की मांग की है।

पंचतत्व में विलीन हुए शुभम, सीएम योगी ने कानपुर पहुंच दी श्रद्धांजलि, बंधाया परिजनों को ढांढस

शुभम् के घर पहुंची भीड़ ने नम आंखों से दी विदाई, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ ने आज जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में 25 अन्य लोगों के साथ गोली मारकर असमय मौत के घाट उतारे गये श्री शुभम द्विवेदी के कानपुर के महराजपुर स्थित हाथी गांव के पैतृक आवास पर पहुंचकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस भी बंधाया। सीएम योगी ने कहा कि प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जिस तरीके से आतंकवादियों ने मां-बहनों के सिन्दूर के साथ बर्बरता की है। उसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को सजा जरूर मिलेगी। सीएम योगी ने यह भी कहा कि पहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है। मुख्य मंत्री ने कहा किपहलगाम की घटना बताती है कि आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांस ले रहा ह लेकिन जाति और धर्म पूछकर बहन-बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा जाए, भारत के अंदर यह कतई स्वीकार्य नहीं है। यहां उनके साथ विधान सभाध्यक्ष सतीश महाना, मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी सहित भाजपा के सभी विधायक नेता और पदाधिकारियों के साथ सैकड़ों लोगं मौजूद रहे। चाचा ने दी चिता को मुखाग्नि आज यहां गुरुवार को जम्मू काश्मीर के

पहलगाम में आतंकियों द्वारा 25 अन्य के साथ गोलीमार कर मौत के घाट उतारे गये शुभम को सैकड़ों लोगों ने अश्रुपूरित नेत्रों के साथ अतिम विधाई दी। शुभम का अ्तिम संस्कार आज यहां महराजपुर के ड्योढी घाट पर किया गया। शुभम की चिता को मुखाग्नि उनके चाचा मनोज द्विवेदी ने दी और क्रिया कर्म श्रवण कुमार पंडा द्वारा कराया गया। इस मौके पर शासन, प्रशासन और लोगों को तांता लगा रहा। इससे पहले सीएम योगी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद रमेश अवस्थी समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी। शुभम का नाम हर जुबान पर था। राजनेता हों या नौकरशाह, व्यापारी, छात्र, संगठन, सभी शुभम की असामयिक मौत से गुस्से में हैं। एक ही बात जुबां पर थी, मौत का बदला लो।

थाना महेशगंज पुलिस द्वारा सक्रिय 04 अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर का अभियोग किया गया दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। थाना महेशगंज पुलिस द्वारा लूट, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट जैसे संगीन अपराध कारित करने वाले कुल 04 अभियुक्तों के विरुद्ध की गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही गई।थाना प्रभारी महेशगंज मुकेश कुमार के नेतृत्व में 23 अप्रैल को सक्रिय एक आपराधिक संगठित गिरोह के गैंगलीडर रिंकू यादव उर्फ मोहित पुत्र श्रीराम यादव निवासी ग्राम बसावन लाला का पुरवा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ व सदस्य बच्चू पटेल उर्फ विश्वास पटेल पुत्र ओमप्रकाश पटेल निवासी बसावन लाला का पुरवा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ गुंडा पासी उर्फ अभिषेक पुत्र राजेश पासी निवासी लाला का पुरवा सराय खानदेव थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़, मुकेश सरोज पुत्र महेश सरोज निवासी सांभरपुर नरियावा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़ के विरूद्ध थाना महेशगंज में धारा 2/3 उ0प्र0 गिरोबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986

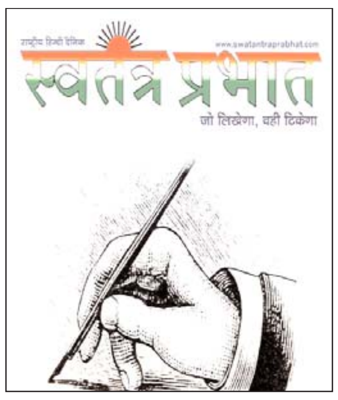

का अभियोग पंजीकृत किया गया है।अभियुक्त अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर संगठित तरीके से लूट, हत्या का प्रयास के अपराधों को किया गया है। गैंगलीडर रिंकू यादव उर्फ मोहित पुत्र राम यादव व सदस्यों द्वारा 16 जून 2024 की रात्रि में वादी को घर वापस आते समय रास्ते में लाला का पुरवा बड़ी नहर पुल के पास रोककर मोबाइल और जेब में रखे 9000 रूपये लूट लिया था तथा जातिसूचक शब्दो का प्रयोग करते हुये मां बहन की भद्दी भद्दी गालियां देते हुये लात घूंसा मुक्का से मारते हुये पुल की रेलिंग से लड़ा दिये व जान से मारने की धमकी दिये । जिसके सम्बन्ध में थाना महेशगंज पर मु0अ0सं0 122/24 धारा 392, 323, 504, 506 भादवि0 व 3(1)द, 3(1)ध, 3 (2) वी क व 3(2) वी एससी एसटी एक्ट पंजीकृत किया गया। इसके उपरान्त उक्त गिरोह के सरगना रिंकू यादव उर्फ मोहित व सदस्य मुकेश सरोज द्वारा 02 सितम्बर 2024 को पूरे हरिकेश नहर रोड के पास वादी को अपने गाड़ी से धक्का मारकर गिरा दिये और वादी के बैग जिसमे रखा 40- 50 हजार रुपये व समसंग का टैव आदि छीन कर लेकर भाग गये । जिसके सम्बन्ध में वादी के तहरीर के आधार थाना महेशगंज मे मु0अ0सं0 189/24 धारा 309 (4) बीएनएस दर्ज कराया गया।इस गिरोह के गैंगलीडर रिंकू यादव उर्फ मोहित पुत्र श्रीराम यादव व सदस्यों के विरुद्ध जनपद के भिन्न -भिन्न थानों में लूट, हत्या का प्रयास, मारपीट, धमकी, गाली गलौज व आर्म्स एक्ट जैसे मुकदमों में अभियोग दर्ज है।

सराहनीय एवं अदम्य साहसपूर्ण कार्य करने पर एसपी द्वारा पुलिस कर्मियों को किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार द्वारा अदम्य साहसपूर्ण कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।थाना कोतवाली नगर से उप निरीक्षक अनूप यादव व आरक्षी मनोज कुमार, थाना लीलापुर से मु0आरक्षी अजय प्रजापति, थाना कंधई से मु0आरक्षी राजकुमार कुशवाहा व आरक्षी अभिनव, थाना अन्तू से आरक्षी शिवम राजपूत व आरक्षी कन्हैया विश्वकर्मा, थाना लालगंज से आरक्षी सुमित व आरक्षी माधवेश को गैंगस्टर एक्ट के शातिर अभियुक्तों की त्वरित गिरफ्तारी व पुलिस मुठभेड़ में अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने के लिये एसपी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

व्यापारियों ने दुकानें बंद कर निकाली पैदल यात्रा, जताया आक्रोश

● देशविरोधी ताकतों पर होनी चाहिए कड़ी कार्रवाई- अध्यक्ष सचिन दुआ भगत

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। हरिशंकर विद्यार्थी मार्केट व्यापार मण्डल एवं अमरनाथ सेवा मण्डल के द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में गोविंद नगर की सभी दुकानें बंदकर व्यापारियों ने हाथों पर काली पट्टी बांध पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पैदल यात्रा निकाली। इस मौके पर व्यापार मण्डल अध्यक्ष सचिन दुआ भगत जी ने कहा कि भारत में रह रही देशविरोधी ताकतों पर भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमले में स्थानीय लोगों का इंवॉल्वमेंट रहा है, उन्हें भी सजा मिलनी चाहिए। मासूम और निहत्थे लोगों को बेदर्दी से मार देने से बड़ा अपराध कोई नहीं हो सकता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने यह अपराध कर

दिया है, इस जघन्य घटना ने पूरे भारतवासियों का खून खौला दिया है। महामंत्री विपुल साहा ने सवाल उठाया कि सुरक्षा में चूक आखिर कहां हुई जो ऐसा बड़ा आतंकी हमला किया गया। आने वाले दिनों में अमरनाथ यात्रा शुरू होने वाली है. पहलगाम से जत्था रवाना होता है. इस यात्रा को लेकर भय का माहौल बनाया जा रहा है. इस मामले में देश की जनता और सभी दल सरकार के साथ हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से व्यापार मण्डल अध्यक्ष सचिन दुआ जी महामंत्री विपुल साहा कोषाध्यक्ष अमित बाजपेई वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय अरोरा कमल चावला संगठन मंत्री सुरेन्द्र जुनेजा विक्की साहा सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला पंचायत ग्रामीण अंचल में विकास हेतु प्रगति के पथ पर अग्रसर

प्रतापगढ़। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत नरेन्द्र पाल सिंह ने बताया है कि जिला पंचायत ग्रामीण अंचल में अपने सीमित संसाधनों के माध्यम से जनपद के सतत् विकास हेतु निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2024-25 में जिला पंचायत द्वारा राज्यवित्त आयोग योजनान्तर्गत रूपये 1810.90 लाख लागत से पीसी व सीसी कार्य की 191 परियोजनायें लम्बाई 49.60 किमी0 तथा केन्द्रीय वित्त आयोग (अनटाइड)योजनान्तर्गत रूपये 827.320 लाख की लागत से 98 परियोजनायें लम्बाई 14.25 किमी0 एवं केन्द्रीय वित्त आयोग (टाइड) के अन्तर्गत स्वच्छता हेतु रूपये 962.114 लाख की लागत से नाली निर्माण की 114 परियोजनायें लम्बाई 18.75 किमी0 व जल संरक्षण व पेयजल हेतु रूपये 545.769 लाख की लागत से 37 परियोजनायें सम्पादित की जा रही है।साथ ही जलस संचयन व संवर्धन हेतु 05 अमृत सरोवर का निर्माण जिला पंचायत द्वारा कराया गया है।

आतंकी हमले की घटना पर देश एकजुट खड़ा है पीएम उन्हें माकूल जवाब दें - डॉ नीरज

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में अम्बेडकर चौराहे पर नारेबाजी करते हुए आतंकवाद और पाकिस्तान के पुतले को जूते की माला पहनाया और फूंक कर दहन किया।कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने पहलगाम हमले में मृतक 27 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी जैसा कलेजा दिखाते हुए जिन्होंने पाकिस्तान में घुसकर उसके दो टुकड़े कर दिए और 95 हजार सैनिकों को घुटने के बल टेकने पर मजबूर कर दिया था। पाकिस्तान से बदला लेने की अपील करते हुए कहा कि मोदी जी के साथ इस मसले पर पूरा देश एकजुट खड़ा है, वह अपना कलेजा बड़ा करें और इस दुस्साहिक घटना का आतंकवादियों को माकूल जवाब दें। सेवादल प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम शंकर द्विवेदी ने कहा कि मोदी जी पाकिस्तान को 56 इंची सीना कब दिखाएंगे और आतंकवादियों को लाल आंख दिखाने में देर न करें।कहा कि आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने का समय आ गया है।इस अवसर पर मुख्य रूप से

कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, जिला उपाध्यक्ष रामशिरोमणि वर्मा,जिला उपाध्यक्ष विजय शंकर तिवारी, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव मो. हुजैफ, जिला सचिव सुरेश मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मकरंद शुक्ला, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सरोज कश्यप, प्रदीप द्विवेदी, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष शुभम मिश्रा,जिला सचिव के.के.शुक्ला,अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज, जिला सचिव मो. दिलशाद, श्याम शंकर तिवारी, सोनी तिवारी, सदर ब्लॉक अध्यक्ष मो.वसीम,रियाज सुलतान, आशीष शुक्ला, मो.साहिल, नगर प्रभारी इश्तियाक अहमद,बेलाल अहमद,मीरा देवी, सलमान खान, अरबाज आलम, शहजाद सलमानी, अब्दुल रहमान आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रिटायर्ड अधिकारी को डिजिटल अरैस्ट कर 82 लाख की ठगी, तीन गिरफ्तार

● यूट्यूब से सीखा डिजिटल अरैस्ट करने का तरीका,770000 बरामद

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के रिटायर्ड अधिकारी को डिजीटल अरेस्ट कर 82.30 लाख रूपए की ठगी करने वाले तीन अभियुक्तों को साइबर क्राइम टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त अपराध ने बताया कि अभियुक्तों ने फर्जी कम्पनी खोलकर टैक्स जमा न करने की दी थी धमकी। फर्जी इन्कमटैक्स इंस्पेक्टर बनकर वादी को लिया था झांसे में, 82 लाख 30 हजार रूपए की हुई थी साइबर ठगी। एक ही गाँव के तीनों अभियुक्तों को अलीगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। 12वीं पास ने यूट्यूब से सीखा था अपराध का तरीका। घटना क्रम के अनुसार शताब्दी नगर, पनकी निवासी विनोद कुमार झा ने दिनांक 6 अप्रैल 2025 को साइबर क्राइम थाना कमिश्नरेट कानपुर नगर में आकर शिकायत दर्ज की कि मेरे पास

दिल्ली में एक फर्जी कम्पनी खोलने व इसका टैक्स जमा न करने के नाम पर एक फोन आया जिसके लिए मैने मना किया कि मैने कोई कम्पनी नहीं खोली है तो उन्होने इसके लिए एफ. आई. आर. लिखवाने तथा तथा मेरे एकाउंट को वैरीफाई करने आदि के नाम पर इन्कमटैक्स का भय दिखाकर धमकी दिया और घर पर डिजीटल अरेस्ट करने को बोलकर मेरे साथ 82 लाख 30 हजार रूपए की साइबर ठगी कर ली। इस सूचना जिस पर साइबर थाना पर आईटी एक्ट पंजीकृत कराया गया। साइबर थाना में अभियोग पंजीकृत करके तत्काल जाँच कर सभी लाभार्थी बैंक खातो को फ्रीज

कराया गया विवेचना के क्रम में जाँच करते हुए आज दिनांक 23 अप्रैल को थानाक्षेत्र टप्पल जनपद अलीगढ़ से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त रौबी कुमार पुत्र भरत लाल निवासी खेरिया बुजुर्ग, रंजीतगढ़ी, तहसील खैर जनपद अलीगढ़, उम्र 24 वर्ष, जितेन्द्र कुमार पुत्र रामखिलाड़ी निवासी खेरिया बुजुर्ग, रंजीतगढ़ी, तहसील खैर जनपद अलीगढ़, रविन्द्र सिंह पुत्र रामजी लाल निवासी खेरिया बुजुर्ग, रंजीतगढ़ी, तहसील खैर जनपद अलीगढ़, उम्र 23 वर्ष हैं। अभियुक्तों के पास से 770000 रुपए नकद व तीन मोबाइल बरामद किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

ठेका श्रमिक मजदूर कांग्रेस इंटक एरिया महामंत्री आदर्श तिवारी बनने पर हर्ष

शहडोल शहडोल, एसईसीएल सोहागपुर एरिया कोयला मजदूर कांग्रेस इंटक ठेका श्रमिक संगठन के महामंत्री पद पर आदर्श तिवारी की नियुक्त किए जाने पर ठेका श्रमिकों में हर्ष प्राप्त है । इस पद पर सुशोभित होने पर आदर्श तिवारी ने कहा कि हमारे सोहागपुर एरियाअध्यक्ष नरेंद्र चतुर्वेदी जी ने जो मुझे दायित्व दिया है। उस पद का निर्वहन मैं ईमानदारी एवं न्याय के साथ संघर्ष करता रहूंगा । इसके लिए मैं अपने श्रमिक साथियों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर लड़ता रहूंगा । यह मेरे जिंदगी का उद्देश्य भी है की गरीब श्रमिकों के लिए सदैव निरंतर संघर्ष करता रहूंगा। सर्वप्रथम इंटक यूनियन को सोहागपुर एरिया मे मजबूत करने का पूर्ण प्रयास करुंगा।

पेड़ से लटकता हुआ शव मिला

सिद्धार्थनगर। भावनीगंज थाना क्षेत्र के भड़रिया गांव के पश्चिम श्मशान घाट के पास बुधवार की शाम बाग में आम के पेड़ से अधेड़ व्यक्ति का शव फंदे से लटका मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाया है। भड़रिया गांव की महिलाएं श्मशान घाट के पास स्थित खेत से सब्जी तोड़ने आती हैं। जो उधर स्थित सुवांव नाला श्मशान घाट की तरफ गई थीं। जिन्होंने शव को पेड़ से लटकता देखा और चौराहे पर जाकर शोर मचाया, जिसे सुनकर लोग पहुंचे और घटने की जानकारी भवानीगंज पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की पहचान भाईलाल (44) पुत्र गिरधारी निवासी भड़रिया के रूप में हुई । घटना की जानकारी परिजन को दी गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में बर्डपुर में निकाली गई कैंडल मार्च

सिद्धार्थनगर। जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत के विरोध में गुरुवार को नगर पंचायत कपिलवस्तु के कस्बा बर्डपुर के बुद्ध चौक से बैंक चौराहे तक कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सभी ने दो मिनट का मौन रखा और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के नेताओं सहित व्यापारियों एवं भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष नगर पंचायत अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, शरदेंदु त्रिपाठी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद आलम उर्फ चुन्ने, विवेक गोस्वामी, हरिश्चंद्र अग्रहरि, राजकमल जायसवाल, कंचन वर्मा, रामशरन, अनिल चौधरी, रामसागर चौधरी, डॉ प्रमोद यादव ,राजकुमार चौधरी, संदीप मोदनवाल, दिलीप कन्नौजिया, विजय जायसवाल, अमरजीत राय ,दिनेश यादव ,सुरेंद्र यादव, अभिषेक पाण्डेय, आशीष मिश्रा, वीरू यादव, पवन मिश्रा, आनन्द चौधरी, शिवम मिश्र, आत्मा जायसवाल,फूलचंद्र जायसवाल ,राकेश मिश्र, पुनीत जायसवाल,मंतोष मोदनवाल, अभिषेक पाण्डेय, पवन यादव, विष्णु चौरसिया, तेजू जायसवाल, देवेंद्र चौधरी, हरिशंकर चौधरी, जेपी विश्वकर्मा, संजय जायसवाल, जितेंद्र जायसवाल, विनय कुमार ,गंगाराम आदि मौजूद रहे।

डीईओ ने वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अलीगढ़। जिला अधिकारी एवं डीईओ संजीव रंजन द्वारा गुरुवार को ईवीएम वेयरहाउस पहुँच राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को जांचा गया है। एडीएम पंकज कुमार ने बताया कि वेयर हाउस में 5356 बैलेट यूनिट, 5747 कंट्रोल यूनिट एवं 5630 वीवीपैट संरक्षित एवं सुरक्षित हैं। बीजेपी से उदयवीर सिंह लोधी, बीएसपी से एडवोकेट अशोक सिंह, एसपी से शाकिर अंसारी एवं मोहम्मद इदरीश की उपस्थिति में वेयर हाउस की सील खोली गई। सुरक्षा को जांचते हुए फिर से सभी प्रतिनिधियों के समक्ष वेयर हाउस में रखी ईवीएम, वीवीपैट को सीलबंद किया गया।

30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ दें भारतीय नागरिक, शहबाज सरकार ने दिया अल्टीमेटम

● पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीज़ा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत सभी वीज़ा को भी निलंबित कर दिया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द माना है। प्रेस विज्ञप्ति में एसवीईएस के तहत वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर बाहर निकलने का निर्देश दिया गया है।

स्वतंत्र प्रभात

पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के बाद, इस्लामाबाद ने पाकिस्तान में सभी भारतीय नागरिकों को 30 अप्रैल 2025 तक भारत लौटने के लिए कहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में पाकिस्तानी पीएमओ ने कहा जो लोग वैध अनुमोदन के साथ सीमा पार कर गए हैं, वे तुरंत उस मार्ग से वापस आ सकते हैं, लेकिन 30 अप्रैल 2025 के बाद नहीं। पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीज़ा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत सभी वीज़ा को भी निलंबित कर दिया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द माना है। प्रेस विज्ञप्ति में एसवीईएस के तहत वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर बाहर निकलने का निर्देश दिया गया है।

इससे पहले, डॉन ने बताया कि उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने बुधवार देर रात एक निजी टेलीविजन चैनल से बात करते हुए भारत के दृष्टिकोण की आलोचना की और इसे अपरिपक्व और जल्दबाजी कहा। राजनयिक पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि भारतीय प्रतिक्रिया और पाकिस्तान के जवाबी संदेश द्विपक्षीय संबंधों को नए निचले स्तर पर ले जा सकते हैं, जिससे 2019 के पुलवामा-बालाकोट संकट के बाद से चली आ रही दरार और बढ़ सकती है।

डॉन ने बताया कि संधि निलंबन, विशेष रूप से, दीर्घकालिक जल विवादों को भड़काने का जोखिम उठाता है, जबकि राजनयिक संबंधों का डाउनग्रेडिंग भविष्य के किसी भी डी-एस्केलेशन प्रयासों में बाधा डाल सकता है। पहलगाम हमले के एक दिन बाद, बुधवार शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (CCS) की बैठक हुई और आतंकी हमले के जवाब को अंतिम रूप दिया गया।

44 वीं जागृति ट्रॉफी पर झारखंड रेलवे धनबाद का कब्जा

नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली रही उप विजेता

सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय वॉलीबाल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में झारखंड रेलवे धनबाद और नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली ने एक - एक सेट जीता ,तीसरे सेट (बेस्ट ऑफ थ्री मैच) में अच्छा प्रदर्शन करते हुए झारखंड रेलवे धनबाद ने नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली को हरा कर जागृति ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। आयोजन समिति द्वारा ट्रॉफी के साथ 51000 रु का नकद पुरस्कार झारखंड रेलवे धनबाद को दिया गया।उप विजेता नॉर्दर्न रेलवे दिल्ली को उपविजेता ट्रॉफी के साथ 31000 रु की धनराशि दी गई। जागृति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वॉलीबाल टूर्नामेंट में समापन दिवस के मुख्यातिथि पूर्व सांसद कुशल तिवारी ,विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री डॉ श मसूद,पूर्व मंत्री, दिनेश कुमार सिंह ,उपाध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन मंत्री कांग्रेस, मुरली मिश्रा,अध्यक्ष अकील अहमद उर्फ मुन्नू भाई, आयोजन सचिव मो श इब्राहिम आदि मौजूद रहे।

पुलिस उप महानिरीक्षक ने थाना मोहाना का वार्षिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। पुलिस उप महानिरीक्षक दिनेश कुमार पी . ने गुरुवार को वार्षिक निरीक्षण के लिए थाना मोहाना पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। तत्पश्चात डीआईजी बस्ती द्वारा डॉ.अभिषेक महाजन, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के साथ थाना मोहाना के थाना भवन, शस्त्रागार, बैरक, भोजनालय, थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्पडेस्क व साइबर हेल्प डेस्क, महिला एवं पुरूष हवालात, थाना परिसर, निर्माणाधीन भवनों, अभिलेखों आदि का निरीक्षण किया गया । उन्होंने थाने के अपराध रजिस्टर, अन्य रजिस्टरों की जांच की तथा थाना के टॉप-10 अपराधियों के बारे में जानकारी कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देशित किया। थाना पर नियुक्त कर्मियों से बलवा ड्रिल व शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया।

इस दौरान उन्होंने थाना परिसर व कार्यालय की साफ-सफाई का जायजा लिया एवं थाना परिसर में निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन, क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी सदर अरुणकान्त सिंह, थानाध्यक्ष मोहाना रोहित कुमार उपाध्याय, पीआरओ0 पुलिस अधीक्षक, वाचक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर एवं अन्य पुलिस अधिकारी तथा पुलिस कर्मी आदि मौजूद रहे।

समस्तीपुर में भीषण अग्निकांड! शादी वाले घर में मची तबाही, पंडाल सहित सारा सामान जलकर राख

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर के कल्याणपुर में आग ने ऐसा तांडव मचाया, जिसमें जलकर 50 घर राख में तब्दील हो गए। वहीं इस भीषण अग्निकांड में दुल्हन बनने वाली एक लड़की का सपना भी जलकर खाक हो गया। घटना जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर वार्ड नंबर 10 की है, जहां बुधवार को शॉट सर्किट से भीषण आग लग गई। आशंका की इस घटना में लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। मिली जानकारी के अनुसार विश्वनाथ सहनी के घर में बिजली की चिंगारी से आग लग गयी। इस दौरान एक गैस सिलेंडर फटने से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते 50 घरों में अपनी चपेट में ले लिया। सबसे दुखद बात यह है कि इस आगलगी में मोचन साह का घर भी शामिल है, जिनकी बेटी की आज शादी होने वाली थी और शादी की सारी तैयारी पूरी हो गई थी। लेकिन आग ने सबकुछ तबाह कर दिया, जिससे खुशी का माहौल गम में तब्दील हो गया है।

सब खत्म हो गया, कुछ नहीं बचा- पीड़ित मोचन साह ने बताया कि उनकी बेटी की शादी होने वाली थी। जिसके लिए सभी तैयारी कर ली गयी थी। बारातियों के स्वागत के लिए पंडाल और मंडप तैयार कर लिया किया गया था। खाना भी बनकर तैयार था। लेकिन इस आगजनी में शादी के लिए खरीदा गया आभूषण, पैसा, फर्नीचर और बर्तन सहित सारा सामान जलकर राख हो गया। इसके अलावा ग्रामीण राज नंदन सहनी के 2 भैंस और एक दर्जन बकरी की झुलसकर मौत हो गई। वहीं सुनील साहनी, राहुल देव सहनी, संजय सहनी, मीना देवी, राजू सहनी, मनोज सहनी, विनोद सहनी और मनजीत कुमार के घर भी पूरी तरह जल गए। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस संबंध में जिला अग्निशमन सहायक पदाधिकारी सुरेंद्र प्रसाद ने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे के सूचना मिली थी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आगजनी में हुई नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इधर कल्याणपुर प्रखंड के अंचल अधिकारी शशि रंजन ने कहा कि सूचना के बाद हल्का कर्मचारी को मौके पर भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही

● कांग्रेस कार्य समिति द्वारा पारित प्रस्ताव।

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त की है। इस जघन्य हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए। कांग्रेस कार्यसमिति शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है और इस गहन पीड़ा की घड़ी में उनके साथ पूरी तरह से एकजुटता के साथ खड़ी है। यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला, जिसकी साजिश पाकिस्तान द्वारा रची गई, हमारे गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिश थी। हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्यसमिति शांति की अपील करती है और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराती है।

कांग्रेस कार्यसमिति उन स्थानीय पोनिवालों और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक ने पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहादत दी। उनका यह वीरतापूर्ण बलिदान उस भारत की मूल भावना को सजीव करता है, जहाँ निःस्वार्थ सेवा, मानवता और एकता सर्वोपरि हैं। राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति को अभिव्यक्त करने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 अप्रैल की रात को ही प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। यह बैठक आज के लिए निर्धारित की गई है।

यह ध्यान देने योग्य है कि पहलगाम एक अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जहाँ त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। ऐसे में यह आवश्यक है कि इस केंद्रशासित प्रदेश- जो सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है- में हुए इस हमले की पृष्ठभूमि में सुरक्षा तंत्र की कमियों और व्यवस्थागत चूकों की विस्तृत और निष्पक्ष जांच की जाए। इन सवालों को जनहित में उठाना जरूरी है, ताकि प्रभावित परिवारों को न्याय होता हुआ स्पष्ट रूप से नजर आ सके।

कांग्रेस कार्यसमिति यह भी नोट करती है कि अमरनाथ यात्रा शीघ्र ही प्रारंभ होने वाली है। देशभर से लाखों श्रद्धालु इस वार्षिक यात्रा में भाग लेते हैं और उनकी सुरक्षा को राष्ट्रीय

प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए ठोस, पारदर्शी और सक्रिय सुरक्षा उपाय तुरंत लागू किए जाने चाहिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के उन लोगों की आजीविका की भी रक्षा की जानी चाहिए, जिनका जीवन पर्यटन पर निर्भर करता है- यह कार्य पूर्ण ईमानदारी और गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए।

इस नरसंहार की जम्मू-कश्मीर के सभी राजनीतिक दलों और समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा सर्वसम्मति से निंदा की गई है। किंतु यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है- जबकि इस समय सबसे अधिक आवश्यकता एकता और एकजुटता की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में गायब दो नाबालिक चचेरी बहनें मिलीं दिल्ली से बरामद....

● सीसीटीवी की 100 से ज्यादा फुटेज खंगाली, 36 घंटे में पुलिस ने खोज निकाला.....

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज/लखनऊ, मोहनलालगंज क्षेत्र के एक किसान की 17 वर्षीय बेटी और 15 वर्षीय भतीजी, जो मंगलवार सुबह सातवजे साइकल से इण्टर कॉलेज जा रही थीं, संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गयीं। देर शाम घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की तो उनकी साइकल पड़ोसी गाँव में लावारिस हालत में मिली। किसान की तहरीर पर मोहनलालगंज थाने में गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने त्वरित तलाश शुरू कर दी। मोहनलालगंज कोतवाली इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया करीब 36 घंटे में 100 से अधिक स्थानों के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गये। फुटेज में दोनों बहनें चारबाग रेलवे स्टेशन पर नजर आयीं, जहां से उन्हें आगे की यात्रा करते देखा गया।बुधवार दोपहर एक लड़की ने किसी राहगीर का फोन उधार लेकर अपनी मौसी को कॉल किया। कॉल डिटेल से मिले नंबर की लोकेशन दिल्ली के शकरपुर इलाके में पाई गई। इसके बाद लखनऊ से रवाना हुई पुलिस टीम ने दिल्ली पुलिस की मदद से गुरुवार तड़के दोनों किशोरियों को सकुशल बरामद किया और दोपहर बाद मोहनलालगंज कोतवाली ले आई किशोरियों ने बताया पारिवारिक दबाव से परेशान होकर निकलीं कि वे पढ़ाई के अतिरिक्त दबाव और घर-परिवार की कुछ आपसी तकरार से व्यथित होकर "दो-एक दिन घूमने" की योजना बनाकर निकली थीं। किसी आपराधिक तत्व की भूमिका फिलहाल सामने नहीं आई है, परंतु किशोरियों का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराया जाएगा। किसान पिता ने कहा, "पुलिस की मुस्तैदी से मेरी बच्चियाँ सही-सलामत वापस आ गई, इसके लिए हम आभारी हैं। अब हम घर के माहौल को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।" किशोरियों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया, रिपोर्ट सामान्य निकली बाल कल्याण समिति को सूचित कर परामर्श की व्यवस्था की गई।

सलाहुद्दीन हत्याकांड का पुलिस ने किया पर्दाफाश, दो अभियुक्त गिरफ्तार

● मृतक सलाउद्दीन की इंस्टाग्राम पर हुई थी महिला से दोस्ती

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम तुरकौलिया की सरहद में बुधवार की सुबह एक शव मिला था। जिसकी पहचान सलाहुद्दीन पुत्र साहबुद्दीन ग्राम गुलहरिया थाना खेसरहा के रुप मे हुई तथा उसके सम्बन्ध में थाना जोगिया उदयपुर पर मु0अ0सं0 58/2025 धारा 103(1)238(बी) बीएनएस बनाम समीम पुत्र मोहब्बत अली व अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत हुआ था । घटना के पर्दाफाश के लिए एसओजी/सर्विलांस व थाना जोगिया उदयपुर की एक विशेष पुलिस टीम का गठन हुआ था। गठित टीम को मुखबिर सूचना पर चौरसी से चोरवर जाने वाले मार्ग पर घटना में शामिल 2 अभियुक्तों को एसओजी प्रभारी जीवन त्रिपाठी व प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा तथा पुलिस टीम लोगों द्वारा पकड़ लिया गया ।पकड़े गए अभियुक्त धीरज पुत्र गंगाराम साकिन सियरापार थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर,सनी देवल पुत्र राम बेलास साकिन सियरापार थाना उसका बाजार जनपद सिद्धार्थनगर के निवासी है।पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त व अन्य लोगों से पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतक सलाहुद्दीन का कुछ दिन पहले सियरापार की एक महिला लक्ष्मी से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी जो महिला पहले से ही शादीशुदा थी। दोनों एक दूसरे से बातचीत करने व मिलने लगे थे घटना के दिन मृतक सलाहुद्दीन अपने ही गांव के एक मित्र समीम को लेकर अपनी महिला मित्र से मिलने बाइक से सियरापार आया था। सियरापार ग्राम के बाहर नदी तट बंधे के पास

सलाहुद्दीन अपनी महिला मित्र से मिलने लगा तथा उसका दोस्त बाइक लेकर कुछ दूर पर उसका इंतजार कर रहा था। तभी महिला के गांव सियरापार के ही धीरज ,सनी देओल और कुछ अन्य लोगों ने सलाउद्दीन को उस महिला के साथ देख लिए इसके बाद यह सभी लोग सलाउद्दीन को लाठी डंडे से मौके पर ही मारने पीटने लगे इस मारपीट के दौरान सलाहुद्दीन की मौके पर ही मृत्यु हो गई यह मारपीट देखकर सलाहुद्दीन का दोस्त समीम दूर से ही बाइक लेकर मौके से भाग गया था।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बटोरी वाहवाही

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया निकट गौहनिया चौराहा के पास स्थित सावित्री देवी पब्लिक स्कूल गौहनिया के परिसर में बुधवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख कौशलेन्द्र त्रिपाठी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रधानाचार्य तुलसीकृत दुबे ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण व बैच लगाकर स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख कौशलेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि सभी छात्र- छात्राएं शिक्षा की गुणवत्ता एवं शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित होते हुए मन लगाकर पढ़ें। जिससे विद्यालय एवं क्षेत्र तथा अपने माता पिता के साथ जनपद का नाम रोशन करें। इस तरह के कार्यक्रम होने से बच्चों के अन्दर छुपी असीम प्रतिभाएं निकल कर बाहर आती है। उन्हें निखारने की जिम्मेदारी शिक्षक के ऊपर होती है। कार्यक्रम का संचालन उमेश प्रताप सिंह ने किया। प्रधानाचार्य ने आये हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।इस दौरान ,रवि सिंह, सूर्य प्रकाश पाण्डेय,धनंजय सिंह,अनिल कुमार चौधरी,रविन्द्र दूबे,अंजू मिश्रा,मोनू तिवारी, अरविन्द अग्रहरि, मोहम्मद मुख्तार आलम उर्फ चांद, शरदेंदु त्रिपाठी, रामानन्द पाण्डेय, संरक्षक उमेश प्रताप सिंह, प्रबंधक शम्भूनाथ दूबे, शिक्षक कृष्ण गोपाल पाठक, सपना दूबे, शालिनी सिंह, रंजना मिश्रा, निधि मिश्रा, सिद्धार्थ उपाध्याय, अरुण पाण्डेय,बालकेश गुप्ता, हरिशंकर मिश्र,प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, आशीष मिश्रा, सीताराम दूबे,श्वेता गुप्ता अभिभावक प्रभात साहनी उत्तर प्रदेश पुलिस,मनोहर साहनी, रवि प्रकाश दूबे, परशुराम उपाध्याय,महात्म यादव, राजेन्द्र चौधरी, घनश्याम गुप्ता, दिलीप विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

अमेरिका और मोदी सरकार की डील पर जताया आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात

अलीगढ़। संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के अलीगढ़ जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान शाह के नेतृत्व में किसानों के देशव्यापी आह्वान पर अमेरिका और मोदी सरकार की डील के जरिए भारत की खेती को अमरीकी कम्पनियों के हवाले किए जाने,बीज, पोल्ट्री, दूध, डेयरी,गेहूं जैसे आदि कृषि क्षेत्रों पर अमेरिकी कब्जा जैसे क्रम से संयुक्त श्रमिक किसान मोर्चा के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जिसके चलते आज किसानों के राष्ट्रीय आह्वान के समर्थन में डील का जिला कैम्प कार्यालय नगला पटवारी पर पुतला दहन किया गया है।

जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान शाह ने बताया कि अगर यह समझौता हुआ तो अमेरिका और मोदी सरकार की डील भारत की खेती को अमरीकी कम्पनियों के हवाले कर देगी। बीज पोल्ट्री दूध डेयरी गेहूं और कई कृषि सेक्टर पर विदेशी कब्जा हो जायेगा। किसान का खेत,बीज, मंडी, और मेहनत सब अमरीकी कम्पनियों की मुट्ठी में होगी, यदि इस डील को लागू कर दिया तो किसानों की बर्बादी सुनिश्चित है। पुतला दहन कर आक्रोश प्रकट किया है ,आगे गांव गांव से किसानों को जगाया जायेगा। इस अवसर युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आसीफ खान, मुबीन खां, ब्लाक उपाध्यक्ष लोधा अभिषेक शर्मा,जाहिद, शाकिर, अशोक ठाकुर आदि सहित अन्य किसान नेताओं की मौजूदगी रही।

सिनेमा हॉलों चली ब्राह्मण विरोधी फिल्म तो होगी तोड़-फोड़

स्वतंत्र प्रभात

अलीगढ़। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद नें एसपी सिटी कार्यालय पहुंच नाराजगी जताई ओर सीधे सीधे चेतावनी दे डाली कि अगर ब्राह्मण विरोधी फिल्म फूले अगर हरिगढ़ के किसी भी सिनेमा हॉल में चली तो उसकी टूट फुट व अन्य घटनाओं की जिम्मेदारी सीधे सीधे प्रशासन व सिनेमा हॉल मालिकों की होगी। इस फ़िल्म व इसके मेकर अनुराग कश्यप के ब्राह्मण विरोधी बयान ब्राह्मण पर मुतुंगा किसी की दिक्कत को लेकर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद पूर्व में ही रोरावार थाना हरिगढ़ को ज्ञापन दे चूका है, जिसपर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है । सनातनी मनीष लवानिया व अन्य लोगो नें कहा हम समाज में एकता बनाये रखनी होंगी जातिवाद को छोडके अलग हटकर इस युद्ध का हिस्सा बनना होगा। इस मोके पर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद परिवार से आचार्य भरत तिवारी (राष्ट्रीय संघटन मंत्री), सनातनी मनीष लवानिया, श्रीमती गौरी पाठक (प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा वेदप्रकाश शर्मा राष्ट्रीय महासचिव धनंजय पंडित सहसंयोजक बांके बिहारी जी महानगर अध्यक्ष राधे युवा उपाध्यक्ष मनोज कौशिक प्रदेश उपाध्यक्ष युवा पवन ठाकुर जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा

महानगर उपाध्यक्ष राकेश शर्मा महानगर मंत्री प्रमोद गौंड जिला अध्यक्ष हरिग्ढ अंकित जादौन शिव जादौन सत्येंद्र सिंह जादौन आचार्य रिंकू शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

लसिथ मलिंगा के बड़े रिकॉर्ड पर जसप्रीत बुमराह की नजरें, टी20 क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

स्वतंत्र प्रभात

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के दौरान दिग्गज लसिथ मलिंगा के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का विकेट लेने वाले बुमराह ने टी20 क्रिकेट में 300 विकेट के आंकड़े को भी छुआ। टी30 करियर में 300 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे गेंदबाज बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह के अलावा अश्विन (315), भुवनेश्वर कुमार (318) और युजवेंद्र चहल (373) टी20 क्रिकेट में 300 से ज्यादा हासिल कर चुके हैं। बुमराह ने गुरुवार को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के दौरान ये उपलब्धि हासिल की। उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर हेनरिक क्लासेन का बड़ा विकेट लिया, जोकि 44 गेंद में 71 रन बनाकर आउट हुए।

आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह ने पांच मैचों में पांच विकेट लिए हैं। हैदराबाद के खिलाफ एक विकेट लेकर बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी की। जसप्रीत बुमराह और लसिथ मलिंगा ने मुंबई के लिए 170 विकेट चटकाए हैं। मलिंगा का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बुमराह को सिर्फ एक विकेट की दरकार है। लसिथ मलिंगा इस समय मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाजी कोच हैं। इसके साथ ही बुमराह आईपीएल इतिहास में संयुक्त रूप से आठवें सबसे ज्यादा विकेट

लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। मलिंगा ने 122 पारियों में 170 विकेट लेने का कारनामा किया था, जबकि बुमराह ने 138 पारी ली। मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद का सात विकेट से हराकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।